राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

Www.gauravshalibharat.com

गौरवशाली भारत

नई दिल्ली से प्रकाशित

वर्ष : 11
अंक : 320
पृष्ठ : 08
नई दिल्ली
बुधवार 01 जून 2022
मूल्य : 1.50/-

RNI No .DELHIN/2011/38334

मुख्य अपडेट

पेज 3 यूरोपीय शहरों की तरह दिल्ली की सड़कों को खूबसूरत बना रही है केजरीवाल सरकार, सीएम अरविंद केजरीवाल ने ब्रिटानिया चौक

पेज 5 ज्ञानवापी मामले में एक और याचिका, पक्षकार बनाने और पूजा का अधिकार देने की मांग, दो दिन में छह प्रार्थनापत्र दाखिल

पेज 7 ईरान के परमाणु कार्यक्रम से चिंतित है संयुक्त राष्ट्र, बताया- कैसे बना सकता है हथियार

बरेली में एंबुलेंस-टैंकर की टक्कर, 7 की मौत

बेटे को साथ लेकर पत्नी के कैंसर का इलाज कराने गया था दिल्ली, लौटते समय हादसा

मीरगंज (बरेली)। बरेली में एंबुलेंस और टैंकर की आमने-सामने की टक्कर में एंबुलेंस सवार 7 लोगों की मौत हो गई। हादसा दिल्ली-लखनऊ हाईवे पर मीरगंज के पास हुआ है। इसमें पूरा परिवार खत्म हो गया। मरने वालों में 3 महिलाएं शामिल हैं। एंबुलेंस चालक बरेली का रहने वाला था। बाकी 6 लोग पीलीभीत के थे।

थाना फतेहगंज पश्चिमी क्षेत्र में सुबह 6 बजे के करीब यह सड़क हादसा हुआ। शंखा पुल के पास एंबुलेंस अनियंत्रित हो गई और सामने से आ रहे टैंकर से टकरा गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि एंबुलेंस का आगे का हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। सीएम योगी आदित्यनाथ ने हादसे पर दुख जाते हुए मृतकों की आत्मा की शांति की प्रार्थना की।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, एंबुलेंस पहले सही दिशा में आ रही थी, फिर अनियंत्रित होकर डिवाइडर

पर चढ़ गई। इसके बाद सामने से आ रहे टैंकर से जा भिड़ी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि तेज धमाका हुआ। लोग दौड़कर पहुंचे। चीख-पुकार की कोई आवाज नहीं थी। एक झटके में सब खत्म हो गए।

पूरा परिवार खत्म हो गया

खुर्शीद का पूरा परिवार खत्म हो गया। खुर्शीद अपनी पत्नी समीरन बेगम का कैंसर इलाज करा रहे थे। हालत ज्यादा बिगड़ने पर कल दिल्ली के लिए निकले थे। एंबुलेंस में उनके साथ उनका बेटा आरिफ था। साथ में बहन सगीर बानो भी थीं। गांव के ही जफर को भी साथ लेकर गए थे। दिनभर कोशिश की लेकिन भर्ती नहीं करा सके। पत्नी को लेकर वापस लौट रहे थे।

दिल्ली-लखनऊ हाईवे पर मीरगंज के पास हादसा हो गया। इसमें खुर्शीद, उनकी बहन, बेटा और पत्नी की मौत हो गई। जफर ने भी दम तोड़ दिया। एंबुलेंस चालक मेहंदी खां का शव फंसा होने की वजह से गाड़ी को काटकर निकाला गया। मेहंदी खां भोजीपुरा के रमपुरा गांव के रहने वाले थे।

पुलिस और एनएचआई के कर्मचारियों ने किसी तरह एंबुलेंस को काटकर सभी को बाहर निकाला। इनमें किसी की भी सांसें नहीं चल रहीं थी। क्रेन से दोनों गाड़ियों को हटवाकर हाईवे पर ट्रैफिक दोबारा से शुरू कराया गया।

बदला मौसम का मिजाज

बिहार के 7 जिलों में यलो अलर्ट; एमपी-राजस्थान में बारिश का सूखा; पंजाब-हरियाणा को राहत का इंतजार

नई दिल्ली। केरल में मानसून के दस्तक देने के बाद कई राज्यों में मौसम का मिजाज बदल रहा है। राजधानी दिल्ली में सोमवार को आंधी-बारिश से तापमान में 10 डिग्री तक गिरावट दर्ज की गई। मौसम विभाग के मुताबिक, बिहार में अगले 24 घंटे में कुछ जिलों में आंधी और बारिश के आसार हैं। विभाग ने बिहार के 7 जिलों में बारिश और वज्रपात को देखते हुए यलो अलर्ट जारी कर दिया है।

मौसम विभाग ने बताया कि राजस्थान और मध्य प्रदेश जैसे राज्यों को अभी भी बारिश का इंतजार करना पड़ेगा। पंजाब और हरियाणा में भी कुछ हिस्सों में ही हल्की बूंदा-बांदी हो रही है। हालांकि इससे मौसम में थोड़ी-बहुत राहत जरूर मिली है। झारखंड, छत्तीसगढ़ में भी कुछ हिस्सों में ही बादल और बारिश का असर दिख रहा है।

राजस्थान : बूंदी-भीलवाड़ा में आंधी-बारिश की चेतावनी

जयपुर मौसम केंद्र ने चेतावनी

जारी करते हुए कहा है कि बूंदी (पश्चिम) और भीलवाड़ा (पूर्व) में मेघगर्जन के साथ बारिश हो सकती है। विभाग ने कहा है कि इस दौरान 30-50 KMPH की रफ्तार से धूल भरी आंधी चल सकती है। राजस्थान में 25 जून तक मानसून आने का अनुमान लगाया गया है।

मध्य प्रदेश : जबलपुर-सागर में बारिश की संभावनाएं

मध्य प्रदेश के जबलपुर और सागर में बारिश की संभावना जताई गई है। वरिष्ठ मौसम वैज्ञानिक वेद प्रकाश सिंह ने बताया कि मंगलवार को कुछ इलाकों में हल्की बारिश तो रहेगी, लेकिन नौगांव, दतिया, खंडवा, खरगौन, ग्वालियर और भोपाल में पारा चढ़ेगा। राज्य में 11 जून तक मानसून पर स्थिति साफ हो जाएगी।

बिहार : 7 जिलों में यलो अलर्ट जारी, धूल भरी आंधी चलेगी

मौसम विभाग ने बिहार के 7 जिलों में बारिश और वज्रपात को देखते हुए यलो अलर्ट जारी कर दिया है। विभाग ने चेतावनी जारी करते हुए कहा है कि बांका, भागलपुर, सुपौल, मधेपुरा, सहरसा, खगड़िया और मुंगेर में बारिश के साथ-साथ बिजली गिर सकती है। ऐसे में लोग बारिश के दौरान सावधानी बरतते हुए अपने घरों में ही रहें।

इन राज्यों में भी बारिश का असर

स्काइमेट के मुताबिक, अगले 24 घंटों के दौरान, पूर्वोत्तर भारत, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल, सिक्किम, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, लक्षद्वीप, केरल के कुछ हिस्सों, तटीय कर्नाटक, तमिलनाडु और रायलसीमा में हल्की से मध्यम बारिश के साथ कुछ स्थानों पर भारी बारिश होने की संभावना है। जम्मू कश्मीर और हिमाचल प्रदेश के कुछ हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश संभव है। तेलंगाना, कर्नाटक, उत्तराखंड, विदर्भ, मराठवाड़ा, दक्षिण मध्य महाराष्ट्र, दक्षिण छत्तीसगढ़, तटीय आंध्र प्रदेश और ओडिशा के एक या दो हिस्सों में हल्की बारिश संभव है। हरियाणा, दिल्ली और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में गरज के साथ छिटपुट बारिश की गतिविधियां हो सकती हैं।

झारखंड के 7 जिलों में बारिश का अलर्ट

रांची मौसम केंद्र के अनुसार झारखंड के देवघर, दुमका, जामताड़ा, पाकुड़, धनबाद और साहेबगंज में चमक के साथ हल्की बारिश हो सकती है। इन इलाकों में 30-40 KMPH की रफ्तार से हवा चलने की उम्मीद है। विभाग के अनुसार राज्य के इन इलाकों में 5 जून तक बादल छाए रहेंगे।

हरियाणा-पंजाब में बारिश का इंतजार

मौसम विभाग के मुताबिक हरियाणा, पंजाब में भी प्री-मानसून की वजह से मौसम का मिजाज बदला रहेगा।

मूसेवाला मर्डर केस में पहली गिरफ्तारी

मानसा के मनप्रीत ने हथियार और गाड़ियां उपलब्ध करवाईं, बठिंडा और फिरोजपुर जेल से 2 लोग रिमांड पर

चंडीगढ़। पंजाबी सिंगर सिद्धू मूसेवाला मर्डर में पहली गिरफ्तारी हो गई है। मानसा के मनप्रीत सिंह नामक युवक को पंजाब पुलिस ने गिरफ्तार किया गया है। आरोप है कि उसी ने मूसेवाला के हत्यारों को गाड़ियां और हथियार उपलब्ध करवाए।

बता दें कि पुलिस ने मूसेवाला की हत्या के एक दिन बाद उत्तराखंड से 6 लोगों को गिरफ्तार किया था। मनप्रीत भी उन्हीं में से एक है। पुलिस ने मनप्रीत को 5 दिन के रिमांड पर ले लिया। मनप्रीत सिंह का गांव ढपई जवाहरके के पास है जहां मूसेवाला का मर्डर हुआ। इधर, इसी मामले में पुलिस ने बठिंडा और फिरोजपुर जेल में बंद दो गैंगस्टरों को भी प्रोडक्शन वारंट पर लिया है। कहा जा रहा है कि इन दोनों को सिद्धू मूसेवाला के मर्डर की साजिश की जानकारी थी। यह दोनों गैंगस्टर जेल में मोबाइल फोन का इस्तेमाल कर रहे थे। पुलिस को शक है कि इनका संबंध लॉरेंस गैंग से हो

सकता है। प्रोडक्शन वारंटर पर लिए गए दो गैंगस्टरों में से एक का नाम मनप्रीत मन्ना बताया जा रहा है।

पुलिस ने सोमवार को ही बठिंडा के भागीबांदर गांव से एक शख्स को उठाया था जो मनप्रीत मन्ना का करीबी है। मूसेवाला के मर्डर में बोलेरो गाड़ी के अलावा जो कार इस्तेमाल हुई, वह इसी शख्स की है। पुलिस को शक है कि उसने मन्ना के कहने पर ही हत्यारों को अपनी कार दी। मनप्रीत मन्ना के अलावा जिस दूसरे गैंगस्टर को प्रोडक्शन वारंट पर लिया गया है, वह गैंगस्टर कुलवीर नरुआणा के मर्डर में शामिल रहा है।

तिहाड़ जेल में रची साजिश

सूत्रों के अनुसार, सिद्धू मूसेवाला की हत्या के बाद पंजाब पुलिस की ओर से बनाई गई स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम की शुरुआती जांच में सामने आया कि मूसेवाला की हत्या की पूरी प्लानिंग तिहाड़ जेल में की गई। यह प्लानिंग गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई ने की जो पंजाब में ही फाजिल्का का रहने वाला है।

मूसेवाला की हत्या के बाद सोशल मीडिया पर लॉरेंस गैंग के एक पेज पर इसकी जिम्मेदारी भी ली गई। लॉरेंस गैंग की ओर से कहा गया कि लॉरेंस और उसका साथी गोल्डी बराड़ सिद्धू मूसेवाला के मर्डर की जिम्मेदारी लेते हैं। लॉरेंस गैंग ने मूसेवाला की हत्या की वजह 7 अगस्त 2021 को हुए युवा अकाली नेता विक्की मिड्डूखेड़ा के मर्डर को बताया। मिड्डूखेड़ा लॉरेंस का करीबी था जिसका मर्डर दविंदर बंबीहा गैंग ने करवाया था। आरोप है कि विक्की मिड्डूखेड़ा की हत्या में शामिल शार्प शूटरों को मूसेवाला ने ही पनाह दी थी। लॉरेंस गैंग विक्की मिड्डूखेड़ा की हत्या का बदला लेना चाहता था और इसी वजह से सिद्धू मूसेवाला उसके टारगेट पर था।

लॉरेंस पहुंचा दिल्ली हाईकोर्ट

पंजाबी सिंगर सिद्धू मूसेवाला की हत्या की जिम्मेदारी लेने वाला गैंगस्टर लॉरेंस उसके बाद बने माहौल को देखकर दहशत में आ गया। तिहाड़ जेल में बंद लॉरेंस को लगने लगा कि इस माहौल में पंजाब पुलिस उसका एनकाउंटर कर सकती है। इसलिए उसने मंगलवार को दिल्ली हाईकोर्ट में याचिका लगाई। लॉरेंस के वकील विशाल चोपड़ा के अनुसार, उसके मुवक्किल पर महाराष्ट्र कंट्रोल ऑफ ऑर्गेनाइज्ड क्राइम एक्ट (मकोका) के तहत केस दर्ज है। उन्होंने मकोका के ट्रायल कोर्ट में याचिका लगाकर लॉरेंस की कस्टडी पंजाब पुलिस को नहीं देने की मांग की थी।

सत्येंद्र जैन को 9 जून तक ईडी की हिरासत में भेजा गया

नयी दिल्ली। दिल्ली की एक अदालत ने मंगलवार को दिल्ली सरकार में मंत्री और आम आदमी पार्टी (आप) के वरिष्ठ नेता सत्येंद्र जैन को धन शोधन के एक मामले में नौ जून तक प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की हिरासत में भेज दिया है। ईडी ने सोमवार को धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) की आपराधिक धाराओं के तहत दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री श्री जैन को गिरफ्तार किया था। उन्हें राउज एवेन्यू कोर्ट में पेश किया गया था। ईडी की तरफ से पेश हुए अधिवक्ता ने जैन से पूछताछ के लिए 14 दिन की हिरासत की मांग की थी। अधिवक्ता ने कहा कि एजेंसी यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि क्या आरोपी किसी और के पैसे का शोधन कर रहा था और क्या अन्य संभावित लाभार्थी थे। इधर, स्वास्थ्य मंत्री की तरफ से पेश हुए वकील ने जांच एजेंसी की याचिका का विरोध करते हुए दावा किया कि उन्हें 'झूठा फंसाया' गया है और उनके खिलाफ कोई सबूत नहीं है।

महाराष्ट्र में दिल दहलाने वाली घटना

मां ने 6 बच्चों को एक-एक कर कुएं में फेंका, फिर उन्हें मरता हुआ देखती रही

रायगढ़। महाराष्ट्र में एक झकझोर देने वाली घटना सामने आई। जहां एक मां ने अपने 6 बच्चों को एक-एक करके कुएं में फेंक दिया और बाहर बैठकर उन्हें मरता हुआ देखती रही। इसके बाद महिला को अरेस्ट कर लिया गया है। पुलिस के मुताबिक, उसने पारिवारिक विवाद के चलते यह कदम उठाया है। यह दर्दनाक वाकया रायगढ़ जिले के महाड़ तालुका के बोरवाड़ी गांव का है। मंगलवार सुबह तक सभी 6 शवों को बाहर निकाल लिया गया था। मरने वालों में पांच लड़कियां और एक लड़का शामिल है।

लातूर में भी हुई थी ऐसी ही घटना

इससे पहले विदर्भ के लातूर जिले में एक महिला ने पति से हुए विवाद के बाद अपने 2 साल के बच्चे को कुएं में फेंक दिया था। उसके बाद महिला ने अपने परिवार को इसकी जानकारी दी थी। शुरू में परिजनों को यकीन नहीं हुआ और देर रात तक जब बच्चा नहीं नजर आया तो कुएं में उसकी तलाश शुरू हुई। कुछ देर बाद पुलिस को उसका शव बरामद हुआ।

महिला ने आखिरी कदम क्यों उठाया?

महिला ने पूछताछ में बताया है कि सोमवार सुबह उसके ससुर ने उसकी बुरी तरह से पिटाई की थी। इस बात से नाराज महिला ने रात में अपने बच्चों को मारने का कदम उठाया।

बच्चों की उम्र 3 से 10 साल के बीच

मरने वाले बच्चों की उम्र 10 से 3 साल के बीच है। आरोपी मां का नाम रूना चिखुरी साहनी (30) है। मृतकों में रोशनी (10), करिश्मा (8), रेशमा (6), विद्या (5), शिवराज (3) और राधा (3) शामिल हैं। बच्चों के मरने की पुष्टि हो जाने के बाद, महिला ने भी आत्महत्या के लिए कुएं में छलांग लगाई थी, लेकिन लोगों ने उसे बचा लिया।

वारदात की सूचना मिलते ही महाड़ के विधायक भरत गोगावले पुलिस के साथ मौके पर पहुंचे और महिला को गिरफ्तार करवाया।

बागपत : दो कारों की आमने-सामने की भिड़ंत में दंपति समेत चार की मौत

बागपत। बागपत के बड़ौत-बुढ़ाना मार्ग पर मंगलवार शाम दो कारों की आमने-सामने की भिड़ंत में दंपति, उनकी बेटी और एक अन्य युवक की मौत हो गई।

वहीं, पांच लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को बड़ौत के निजी अस्पताल में भर्ती कराया। यह हादसा मंगलवार दोपहर दोघट थाना क्षेत्र के बामनौली गांव में कृष्णा नदी के पास हुआ।

हरियाणा सोनीपत के गांव गीवाना निवासी सुमित (35) कार में पत्नी भारती, बेटी एकता व मीकू और तमन्ना पुत्री सुधीर को लेकर हरिद्वार गए थे। शाम को हरिद्वार से गांव लौट रहे थे। बड़ौत-बुढ़ाना मार्ग पर बामनौली गांव में कृष्णा नदी के पास पहुंचे तो बड़ौत की तरफ से आ रही तेज रफ्तार कार से आमने सामने की भिड़ंत हो गई।

टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि दोनों गाड़ियों के परखच्चे उड़ गए। कार सड़क किनारे खेत में गिर गई।

बलिया ट्रिपल मर्डर : पिता और दो बेटों की निर्मम हत्या, कुएं में मिले पुत्रों के शव

एजेंसी

बलिया। बलिया जिले हल्दी क्षेत्र में ट्रिपल मर्डर से हड़कंप मच गया। यहां मंगलवार सुबह पिता और उसके दो बेटों की निर्मम हत्या कर दी गई। दोनों बेटों का शव गांव से दूर कुएं में मिला जबकि पिता का शव घर के अंदर खून से लथपथ पड़ा था। सूचना मिलते ही पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंच गए और मामले की जांच शुरू कर दी। मंगलवार की सुबह गांव के एक कुएं से 26 वर्षित विक्रम सिंह का खून से लतपथ शव मिला। पुलिस ने शव को बाहर निकाला। कुएं के बाहर खून के निशान मिले।

इस संबंध से छानबीन करने पुलिस जब मृत युवक के घर पहुंची तो वहां उसके पिता उमाशंकर सिंह (70) का भी खून से लतपथ शव देखकर हतप्रभ रह गई। पुलिस इन दोनों की हत्या की जांच कर ही रही थी की

दोपहर में विक्रम के छोटे भाई संदीप का शव भी कुएं से बरामद हुआ। गांव में एक साथ बाप और दो बेटे के शव मिलने से हड़कंप मच गया। माना जा रहा है कि किसी ने इन तीनों की हत्या की है।

गांव वालों ने बताया कि उत्तर टोला स्थित घर में उमाशंकर सिंह अपने दो बेटों विक्रम सिंह (26) व संदीप सिंह (24) के साथ रहते थे। दोनों अविवाहित हैं, जबकि उमाशंकर की पत्नी का भी निधन हो चुका है। ग्रामीणों की मानें तो उमाशंकर का एक और बेटा दिलीप विक्रम व संदीप से भी बड़ा है। वह 12-13 वर्ष पहले घर छोड़कर चला गया था। बताया जाता है कि 2-3 दिन पहले वह भी घर आया था। उस समय बाप-बेटों के बीच विवाद हुआ था।

उसके बाद वह चला गया था। वहीं, ट्रिपल मर्डर की सूचना मिलते ही एएसपी, सीओ, थानाध्यक्ष आदि मौके पर पहुंच गए। पुलिस सभी बिंदुओं पर जांच कर रही है।

प्रदर्शन

राकेश टिकैत पर हुए हमले के विरोध में नारेबाजी, जेड प्लस सुरक्षा की मांग

ग्रेटर नोएडा में भारतीय किसान यूनियन का प्रदर्शन

एजेंसी

ग्रेटर नोएडा। बेंगलुरु में राकेश टिकैत पर हुए हमले को लेकर मंगलवार को भारतीय किसान यूनियन के कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन किया। इस दौरान ग्रेटर नोएडा में कलेक्ट्रेट पर कार्यकर्ता धरने पर बैठ गए और जमकर नारेबाजी की। उन्होंने प्रधानमंत्री के नाम एक ज्ञापन भी सौंपा। भारतीय किसान यूनियन के कार्यकर्ताओं ने आज सूरजपुर स्थित कलेक्ट्रेट पर जमकर प्रदर्शन किया। भारी संख्या में इकट्ठा होकर किसान यूनियन के कार्यकर्ता जिलाधिकारी कार्यालय पहुँचे और वहां पर उन्होंने

जमकर नारेबाजी की। कर्नाटक सरकार के खिलाफ उन्होंने जमकर नारेबाजी की।

जिला अध्यक्ष अमित कसाना ने एसडीएम को प्रधानमंत्री के नाम एक ज्ञापन सौंपा और इस पूरे मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की साथ ही उन्होंने राकेश टिकैत की सुरक्षा को लेकर भी सवाल उठाए और कहा कि उनको जेड प्लस सिक्योरिटी सरकार को देनी चाहिए। उन्होंने कहा कि भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत पर हमला भाजपा के कार्यकर्ताओं ने किया है।

राकेश टिकैत को जेड प्लस सिक्योरिटी देने की मांग

बेंगलुरु में हुए हमले को लेकर भारतीय किसान यूनियन के कार्यकर्ताओं ने कड़ी नाराजगी जाहिर की। इस दौरान जिला अध्यक्ष अनित कसाना ने कहा कि बेंगलुरु में हुई घटना बहुत ही निंदनीय है और कर्नाटक सरकार इसकी निष्पक्ष जांच करवाएं और दोषियों के खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई करें। उन्होंने आगे कहा कि भारत सरकार को राकेश टिकैत को जेड प्लस सिक्योरिटी देनी चाहिए और उनकी सुरक्षा सरकार को मजबूत करनी चाहिए।

एसडीएम को प्रधानमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन

किसान यूनियन के कार्यकर्ताओं ने जमकर धरना प्रदर्शन किया इस दौरान मौके पर भारी पुलिस फोर्स भी तैनात रहे करीब 2 घंटे तक प्रदर्शन करने के बाद उन्होंने एक ज्ञापन एसडीएम को प्रधानमंत्री के नाम सौंपा जिसमें उन्होंने हमले की निष्पक्ष जांच की मांग की और राकेश टिकैत को जेड प्लस सिक्योरिटी देने की भी बात कही।

कड़ी कार्रवाई न होने पर करेंगे आंदोलन

कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन के दौरान भारी संख्या में भारतीय किसान यूनियन के कार्यकर्ता मौजूद रहे इस दौरान कार्यकर्ताओं ने कहा कि राष्ट्रीय प्रवक्ता पर हमला करने वाले दोषियों को जल्द गिरफ्तार किया जाए उनके खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाए अगर ऐसा नहीं होता है तो भारतीय किसान यूनियन आंदोलन करेगी।

देश में बीते 24 घंटे में 2,338 नए केस मिले, 19 की मौत; केरल में सबसे अधिक 13 मौतें

दिल्ली। देश में पिछले 24 घंटे में कोरोना के 2,338 नए केस सामने आए हैं, जबकि 19 लोगों की मौत हुई है। वहीं, 2,134 मरीज ठीक हुए हैं। देश में एक्टिव केस यानी इलाज करा रहे मरीजों की संख्या घटकर 16,446 हो गई है। देश में रिकवरी रेट फिलहाल 98.74 प्रतिशत है।

केरल में कोरोना के सबसे अधिक मामले 815 आए हैं और ज्यादा 13 मौतें भी हुई हैं। राज्य में पॉजिटिविटी रेट 7.54 प्रतिशत दर्ज किया गया है।

हेल्थ मिनिस्ट्री के मुताबिक, देश में डेली पॉजिटिविटी रेट 0.60 प्रतिशत और वीकली पॉजिटिविटी रेट 0.56 प्रतिशत दर्ज किया गया। देश में महामारी की शुरुआत से अब तक ठीक होने वालों की संख्या 4.25 करोड़ से

अधिक हो गई है, जबकि मरने वालों की संख्या 5.24 लाख हो गई है।

केरल के बाद महाराष्ट्र में आए सबसे ज्यादा मामले

महाराष्ट्र में कोरोना के 431 नए मामले सामने आए हैं। गनीमत यह है कि एक भी मरीज की मौत नहीं हुई। राज्य में इलाज करवा रहे मरीजों की संख्या 3,131 है। पॉजिटिविटी रेट 3.01प्रतिशत दर्ज किया गया है।

इधर, राजधानी दिल्ली में कोरोना के 212 नए मामले सामने आए हैं और एक मरीज की मौत हो गई है। राजधानी में पॉजिटिविटी रेट 2.42 प्रतिशत है। फिलहाल दिल्ली में कोरोना के एक्टिव केस 1486 हैं।

अन्य राज्यों का कोरोना अपडेट

कर्नाटक में 116 नए मामले मिले हैं, जबकि एक भी मौत नहीं हुई है। राज्य में कोरोना एक्टिव केस 2106 हैं और कुल मामले 99 लाख से ज्यादा हो गए हैं। राज्य में सोमवार को 10,914 टेस्ट किए गए।

हरियाणा में 174 और राजस्थान में 46 नए केस मिले हैं। दोनों जगह कोरोना से एक भी मौत नहीं हुई है। हरियाणा 7521 और राजस्थान में 1832 कोरोना टेस्ट किए गए हैं।

शार्ट न्यूज

पैंथर्स पार्टी के संस्थापक भीम सिंह का निधन

जम्मू। जम्मू कश्मीर राष्ट्रीय पैंथर्स पार्टी के संस्थापक प्रोफेसर भीम सिंह का लंबी बीमारी के बाद मंगलवार सुबह निधन हो गया। वह 82 साल के थे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ट्वीट किया, मैं दिवंगत भीम सिंह के निधन से दुखी हूं, वह एक विद्वान व्यक्ति थे। मैं उनके साथ अपनी बातचीत को हमेशा याद रखूंगा। जिन्होंने जम्मू-कश्मीर के कल्याण के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया। मैं उनके परिवार और समर्थकों के प्रति गहरी संवेदनाएं व्यक्त करता हूं। पूर्व सांसद डॉ कर्ण सिंह ने भी प्रोफेसर सिंह के निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया है। उन्होंने कहा, वह एक बेहद बुद्धिमान और प्रेरित व्यक्ति, एक प्रतिभाशाली वकील और एक आक्रामक राजनीतिक कार्यकर्ता थे। हम सभी उनकी उपस्थिति को याद करेंगे। प्रो. सिंह को अस्वस्थ होने के कारण कुछ दिन पहले अस्पताल में भर्ती कराया गया था। जम्मू-कश्मीर में उधमपुर जिले के रामनगर में 17 अगस्त 1941 को उनका जन्म हुआ था। वह एक प्रसिद्ध लेखक और उच्चतम न्यायालय के वकील थे। गौरतलब है कि तेजतर्रार छात्र नेता के रूप में विख्यात प्रो. सिंह ने 80 के दशक में पैंथर्स पार्टी की स्थापना की थी। वह चेनानी-घोर्डी (उधमपुर) से जम्मू-कश्मीर विधानसभा (1977-87) के लिए चुने गए और उन्हें राष्ट्रीय एकता परिषद (1991-2016) का सदस्य नामित किया गया। इस बीच नेशनल कांफ्रेंस के अध्यक्ष व सांसद फारुख अब्दुल्ला ने पैंथर पार्टी के अध्यक्ष भीम सिंह के निधन पर दुख व्यक्त करते कहा कि वह हमेशा जम्मू कश्मीर के लोगों के अधिकार एवं एकता एवं मानवता की बात करते थे।

किश्तवाड़ में सड़क हादसा, दो तीर्थयात्रियों की मौत

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ जिले में मंगलवार को सड़क हादसे में दो तीर्थयात्रियों की मौत हो गयी और अन्य छह घायल हो गए। पुलिस ने बताया कि मिंडल माता के तीर्थयात्रियों को लेकर वाहन जम्मू आ रहा था। इसी बीच किश्तवाड़ में अथोली इलाके के शानदेरी नाला के पास वाहन दुर्घटनाग्रस्त हो गया। जिसमें दो यात्रियों की मौत हो गयी और अन्य छह घायल हो गए। घायलों को उपचार के लिए स्थानीय अस्पताल ले जाया गया है। मृतकों में से एक की पहचान जम्मू के लोअर मुथी निवासी मंगत राम (55) के रूप में हुई है।

बंगाल में कैंसर के 75 प्रतिशत मामले तंबाकू के कारण

कोलकाता। कोलकाता नगर निगम, इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (पश्चिम बंगाल) इंडियन डेंटल एसोसिएशन (पश्चिम बंगाल) ने मेडिका सुपरस्पेशलिटी अस्पताल के सहयोग से मंगलवार को यहां उत्तम मंच में विश्व तंबाकू निषेध दिवस मनाया गया है। कार्यक्रम का उद्घाटन कोलकाता नगर निगम (केएमसी) के महापौर और मंत्री फरहाद हकीम ने मुख्य अतिथि अतिन घोष, विधायक, उप महापौर और एमएमआईसी (स्वास्थ्य) माला रॉय, सहित कई गणमान्य लोगों की मौजूदगी में किया। इस अवसर पर डॉ. शांतनु सेन, सांसद, पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष और राज्य सचिव, भी उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन मेडिका ग्रुप के अध्यक्ष आलोक रॉय और निदेशक डॉ. सौरव दत्ता द्वारा किया गया। अनुमानतः हर साल दुनियाभर में तंबाकू के सेवन से करीब 80 लाख लोगों की मृत्यु होती है इसके चलते एक घंटे चले कार्यक्रम में तंबाकू से स्वास्थ्य पर होने दुष्प्रभावों और इनके रोकथाम पर चर्चा की गयी। श्री हकीम ने समारोह में आये हुये मेहमानों और अस्पताल के कर्मचारियों को सम्बोधित करते हुये कहा कि दुनिया में कैंसर से बीमार होने और मृत्यु होने के कारणों में एक प्रमुख कारण है। उन्होंने कहा कि जांच की आधुनिक तकनीक का उपयोग कर इसका आसानी से पता लगाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि युवाओं में तंबाकू के उपयोग के प्रभाव को देखते हुए यह समझना महत्वपूर्ण है कि कौन से कारक जिनकी वजह से युवा प्रभावित होते है। श्री हकीम ने कहा कि यद्यपि तंबाकू निषेध अधिनियम के तहत भारत में तंबाकू के विज्ञापन और विनियमन को प्रतिबंधित कर दिया है। उन्होंने कहा कि कैंसर को समाप्त करने और शहर में कैंसर के खतरे को कम करने के लिए हम सभी के लिए एकजुट होना होगा। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के नेतृत्व में केएमसी शहर के लोगों की सेवा करती रहेगी। उन्होंने कहा कि कैंसर का यदि प्रारंभिक अवस्था में पता चल लगा लिया जाये तो इसका उपचार किया जा सका है। उन्होंने आह्वान किया कि सब मिलकर कोलकाता को कैंसर मुक्त शहर बनाएं।

मोदी के नेतृत्व में देश ने तेज गति से तरक्की की: जयराम

शिमला। हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर ने कहा है कि गरीब कल्याण सम्मेलन के इस कार्यक्रम में शिमला के ऐतिहासिक रिज में आशीर्वाद देने पहुंचे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का अभिनंदन है। उन्होंने आज यहां कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में देश ने तेज गति से तरक्की की है। इसके लिए हिमाचल प्रदेश के सभी भाई-बहनों की तरफ से बधाई। उन्होंने कहा कि 10000 करोड़ रुपये की योजनाएं स्वीकार करने तथा हिमाचल प्रदेश को विशेष राज्य का दर्जा दिया, उसके लिए आभार जताया। 90:10 के लिए हिमाचल प्रदेश की मदद की उसके लिए हृदय से आभार जताया। 800 करोड़ रुपये की हिमाचल प्रदेश को विशेष सहायता दी उसके लिए आभार जताया। उन्होंने कहा कि बिलासपुर में एम्स सहित चंबा, हमीरपुर और नाहन में तीन मेडिकल कालेज मिले। अटल टनल जिसका काम कछुआ चाल से चल रहा था,तेजी से चला और लोगों को समर्पित की। इसके अलावा उन्होंने राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ अर्लेकर, केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर, वर्चुअल माध्यम से जुड़े सभी प्रदेशों के मुख्यमंत्री, सांसद सभी का अभिनंदन किया। रिज मैदान शिमला में मोदी सरकार के आठ साल पूरे होने पर आयोजित कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर ने श्री मोदी और अन्य नेताओं का स्वागत किया।

पत्रकार 21 जून को संगरूर में करेंगे पंजाब सरकार के ख़िलाफ़ प्रदर्शन

अमृतसर। चण्डीगढ़ पंजाब जर्नलिस्ट्स एसोसिएशन ने अपनी मांगों को लेकर मंगलवार भंडारी पुल से लेकर कोतवाली तक रोष मार्च किया। एसोसिएशन के प्रधान जसबीर सिंह पट्टी ने कहा कि यदि पंजाब सरकार ने पत्रकारों की माँगों की ओर ध्यान न दिया तो भविष्य में हर जिले में ऐसे मार्च किए जाएंगे तथा संगरूर में हो रहे संसदीय उपचुनाव को लेकर 21 जून को पत्रकार संगरूर में बड़ी रैली करेंगे। उन्होंने कहा कि पत्रकारों के सहयोग के साथ पंजाब में सत्ता में आई आम आदमी पार्टी की भगवंत मान सरकार को आज पत्रकारों से ही डर लग रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार द्वारा लोकतंत्र के चौथे स्तंभ पत्रकारिता को कमजोर करने की नीति अपनाई जा रही है। पट्टी ने कहा कि पत्रकार संगरूर में 23 जून को होने वाले चुनाव का विरोध करने के लिए 21 जून को एक बड़ी रैली का आयोजन करेंगे। पत्रकार मांग कर रहे हैं कि बंद की गई पेंशन योजना को फिर से चालू किया जाए। राज्य के टोल प्लाजा पत्रकारों के लिए मुफ्त किए जाएं। दस लाख रुपये तक कैशलेस मेडिकल सुविधा सभी अस्पतालों में दी जाए। पत्रकारों की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए। पत्रकारों पर पुलिस कार्रवाई से पहले एसोसिएशन को सूचित किया जाए।

पंजाब अल्पसंख्यक आयोग की अहम बैठक में प्रदेश के अनेक मुद्दों पर हुई चर्चा

जालंधर। पंजाब अल्पसंख्यक आयोग की बैठक अध्यक्ष प्रो इमैनुअल नाहर की अध्यक्षता में अल्पसंख्यक आयोग के चंडीगढ़ कार्यालय में हुई जिसमें सरकार को कब्रिस्तानों के रखरखाव के लिए धन जारी करने के लिए भी सहमति बनी है। बैठक में जिस गांव में मुस्लिम या ईसाई समाज होने के बावजूद भी कब्रिस्तान नहीं है, तो सरकार को कब्रिस्तान के लिए जगह देने पर भी सहमति बनी है। बैठक में आयोग के वरिष्ठ उपाध्यक्ष डॉ मोहमद रफ़ी, मेंबर डॉ सलिल कुमार जैन, बहादुर खान, नासिर सलमानी, अहमद अली गुड्डू, सुभाष कुमार टोबा, गुलाम हुसैन और लाल हुसैन उपस्थित थे। इस बैठक में दिल्ली अल्पसंख्यक आयोग का दौरा जल्दी करने का प्रस्ताव पास किया गया है। आयोग के सदस्य सलिल जैन ने बताया कि बैठक में 2021-2022 की सलाना रिपोर्ट को भी विस्तार पूर्वक तैयार करने का प्रस्ताव पास किया गया।

जम्मू और कश्मीर में फिर टारगेट किलिंग, आतंकियों ने कुलगाम में शिक्षक को गोली मारी

कुलगाम। जम्मू और कश्मीर में एक बार फिर आम नागरिक आतंकियों की गोली का शिकार बना है। मंगलवार को कुलगाम में आतंकियों ने स्कूली शिक्षिका की गोली मार दी थी। इस बात की जानकारी पुलिस ने दी है। घटना में शिक्षिका की मौत की खबर है। खास बात है कि हाल ही में आतंकियों ने राहुल भट्ट नाम के कश्मीरी पंडित की भी गोली मारकर हत्या कर दी थी।

पुलिस ने बताया कि कुलगाम जिले के गोपालपुर में रजनी बाला (36) पर आतंकवादियों ने गोली चलाई, जिससे वह घायल हो गईं। उन्हें तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। रजनी बाला गोपालपुर में बतौर पर शिक्षिका तैनात थीं। उन्होंने बताया कि इलाके की घेराबंदी कर हमलावरों की तलाश शुरू कर दी गई है।

नेशनल कॉन्फ्रेंस (नेकां) के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला ने शिक्षिका की हत्या को %%घिनौना%% कृत्य करार दिया। उन्होंने कहा, रजनी जम्मू संभाग के सांबा जिले की निवासी थीं। दक्षिण कश्मरी के कुलगाम में शिक्षिका के तौर पर काम कर रही थीं, एक घिनौने हमले में उनकी जान चली गई। मेरी संवेदनाएं उनके पति राज कुमार और परिवार के साथ हैं। हिंसा के कारण एक और घर तबाह हो गया। अब्दुल्ला ने कहा, निहत्थे नागरिकों पर निशाना बनाकर किए गए हालिया हमलों की लंबी सूची में यह एक और हमला है। निंदा एवं शोक के शब्द और सरकार का आश्वासन कि स्थिति सामान्य होने तक वे चैन से नहीं बैठेंगे...सभी खोखले प्रतीत होते हैं। रजनी की आत्मा को शांति मिले।

गौरतलब है कि मई के महीने में दूसरी बार किसी कश्मीरी पंडित की हत्या की गई है। 12 मई को राहुल भट् की बडगाम जिले की चदूरा तहसील में तहसीलदार कार्यालय के अंदर गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। मई महीने के दौरान कश्मीर में अभी तक सात लक्षित हत्याएं की गई हैं। इनमें से चार नागरिक और तीन पुलिसकर्मी थे, जो ड्यूटी पर तैनात नहीं थे।

हाल ही में एक्ट्रेस को मारी गोली

आतंकवादियों ने बुधवार को कश्मीरी टीवी एक्ट्रेस अमरीन भट्ट की भी गोली मारकर हत्या कर दी थी। बडगाम के चडूरा में हुई इस घटना में 10 वर्षीय भतीजा घायल हो गया था। समाचार एजेंसी एएनआई से बातचीत में भट्ट के रिश्तेदार जुबैर अहमद ने बताया था, दो लोग उसके घर के बाहर आए और जैसे ही वह बाहर आई, उसे गोली मार दी। उसने किसी का क्या बिगाड़ा था?

शिक्षिका की मौत के बाद ननके चक गांव में मातम का माहौल

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के कुलगाम जिले में शिक्षिका रजनी बाला की मंगलवार को आतंकवादियों द्वारा हत्या करने के बाद जम्मू के संबा जिला स्थित ननके चक गांव में मातम पसर गया।

सुश्री रजनी बाला (36) कुलगाम के गोपालपोरा क्षेत्र में कार्यरत थी और आतंकवादियों ने आज सुबह उनकी गोली मारकर हत्या कर दी। पीड़िता को गंभीर अवस्था में उपचार के अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

शिक्षिका की मौत के खबर सुनकर उनके गांव ननके चक में आग की तरह फैल गयी और लोग पीड़ित परिवार को सांत्वना देने के लिए आने लगे।

रजनी के बहनोई विजय कुमार के मुताबिक परिवार वालों ने रजनी तथा उनके पति से जम्मू चले आने की गुजारिश की थी, लेकिन वे लोग सरकार की ओर से स्थानांतरित किए जाने के बिना आने के लिए तैयार नहीं थे। उल्लेखनीय है कि सरकार की आरक्षण नीति के तहत श्रीमती रजनी तथा उनके पति राज कुमार की 13 साल पूर्व शिक्षक के पद पर नियुक्त हुई थी।

उन्होंने कहा, हम लोग उनसे कह रहे थे कि घाटी के हालात अच्छे नहीं है, लेकिन वे लोग लचारी व्यक्त करते थे। उन लोगों का लगातार तबादला हो रहा था।

वहीं रजनी के ससुर राम लाल ने कहा, हमने उन्हें सही जगह पर अपनी बात रखने और जम्मू क्षेत्र में किसी जगह पोस्टिंग करवाने के लिए आग्रह किया था। सुरक्षा व्यवस्था सरकार का विशेषाधिकार है और स्थिति की संवेदनशीलता का आकलन करना उनके ऊपर है। रजनी के परिवार में पति, बेटी और ससुराल वाले हैं।

असम सरकार ने बाढ़ पीड़ितों को दिया वित्तीय पैकेज

एजेंसी

गुवाहाटी। असम सरकार ने दीमा हसाओ जिले में बाढ़ पीड़ितों को 50 करोड़ रुपये के वित्तीय पैकेज की घोषणा की। एक आधिकारिक बयान में मंगलवार को यह जानकारी दी गयी। बयान के अनुसार, प्राकृतिक आपदाओं से क्षतिग्रस्त विभिन्न बुनियादी ढांचों की बहाली के लिए राहत पैकेज दिया गया है। उन्होंने कहा कि आपदा में क्षतिग्रस्त हुई सड़कों की तत्काल मरम्मत के लिए तीस करोड़ रुपये वित्तीय सहायता के रुप में प्रदान करेंगे। राज्य सरकार 590 प्रत्येक परिवारों को उनके घरों की मरम्मत के लिए दो लाख रुपये सहायता के रूप में प्रदान करेगी। जिससे कुल आवंटन राशि 11.80 करोड़ रुपये हो जाएगी ।मुख्यमंत्री हिमांता बिस्वा सरमा की अध्यक्षता में सोमवार रात हुई बैठक में मरम्मत पैकेज का निर्णय लिया गया। विज्ञप्ति के मुताबिक, मुख्यमंत्री ने महत्वपूर्ण क्षेत्रों की मरम्मत के लिए तत्काल कदम उठाने पर भी जोर दिया।

कड़ी सुरक्षा के बीच सिद्धू मूसेवाला का अंतिम संस्कार

हजारों की भीड़ ने नम आंखों से दी विदाई

चंडीगढ़। पंजाबी गायक सिद्धू मूसेवाला का उनके पैतृक गांव जवाहरके में कड़ी सुरक्षा के बीच अंतिम संस्कार किया गया। हजारों लोग उनकी अंतिम यात्रा में शामिल हुए और नम आंखों से अंतिम विदाई दी। आज ही मूसेवाला के शव का पोस्टमॉर्टम किया गया था। उनके शरीर को लगभग दो दर्जन गोलियों ने छलनी कर दिया था। इस साल मूसेवाला ने कांग्रेस के टिकट पर पंजाब में विधानसभा चुनाव भी लड़ा था। रविवार की शाम उनकी हत्या कर दी गई थी।

खास ट्रैक्टर से निकली अंतिम यात्रा

सिद्धू मूसेवाला की अंतिम यात्रा उनके पसंदीदा 5911 ट्रैक्टर से निकाली गई। इसे फूल माला से सजाया गया था। मूसेवाला की कई मीडिया पोस्ट में यह ट्रैक्टर दिखायी देता था। इसके अलावा ट्रैक्टर पर स्टील की एक एके 47 बनाकर रखी गई थी। वह बंदूक पसंद करते थे।

बदलनी पड़ी अंतिम संस्कार की जगह

सिद्धू मूसेवाला को अंतिम विदाई देने के लिए लोगों को हुजूम उमड़ पड़ा। इसके चलते उनके अंतिम संस्कार के वेन्यू में भी बदलाव किया गया। सिद्धू के पिता ने अपनी पगड़ी उतारकर दुख जताते हुए वहां पहुंचे लोगों का शुक्रिया अदा किया।

'वसदा रह सिद्धू'

सिद्धू क माता-पिता ने बिलखते हुए उन्हें अंतिम विदाई दी। वह अपने गानों में अकसर मूंछे ऐंठते नजर आते थे। इसलिए पिता ने भी उनकी मूछों पर ताव दिया। अंतिम यात्रा वाले वाहन में लिखा हुआ था, जिउंदा-वसदा रह। उसपर मूंछों पर ताव देने वाला फोटो भी लगा हुआ था।

गांधीनगर : हार्दिक पटेल 2 जून को 1,500 कार्यकर्ताओं संग भाजपा में होंगे शामिल

गांधी नगर। पाटीदार समाज के नेता हार्दिक पटेल 2 जून को भाजपा में शामिल होंगे। उन्होंने बीते दिनों ही कांग्रेस से इस्तीफा दे दिया था। वह गुजरात कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष थे, लेकिन उपेक्षा के चलते नाराज चल रहा था। वह गांधी नगर स्थित भाजपा मुख्यालय पहुंचकर पार्टी में शामिल होंगे। न्यूज एजेंसी एएनआई से बातचीत में हार्दिक पटेल ने 2 जून को भाजपा में शामिल होने की पुष्टि की है। इस दौरान प्रदेश अध्यक्ष सीआर पाटिल मौजूद होंगे और उन्हें भाजपा की सदस्यता दिलाएंगे। हार्दिक पटेल के भाजपा में शामिल होने के आयोजन को भाजपा ग्रैंड इवेंट में तब्दील करना चाहती है।

कहा जा रहा है कि हार्दिक पटेल के साथ ही 15,000 अन्य लोग भाजपा में शामिल होंगे। हार्दिक का भाजपा में शामिल होना पाटीदार राजनीति के लिए अहम माना जा रहा है। गुजरात में 2015 में हुए पाटीदार आरक्षण आंदोलन का हार्दिक पटेल प्रमुख चेहरा थे। कांग्रेस में उनकी एंट्री के बाद पार्टी मान रही थी कि उसे पाटीदार समाज का समर्थन मिलेगा, लेकिन 2017 के विधानसभा चुनाव में अपेक्षाकृत बेहतर प्रदर्शन के बाद भी वह सत्ता से दूर रह गई थी।

चुनाव से पहले कांग्रेस को लगा करारा झटका

अब उनके भाजपा में जाने के बाद कांग्रेस के लिए चुनाव से पहले यह करारा झटका है। वह पहले ही लगातार नेताओं के पलायन से जूझ रही है। हालांकि हार्दिक पटेल को लेकर भाजपा की ओर से कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है। उधर, पाटीदार आंदोलन के दौरान के एक मामले को लेकर हार्दिक को कोर्ट ने राहत दी थी। ऐसे में हार्दिक के चुनाव लड़ने का रास्ता भी साफ हो गया है। ऐसे में अब तय हो गया है कि हार्दिक पटेल बीजेपी के टिकट पर विधानसभा चुनाव लड़ेंगे।

देश में इंडस्ट्री बन गई है शिक्षा, बच्चों को जाना पड़ रहा यूक्रेन; सुप्रीम कोर्ट ने जताई चिंता

नई दिल्ली। देश में एजुकेशन एक बड़ा उद्योग बन चुका है। इसके चलते देश में मेडिकल एजुकेशन का खर्च न उठा पाने वाले छात्रों को यूक्रेन जैसे देशों में जाना पड़ रहा है। मंगलवार को एक मामले की सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने यह टिप्पणी की। कई याचिकाओं की सुनवाई करते हुए अदालत ने यह बात कही, जिनमें केंद्र सरकार को आदेश देने की मांग की गई थी कि उन्हें फार्मेसी कॉलेज खोलने की परमिशन दी जाए। दरअसल फार्मेसी काउंसिल ऑफ इंडिया ने 2019 में नए फार्मेसी कॉलेज बनाने पर रोक लगा दी थी। संस्था का कहना था कि देश में फार्मेसी कॉलेज एक उद्योग का रूप ले रहे हैं और उस पर रोक लगानी चाहिए।

केस की सुनवाई करते हुए जस्टिस बीआर गवई और हिमा कोहली ने कहा, हर कोई जानता है कि देश में शिक्षा आज एक उद्योग बन गया है। इन्हें संचालित करने वाले बड़े कारोबारी समूह हैं। इनके बारे में सोचना चाहिए। मेडिकल एजुकेशन की कीमत बहुत ज्यादा होने की वजह से लोगों को यूक्रेन जैसे देशों में जाना चाहिए। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने अदालत में कहा, %देश में जिस तरह की स्थिति है, उस पर ध्यान देना चाहिए। कॉलेजों ने खुद ही अदालत में बताया है कि उन्होंने सरकारी रोक के चलते दोसाल खो दिए हैं। हम छात्रों की अर्जी को समझते हैं, लेकिन ये कॉलेज एक इंडस्ट्री बन चुके हैं। तुषार मेहता ने सरकार का पक्ष रखते हुए कहा कि इस तरह के कॉलेजों की संख्या बढ़ रही थी। इसलिए हमने 5 वर्ष के लिए रोक लगाई थी। उन्होंने कहा कि अदालत जानती है कि देश में किस तरह से इंजीनियरिंग कॉलेजों को शॉपिंग सेंटर्स की तरह चलाया जा रहा है। देश में पहले ही 2500 कॉलेज मौजूद हैं। इस पर अदालत ने सहमति जताते हुए कहा कि हम भी देश में कॉलेजों की संख्या बढ़ने देना चाहते हैं। एक समय में तो देश में बड़ी संख्या में इंजीनियरिंग और बीएड कॉलेज थे। अदालत ने कहा, हम फार्मेसी काउंसिल ऑफ इंडिया से आग्रह करते हैं कि वह आवेदक कॉलेजों की मांग पर विचार करे। जिन्होंने तीन उच्च न्यायालयों में भी अर्जी दाखिल की थी।

खबरों पर यकीन कम होना मीडिया के लिए चिंताजनक : हरिवंश

फेक न्यूज के लिए मीडिया दोषी नहीं : प्रो. संजय द्विवेदी

गौरवशाली भारत संवाददाता

कोलकाता। राज्यसभा के उपसभापति श्री हरिवंश नारायण सिंह ने हिंदी पत्रकारिता पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि मीडिया के सामने आज विश्वसनीयता का संकट बना हुआ है। पहले विचारों का दौर था, जबकि आज सोशल मीडिया से चुनौती है।

उन्होंने कहा कि उम्र लंबी नहीं, बल्कि सार्थक होनी चाहिए, जैसी हिंदी के पहले अखबार उदन्त मार्तण्ड की थी। मौजूदा समय में खबरों पर यकीन कम होना मीडिया के लिए चिंता का विषय है।

कोलकाता के दैनिक समाचार पत्र छपते-छपते, ताजा खबर और प्रेस क्लब, कोलकाता के द्वारा नेताजी इंडोर स्टेडियम में आयोजित इस सम्मेलन में भारतीय जन संचार संस्थान के महानिदेशक प्रो. संजय द्विवेदी, राज्यसभा सांसद श्री नदीमुल हक, वरिष्ठ पत्रकार श्री विनोद अग्निहोत्री, भारतीय भाषा परिषद के निदेशक प्रो. शंभूनाथ, भारतीय प्रेस परिषद् की सदस्य डॉ. सुमन गुप्ता, प्रेस क्लब, कोलकाता के अध्यक्ष श्री स्नेहाशीष सुर एवं यूको बैंक के जीएम श्री नरेश कुमार बतौर विशिष्ट अतिथि मौजूद रहे।

श्री हरिवंश ने कहा कि कोलकाता से ही हिंदी का पहला समाचार पत्र उदन्त मार्तण्ड 30 मई 1826 को प्रकाशित हुआ था। कोलकाता हमेशा से चेतना, चिंतन और पुर्नजागरण का केंद्र रहा है।

भाषाई पत्रकारिता के बारे में उन्होंने कहा कि इसने देश को एक नई दिशा प्रदान कर समाज को नई दिशा दी। वह विचारों का दौर था जबकि आज टेक्नोलॉजी का युग है। आज विचार नहीं, बल्कि टेक्नोलॉजी हमारे विचार तय कर रही है।

राज्यसभा के उपसभापति के अनुसार सोशल मीडिया से आज पत्रकारिता के सामने साख का संकट खड़ा हो गया है। फेसबुक, ट्विटर आदि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर रोजाना लाखों फेक न्यूज परोसी जा रही है। हम सभी को मिलकर इसका सामना करना होगा। श्री हरिवंश ने इस अवसर पर पाठकों के रवैये पर भी गंभीर टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि जो लोग अखबार मुफ्त में चाहते हैं, वे यह भी उम्मीद करते हैं कि उनका अखबार ईमानदार भी रहे।

फेक न्यूज के लिए मीडिया दोषी नहीं : प्रो. द्विवेदी

इस अवसर पर भारतीय जन संचार संस्थान के महानिदेशक प्रो. संजय द्विवेदी ने कहा कि जीवन के हर क्षेत्र में आज अवमूल्यन हुआ है, जिसका असर मीडिया पर भी पड़ा है।

उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया पर प्रसारित भ्रामक खबरों के लिए मीडिया को दोषी नहीं ठहराया जा सकता। द्विवेदी ने कहा कि वे अपने संस्थान में छात्रों को हमेशा जल्दबाजी में किए गए लाइक, कमेंट और शेयर से बचने की सलाह देते हैं।

प्रो. द्विवेदी के अनुसार सूचना और समाचार में अंतर होता है। सूचना गलत हो सकती है, लेकिन समाचार गलत नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा कि पत्रकार का धर्म आधा सच बताना नहीं है, बल्कि एक भारत और श्रेष्ठ भारत के लिए ईमानदारी से काम करना है।

जोड़ने का काम करती है भाषा : श्री नदीमुल हक

राज्यसभा सांसद श्री नदीमुल हक ने कहा कि भाषा केवल एक माध्यम है। यह लोगों को जोड़ने का काम करती है, लेकिन कुछ लोग भाषा का दुरुपयोग कर लोगों का बांटने का काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि एक पत्रकार को इस बारे में सलीके से सोचने की जरूरत है।

इस बात को भी ध्यान रखना होगा कि कागज के दाम बढ़ रहे हैं, जबकि विज्ञापन दर और पाठकों की संख्या कम हो रही है। इस चुनौती का सामना अखबार किस प्रकार करे यह विचारणीय सवाल है।

वैज्ञानिक दृष्टि से काम करें पत्रकार : प्रो. शंभुनाथ

भारतीय भाषा परिषद के निदेशक प्रो. शंभुनाथ ने कहा कि आधुनिक युग में कलम की जगह माउस और कागज की जगह कंप्यूटर स्क्रीन ने ले ली है। समय की जरूरत है कि पत्रकार वैज्ञानिक दृष्टि से काम करें और अंधविश्वास फैलाने से बचें। उन्होंने कहा कि पाठकों को सही और सटीक खबर जानने का अधिकार है और जब तक पाठकों के अधिकार की पूर्ति नहीं होगी, तब तब उनकी मांग जारी रहेगी।

अखबारों को पाठक नहीं ग्राहक चाहिए : डॉ. सिंह

भारतीय प्रेस परिषद की सदस्य और लखनऊ से प्रकाशित होने वाले अखबार जनमोर्चा की संपादक डॉ. सुमन सिंह ने कहा कि पत्रकारिता के लिए बंगाल प्रयोग की धरती रही है। वर्तमान में यह दुखद है कि अखबारों से संपादक नामक पद धीरे-धीरे खत्म हो रहा है। वक्त के साथ पत्रकारिता बदली है। अब अखबारों को पाठक नहीं ग्राहक चाहिए।

कारोबार, तकनीक और मिशन के मिश्रण की जरूरतः श्री अग्निहोत्री

वरिष्ठ पत्रकार श्री विनोद अग्निहोत्री ने कहा कि हम इस सच्चाई से इंकार नहीं कर सकते कि हर दौर और हर क्षेत्र में समय-समय पर अच्छे-बुरे दिन आते हैं। उन्होंने कहा कि मेरी नजर में समाज और अखबार का ठीक वैसा ही रिश्ता है, जैसा पानी और मछली का। अग्निहोत्री ने कहा कि बदलते परिवेश में कारोबार, तकनीक और मिशन के सटीक मिश्रण की जरूरत है, जिससे इस उद्योग की साख बच सके।

कार्यक्रम का संचालन छपते-छपते के प्रधान संपादक और ताजा खबर के निदेशक श्री विश्वंभर नेवर ने किया एवं धन्यवाद ज्ञापन प्रेस क्लब, कोलकाता के अध्यक्ष श्री स्नेहाशीष सुर ने दिया।

शार्ट न्यूज

कृष्णा नगर विधान सभा में मुख्या वक्ता डॉ अनिल गोयल जी ने घोंडली मंडल कार्यकर्ताओ के साथ गरीब कल्याण सम्मेलन में हिस्सा लिया

नई दिल्ली। केंद्र की सत्ता में मोदी सरकार के 8 वर्ष पूरे होने पर भा जपा की ओर से इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया इस अवसर पर प्रधानमंत्री जी ने 9 केंद्रीय मंत्रालय/ विभागों के लाभार्थियों से संवाद किया और पीएम मोदी जी ने किसानों के खाते में किसान सम्मान निधि की 11वीं किस्त जारी की। जिससे छोटे किसानो को फायदा मिला है। मोदी जी ने कहा नीति और नियत साफ होनी चाहिए। नए भारत का निर्माण हो रहा है देश भर की मंडियों को ई मार्किट से जोड़ा। जिससे जहा ज्यादा दाम मिले वहाँ अपना समान बेच सकते। शहरी और ग्रामीण भारत के बीच की दूरी काम हुई। सामाजिक, आर्थिक बदलाव हो रहे है।2.55 करोड़ प्रधानमत्री आवास योजना में घर बनाये गए। अट्टारह हजार गावो में बिजली पहुचायी गयी।9.17 करोड़ उज्जवला गैस कन्नेक्शन फ्री दिए गए। गरीबी की नीची रेखा वालो के लिए गरीब कल्याण अन्न योजना चल रही है। वन नेशन वन राशन कार्ड लागु कर दिया है। पीएम स्वनिधि योजना के तहत सरकार ने रेहड़ी-पटरी चलाने वाले लोगों को 10,000 रुपये का गारंटी फ्री लोन देने की सुविधा शुरू की है. ।असंगठित क्षेत्र के लोगो के लिए अटल पेंशन योजना चल रही है। जल जीवन मिशन के तहत शुद्ध पेयजल घर घर पहुंचाया जा रहा है। राष्ट्रीय पोषण अभियान के तहत 10 करोड़ बच्चों एवं महिलाओं को लाभ पहुंचाना है, इस मिशन के अंदर उन परिवारों को मदद मिलेगी जो आर्थिक रूप से सक्षम नहीं हैं। प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना में 25 करोड़ लोगो का 2 लाख का दुर्घटना बीमा कवरेज मिलता है। 45 करोड़ लोगो के जनधन खाता खुलवाए गए है। वैक्सीन 200 करोड़ लोगो को लग चकी है । छह करोड़ लोगो को साफ पानी से जोड़ा गया है। पैतीस करोड़ लोगो को मुद्रा लोन दिया गया है। देश की सीमाएं पहले से ज्यादा सुरक्षित हैं। प्रधानमंत्री जन औषधि योजना के तहत जेनेरिक दवाइयां कम मूल्य पर उपलब्ध करवाई गयी। 130 करोड़ लोगो को मिलकर नया भारत बनाना है। सरकार और समाज को जुड़ना है। पहले सवा दो लाख करोड़ की लीकेज थी सभी नौ करोड़ फर्जी नाम हटाए गए है। भारत दुनिया से आंख झुकाकर नहीं , आंख से आंख मिलाकर बात करता है इस अवसर पर विधायक प्रत्याशी डॉ अनिल गोयल जी , घोंडली मंडल अध्यक्ष इन्दु बाला जी, घोंडली मंडल प्रभारी श्री वीरेंद्र अग्रवाल जी, कृष्णा नगर उपाध्यक्ष श्री महेंद्र भटेजा जी, कृष्णा नगर विधान सभा बूथ संयोजक श्री अनिल अरोरा जी, कृष्णा नगर महामंत्री श्री राजेश चड्ढा जी उपस्थित रहे।

मनीष सिसोदिया का ऐलान- कश्मीरी पंडितों को फ्री में मिलेगा बिजली कनेक्शन

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में आईएनए मार्केट स्थित विस्थापित कश्मीरी पंडितों की दुकानों में दिल्ली सरकार द्वारा फ्री बिजली कनेक्शन उपलब्ध करवाया जाएगा। इस संबंध में उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने मंगलवार को बीएसईएस व पीडब्ल्यूडी सहित संबंधित विभागों के उच्चाधिकारियों के साथ बैठक की। उन्होंने अधिकारियों को मार्केट में पावर ट्रांसफर्मर लगाने के लिए चयनित स्थान का तुरंत निरीक्षण करने व एक महीने के भीतर सभी कश्मीरी पंडितों की दुकानों में बिजली का कनेक्शन लगाने के निर्देश दिए। बैठक में दिल्ली जल बोर्ड के उपाध्यक्ष व ग्रेटर कैलाश के विधायक सौरभ भारद्वाज भी शामिल रहे। पिछले दिनों कश्मीरी पंडितों के एक प्रतिनिधि मंडल ने मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल से मुलाकात की और बिजली कनेक्शन की समस्या को साझा करते हुए बताया कि आईएनए मार्केट में कश्मीरी पंडितों की 100 से अधिक दुकानें है ?। जिन्हें साल-दर-साल विभिन्न निर्माण गतिविधियों के कारण शिफ्ट करना पड़ा। इन दुकानों में वर्तमान में बिजली का कोई स्थायी समाधान न होने के कारण दुकानदारों को परेशानियों का सामना करना पड़ता है। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने तुरंत इस मामले का संज्ञान लेते हुए इसपर कार्रवाई के निर्देश दिए। मनीष सिसोदिया ने कहा कि मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के नेतृत्त्व में दिल्ली सरकार सदैव कश्मीरी पंडितों के हित में खड़ी है।

यूरोपीय शहरों की तरह दिल्ली की सड़कों को खूबसूरत बना रही है केजरीवाल सरकार, सीएम अरविंद केजरीवाल ने ब्रिटानिया चौक से आउटर रिंग रोड की सड़क का लिया जायजा

दिल्ली के अंदर सड़कें बहुत चौड़ी हैं, लेकिन अंतर्राष्ट्रीय स्टैंडर्ड की नहीं हैं, हम दिल्ली की सड़कों को बेहद खूबसूरत बनाने की कोशिश कर रहे हैं : केजरीवाल

प्रफुल्ल राय गौरवशाली भारत

नई दिल्ली। केजरीवाल सरकार, दिल्ली की सड़कों को यूरोपीय शहरों की तरह खूबसूरत बनाने पर तेजी से काम कर रही है। मुख्यमंत्री श्री अरविंद केजरीवाल ने आज पायलट प्रोजेक्ट के तहत खूबसूरत बनाई जा रही पीतमपुरा स्थित ब्रिटानिया चौक से आउटर रिंग रोड तक की सड़क का दौरा कर जायजा लिया। सीएम श्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि दिल्ली में सड़कें बहुत चौड़ी हैं, लेकिन अंतर्राष्ट्रीय स्टैंडर्ड की नहीं है। इन्हें हम बेहद खूबसूरत बनाने की कोशिश कर रहे हैं। दिल्ली की 500 किमी. से ज्यादा लंबी सड़कों को हम यूरोपियन स्टैंडर्ड के हिसाब से डिज़ाइन कर रहे हैं। ब्रिटानिया चौक से आउटर रिंग रोड तक की सड़क का आज मैंने खुद जायज़ा लिया। इसमें अभी कुछ और सुधार की गुंजाइश है। जल्द उन्हें ठीक कर दिल्ली की सड़कों को और खूबसूरत बनाएंगे। सीएम अरविंद केजरीवाल ने कहा कि दिल्ली में पायलट प्रोजेक्ट के तहत 16 स्ट्रैच पर काम चल रहा है और सितंबर से अक्टूबर तक सारे पायलट प्रोजेक्ट पूरे हो जाएंगे। पायलट प्रोजेक्ट के बाद जो मॉडल अच्छा होगा, उसे हम यूरोपियन स्टैंडर्ड की बनाई जाने वाली दिल्ली की 500 किलोमीटर लंबी सड़कों में लागू करेंगे। इस स्थलीय निरीक्षण के दौरान डिप्टी सीएम एवं लोक निर्माण मंत्री मनीष सिसोदिया और पीडब्ल्यूडी के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री श्री अरविंद केजरीवाल ने यूरोपीय स्टैंडर्ड पर री-डिजाइन कर विकसित की जा रही पीतमपुरा के वेस्ट एन्क्लेव स्थित ब्रिटानिया चौक से आउटर रिंग रोड तक की सड़क का स्थलीय दौरा कर जायजा लिया। इस दौरान उपमुख्यमंत्री एवं पीडब्ल्यूडी मंत्री मनीष सिसोदिया और वरिष्ठ अधिकारी भी साथ रहे। पीडब्ल्यूडी के अधिकारियों ने सीएम अरविंद केजरीवाल को यूरोपीय स्टैंडर्ड पर री-डिजाइन कर सुंदर बनाई जा रही इस सड़क की कार्य प्रगति के बारे में विस्तार से जानकारी दी। अधिकारियों

ने बताया कि यह स्ट्रैच 5.2 किलोमीटर लंबा है, जिसमें से दो किमी सड़क के सुंदरीकरण का कार्य पूरा हो चुका है और शेष पर तेजी से काम चल रहा है। अधिकारियों ने बताया कि सड़क की एक साइड में लोगों के लिए साइकल ट्रैक भी बनाया जा रहा है। साथ ही, लोगों को पैदल चलने के लिए फूटपाथ बनाए गए हैं। स्ट्रैच के साथ सभी पेड़ों को डिजाइन में किया गया है और छोटे-छोटे पौधे लगाए गए हैं। पैदल चलने वालों और सड़क का इस्तेमाल करने वालों के लिए बैठने और आराम करने के लिए पर्याप्त जगह उपलब्ध कराई गई है। अधिकारियों ने सड़क की डिजाइन को दिखाते हुए बताया कि इसमें से काफी काम हो चुका है और कुछ पर काम चल रहा है।

सीएम श्री अरविंद केजरीवाल ने सड़क के किनारे और सेंट्रल वर्ज के उपर लगाए गए पौधों को क्वालिटी का नहीं पाए जाने पर नाराजगी जाहिर की। सेंट्रल वर्ज पर लगाए गए पौधों के बीच में कई जगहों पर काफी दूरी हैं और पौधे काफी छोटे भी हैं। सीएम अरविंद केजरीवाल कहा कि यूरोपीय देशों की सड़कों के किनारे और सेंट्रल वर्ज पर जैसे घने पौधे लगाए जाते हैं, उसी तरह से पौधे लगाए जाएं। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि सड़क के किनारे और सेंट्रल वर्ज पर पौधे थोड़े बड़े और घने लगाए, ताकि देखने में सुंदर लगे। वहीं, इस स्ट्रैच की एक साइड की तरफ बड़ी दीवार लगी हुई है। डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि दीवार के सुंदरीकरण के लिए संबंधित व्यक्ति से बात कर लें। अगर वे चाहे, तो खुद दीवार का सुंदरीकरण कर लें और उसका खर्च दिल्ली सरकार दे देगी या फिर वो इसकी अनुमति दे दें, ताकि दिल्ली सरकार खुद दीवार का सुंदरीकरण करा दे। उन्होंने दीवार पर खूबसूरत पेंटिंग बनाने की सलाह दी।

इस दौरान सीएम श्री अरविंद केजरीवाल ने मीडिया से बातचीत करते हुए बताया कि अभी हमने यूरोपीय तर्ज पर री-डिजाइन कर विकसित की जा रही सड़क के एक स्ट्रैच का जायजा लिया। दिल्ली के अंदर हम सड़कों को बेहद खूबसूरत बनाने की कोशिश कर रहे हैं। दिल्ली देश की राजधानी है। हम लंदन, टोक्यो, न्यूयार्क, वाशिंगटन, यूरोप के शहरों समेत दुनिया भर में जाते हैं, तो कितनी खूबसूरत सड़कें होती हैं। हमारी सड़कें बहुत चौड़ी हैं। लेकिन अंतर्राष्ट्रीय स्टैंडर्ड पर देखा जाए, तो उस स्टैंडर्ड की नहीं है। हमारा मकसद है कि दिल्ली की सड़कों को बेहद खूबसूरत बनाया जाए। उसी प्रयास के तहत पहले चरण में लोक निर्माण विभाग की 500 किलोमीटर लंबी सड़कों को खूबसूरत बनाने का हमारा मकसद है। 500 किलोमीटर की सड़कों का सुंदरीकरण करने से पहले हम लोग पायलट प्रोजेक्ट के अंतर्गत छोटा स्ट्रैच करके देख रहे हैं। उसी पायलट प्रोजेक्ट के तहत सुंदरीकरण की जा रही सड़क के एक स्ट्रैच का आज हमने मुआयना किया। दिल्ली में पायलट प्रोजेक्ट के तहत करीब 16 स्ट्रैच हैं, जिन पर काम चल रहा है और सितंबर-अक्टूबर तक सारे पायलट प्रोजेक्ट पूरे हो जाएंगे। इसके बाद हम देखेंगे कि कौन सा पायलट प्रोजेक्ट अच्छा है, कौन सा मॉडल अच्छा है, जिसे हमें पूरी दिल्ली में 500 किलोमीटर की सड़कों में लागू करना है। अभी कार्य चल रहा है और अभी इसमें और सुधार होते रहेंगे।

आदेश गुप्ता के नेतृत्व में प्रधानमंत्री मोदी के आठ साल पूरे होने पर 365 गांवों और 278 मंडलों में आयोजित किया गया किसान सम्मेलन

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आठ सालों का कार्यकाल सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण को समर्पित रहा : आदेश गुप्ता

आनंद राय गौरवशाली भारत

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष श्री आदेश गुप्ता के नेतृत्व में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के कार्यकाल के आठ साल पूरे होने पर आज युवा किसान सम्मेलन का आयोजन किया गया जिसमें दिल्ली के विभिन्न क्षेत्रों से आए युवा किसानों का पगड़ी पहनाकर स्वागत किया गया। इसके बाद श्री आदेश गुप्ता एवं संगठन महामंत्री श्री सिद्धार्थन सहित प्रदेश पदाधिकारियों ने किसानों के साथ मिलकर प्रधानमंत्री के 'गरीब कल्याण सम्मेलन' में उद्बोधन वर्चुअल माध्यम से सुना। प्रधानमंत्री के सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण को समर्पित कार्यकाल के आठ साल पूरे होने पर दिल्ली के 365 गांवों में 375 कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इसके साथ ही सभी 278 मंडलों में लोगों ने बड़ी एलईडी लगाकर प्रधानमंत्री मोदी के 'गरीब कल्याण सम्मेलन' में उद्बोधन को सुना। उद्बोधन समाप्ति के बाद पत्रकारों से बात करते हुए श्री आदेश गुप्ता ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने एक प्रधानसेवक के रूप में अपने आठ साल सेवा को समर्पित करते हुए पूरे किए हैं। उन्होंने देश के गरीब किसानों, मजदूरों, महिलाओं और हर वर्ग के लिए कल्याणकारी योजना लाकर सभी हकदारों को उनका हक दिलाने का काम किया है। आज किसानों को एक बड़ी सौगात दी गई जिसके लिए देश का किसान उनका ऋणी रहेगा। उन्होंने कहा कि किसान सम्मान निधि योजना के तहत 11वीं किस्त जारी कर प्रधानमंत्री ने पूरे देश के लगभग 11 करोड़ किसानों के बैंक खाते में 21000 करोड़ रुपये सीधे तौर पर डालकर फायदा पहुंचाया है।

आदेश गुप्ता ने कहा कि भारत के इतिहास में किसानों के लिए किसी सरकार ने उतना काम नहीं किया जितना मोदी सरकार ने किया। 'अंत्योदय ही मूलमंत्र' को अपनाते हुए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 80 करोड़ लोगों को मुफ्त अनाज देने का काम किया। एमएसपी को डेढ गुना कर किसानों को फायदा पहुंचाने का काम किया गया। उन्होंने कहा कि पीएम किसान सम्मान निधि के अंतर्गत 11.30 करोड़ किसान परिवारों को 1.82 लाख करोड़ से अधिक राशि दी गई। इतना ही नहीं 3 करोड़ से अधिक किसान क्रेडिट कार्ड आवेदकों को 3.4 लाख करोड़ के क्रेडिट का लाभ मिला, जो अपने आप में ऐतिहासिक है।

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष आदेश गुप्ता, रामवीर सिंह बिधूड़ी और सिद्धार्थन ने उपराज्यपाल से की शिष्टाचार भेंट

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष श्री आदेश गुप्ता ने नेता प्रतिपक्ष श्री रामवीर सिंह बिधूड़ी और प्रदेश संगठन महामंत्री श्री सिद्धार्थन के साथ आज दिल्ली के नए उपराज्यपाल श्री विनय कुमार सक्सेना से शिष्टाचार भेंट कर उन्हें नए दायित्व की शुभकामनाएं दी। श्री आदेश गुप्ता ने कहा कि नए उपराज्यपाल जो खुद को लोकल गार्जियन (एलजी) कहते हैं, सरल स्वभाव के धनी हैं। उनकी दिल्ली की समस्याओं के प्रति संवेदनशीलता प्रदेश को स्वच्छ व विकसित नगर बनाएगी। आदेश गुप्ता ने कहा कि दिल्ली की अफसरशाही से जो काम रुके पड़े थे, उसमें अब गति आएगी। जिस तरह से जिम्मेदारी संभालते ही श्री सक्सेना ने कूड़े के पहाड़ के निस्तारण के लिए जो आदेश दिया, वह सराहनीय रहा। आज दिल्ली के विभिन्न समस्याओं पर बात करके उन्हें जानकारी दी। जिसके बाद माननीय उपराज्यपाल ने उन समस्याओं को गंभीरतापूर्वक सुनकर उनके जल्द समाधान करने का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि दिल्ली के सर्वांगीण विकास के लिए श्री विनय कुमार सक्सेना का अनुभव काम आने वाला है। इससे पहले के दायित्वों का निर्वहन करते हुए जिस तरह से उन्होंने सार्वजनिक क्षेत्रों और सरकार के साथ कंधे से कंधा मिलाकर काम किया और विभिन्न चुनौतियों को अवसर में बदलने का काम किया है, उससे दिल्ली के विकास को गति मिलने वाली है।

सिद्धू मूसेवाला हत्याकांड : दिल्ली पुलिस ने लॉरेंस बिश्नोई को रिमांड पर लिया, 5 दिन करेगी पूछताछ

एजेंसी

नई दिल्ली। मशहूर पंजाबी सिंगर सिद्धू मूसेवाला हत्याकांड में शामिल बताए जा रहे गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई को दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने 5 दिन की रिमांड में लिया है। स्पेशल सेल ने बिश्नोई को तिहाड़ जेल से पूछताछ के लिए ले गई है। बता दें कि गैंगस्टर तिहाड़ जेल के स्पेशल सेल में बंद था। इससे पहले लॉरेंस बिश्नोई ने अपनी सुरक्षा पुख्ता करने और उसे दिल्ली की तिहाड़ जेल से बाहर नहीं भेजने को लेकर दिल्ली हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी।

तिहाड़ जेल के सूत्रों के मुताबिक आज दोपहर को स्पेशल सेल की टीम ने लॉरेंस बिश्नोई से दोपहर को पूछताछ की और एक पुराने केस में उसे जेल से लेकर गए और कोर्ट के जरिए उसकी कस्टडी एप्लाई की। अब लॉरेंस बिश्नोई स्पेशल सेल की कस्टडी में है, लॉरेंस का नाम पंजाबी सिंगर की हत्या से जुड़ा है। इस केस में अब लॉरेंस से स्पेशल सेल कस्टडी में पूछताछ करेगी। इसके अलावा काला जठेड़ी और काला राणा पहले से स्पेशल सेल की कस्टडी में किसी और केस में है। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल अब तीनों से पूछताछ करेगी।

प्रारंभिक जांच के आधार पर यह माना जा रहा है कि गैंगेस्टर के बीच वर्चस्व की लड़ाई पंजाब म्यूजिक इंडस्ट्री में अपना-अपना सिक्का जमाने को लेकर चल रही है। कहा तो यहां तक जा रहा है कि पंजाब म्यूजिक इंडस्ट्री में चल रही है वर्चस्व की यह लड़ाई, अर्मीनिया व कनाडा से संचालित हो रही है। इसमें लॉरेंस बिश्नोई के इशारे पर कनाडा में बैठे गैंगस्टर गोल्डी बरार ने अपने शूटर के जरिए मूसेवाला को गोलियों से मरवा दिया था।

हालांकि जांच एजेंसियों ने इस हत्याकांड पर अभी स्पष्ट तौर पर कोई बयान नहीं दिया है। जांच अीम का कहना है कि मामले की जांच अभी प्रारंभिक स्तर पर है। जांच पूरी होने के बाद ही घटनाक्रम की कड़ियां व इसका कारण साफ हो पाएगा।

आपको बता दें कि पंजाब पुलिस ने रविवार को कहा था कि गायक सिद्धू मूसेवाला की हत्या गिरोहों के बीच आपसी रंजिश का परिणाम है और इसमें लॉरेंस बिश्नोई गिरोह लिप्त है। मूसेवाला की रविवार को पंजाब के मानसा जिले में अज्ञात हमलावरों ने गोली मारकर हत्या कर दी थी। उससे एक दिन पहले राज्य सरकार ने उसकी सुरक्षा कम कर दी थी।

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष आदेश गुप्ता के नेतृत्व में सत्येन्द्र जैन की बर्खास्तगी को लेकर मुख्यमंत्री आवास के बाहर किया गया प्रचंड विरोध प्रदर्शन

अगर केजरीवाल इतने ही कट्टर ईमानदार हैं तो वे सत्येन्द्र जैन को तुरंत पार्टी से बर्खास्त करें

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष श्री आदेश गुप्ता ने कहा कि केजरीवाल शुरु से कहते रहे हैं कि वे ईमानदार बनकर राजनीति बदलने आए हैं, लेकिन आज सिर्फ सात सालों में ही भ्रष्टाचार का ऐसा कोई कुकृत्य नहीं है, जो आम आदमी पार्टी के विधायकों और मंत्रियों ना किया हो। आज मुख्यमंत्री आवास के बाहर सत्येन्द्र जैन को पार्टी से बर्खास्त करने की मांग को लेकर हो रहे विरोध प्रदर्शन को संबोधित करते हुए श्री गुप्ता ने कहा कि ईडी की जांच से स्पष्ट है कि सत्येन्द्र जैन भ्रष्टाचार में लिप्त है और केजरीवाल उन्हें बचाने में लगे हुए हैं। अगर केजरीवाल इतने ही कट्टर ईमानदार हैं वे तुरंत सत्येन्द्र जैन को पार्टी से बर्खास्त करें। आदेश गुप्ता ने कहा कि केजरीवाल के मंत्री राशन कार्ड के नाम पर महिलाओं के साथ गलत व्यवहार करते हैं, अपनी पत्नी को प्रताड़ित करते हैं, फर्जी डिग्री रखने के आरोप सिद्ध होते हैं। ये सारे कारनामे आम आदमी पार्टी की सात सालों की कहानी बखूबी बयां करती है। इतना सब कुछ होने के बाद भी घड़ियाली आसू बहाते हुए केजरीवाल कट्टरवादी ईमानदारी की बातें कह रहे हैं। उन्होंने कहा कि दिल्ली के कट्टर ईमानदार मुख्यमंत्री के कट्टर दोस्त सत्येन्द्र जैन हैं जिनके खिलाफ पिछले आठ सालों से जांच चल रही थी। अभी पांच करोड़ संपति कुर्क की गई थी और 16.39 करोड़ की बेनामी संपति की पहचान कर ली गई है। दिल्ली की जनता को कोई राहत मिले, उसमें केजरीवाल सरकार को कोई रुचि नहीं है। आदेश गुप्ता ने कहा कि केजरीवाल कह रहे हैं कि हिमाचल का प्रभारी बनाया गया है इसलिए सत्येन्द्र जैन को गिरफ्तार करवाया गया है।

जबकि यह जांच तो पिछले सात सालों से चल रही थी फिर राजनीति कहां से आ गई। केजरीवाल किसी को अपना मंत्री, विधायक बनाकर उसे भ्रष्टाचार करने का लाइसेंस दे देते हैं। केजरीवाल को इस बात का डर लग रहा है कि कही सत्येन्द्र जैन उनके काले चिट्ठे भी ना खोल दें। उन्होंने कहा कि देश में लालू-चौटाला के बाद केजरीवाल का नंबर है क्योंकि हवाला कारोबारी सत्येन्द्र जैन को बचाना सिर्फ एक बहाना है असल में फर्जीवाल को खुद का चेहरा बचाना है। आदेश गुप्ता ने कहा कि केजरीवाल एक ऐसे मुख्यमंत्री हैं जिनका हर विभाग इस वक्त भ्रष्टाचार में पूरी तरह लिप्त है। डीटीसी बस घोटाला का केस सीबीआई में है, ड्यूसीब में 200 करोड़ से ज्यादा का घोटाला सीबीआई में है, जलबोर्ड में 57 हज़ार करोड़ का घोटाले का हिसाब सीएजी को नहीं दिया। पीड्ब्ल्यूडी, स्लम विभाग, स्वास्थ्य विभाग, शिक्षा विभाग जिसके अंदर कमरे बनाए गए, उसमें भी घोटाले किए गए हैं, उनकी भी जांच होने वाली है।

नेता प्रतिपक्ष श्री रामवीर सिंह बिधूड़ी ने कहा कि पिछले दो सालों में अनाधिकृत कॉलोनियों में, जेजे कलस्टर में बनने वाले सड़कों के लिए मुख्यमंत्री सड़क योजना के तहत जितने पैसे आए सब आम आदमी पार्टी के विधायकों ने आपस में बांट लिये। उन पैसों से लगभग 500 बीघा जमीन खरीदकर जिसकी कीमत 10,000 करोड़ रुपये है, अपने नाम करने का काम किया है। उन्होंने कहा कि शहरी विकास मंत्री श्री हरदीप सिंह पुरी से मिलकर उन 500 बीघा जमीन पर बुल्डोजर चलाकर वहां स्कूल, कॉलेज, हॉस्पिटल डिस्पेंसरी बनाकर वहां एक मिसाल कायम करेंगे।

विरोध प्रदर्शन में प्रदेश भाजपा महामंत्री श्री हर्ष मल्होत्रा एवं श्री दिनेश प्रताप सिंह, प्रदेश भाजपा उपाध्यक्ष श्री राजन तिवारी, विधायक श्री अभय वर्मा और श्री अनिल वाजपेयी, प्रदेश मंत्री श्री गौरव खारी और श्री नीरज तिवारी, प्रदेश प्रवक्ता श्री आदित्य झा, पूर्वांचल मोर्चा अध्यक्ष श्री कौशल मिश्रा, ओबीसी मोर्चा अध्यक्ष श्री संतोष पाल, एससी मोर्चा अध्यक्ष श्री भूपेन्द्र गोठवाल, युवा मोर्चा अध्यक्ष श्री वासु रुखड़, किसान मोर्चा अध्यक्ष श्री विनोद सहरावत, चांदनी चौक जिला अध्यक्ष श्री विकेश सेठी सहित प्रदेश, मोर्चा, जिला और मंडल के अन्य पदाधिकारियों सहित भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित थे।

समान नागरिक संहिता की जमीन तैयार: शुरूआत होगी भाजपा शासित राज्यों से

अभी तक गोवा मात्र एक राज्य है जहां समान नागरिक संहित लागू है। अन्य भाजपा शासित राज्य इसे लागू करने के संकेत दे रहे है। इस समय 18 राज्यों में भाजपा की अपने दम पर सहयोगी के तौर पर सरकार है। संविधान के नीति निदेशक तत्व का अनुच्छेद 44 कहता है कि राज्य पूरे भारत वर्ष में नागरिकों के लिए समान नागरिक संहिता प्राप्त करने का प्रयास करेगा। समान नागरिक संहिता का मुद्दा कोई नया नहीं है। सुप्रीम कोर्ट भी कई बार समान नागरिक संहिता की बात कह चुका है। अभी भी सुप्रीम कोर्ट और हाई कोर्ट में यह मुद्दा लम्बित है। भाजपा के ऐजेंडे में तो यह बहुत समय से लम्बित है। केन्द्र सरकार के स्तर पर भी इसे लेकर गहमागहमी तेज हो गई है।

समान नागरिक संहिता का अर्थ है कि देश के सभी नागरिक चाहे वे किसी धर्म के हों, उनके लिए विवाह, तलाक, भरण पोषण, विरासत व उत्तराधिकार, संरक्षक, गोद लेना आदि के बारे समान कानून होगा। अभी इस बारे सभी धर्मो के अलग-अलग कानून, पर्सनल ला है। हिन्दुओं का कानून संहिताबद्ध कर दिया गया है लेकिन मुस्लमानो में ऐसे मामले शरीअत या पर्सनल ला के मुताबिक तय होते है। इन कानूनों में लिंग आधारित समानता भी नहीं है। समान नागरिक संहिता कानून लागू होने से सभी तरह का भेदभाव समाप्त हो जाएगा और सभी धर्मो के लिए ऐसे मामलों में एक समान कानून लागू होगा।

समान नागरिक संहिता को पूरे देश में लागू करने का सबसे ज्यादा विरोध मुस्लमान कर रहे हैं। जमायते उलेमा ए हिंद ने अपने सम्मेलन में प्रस्ताव पारित करके समान नागरिक संहिता लागू करने का विरोध किया है। समान नागरिक संहिता कानून को धर्म से जोडना ठीक नहीं। इस कानून का धर्म से कोई लेना देना नहीं है, यह दीवानी कानून की बात करता है। वैसे भी पर्सनल ला भी संविधान के ऊपर नहीं है। संविधान धार्मिक क्षेत्र में भी समानता की व्यवस्था स्थापित करता है और इसलिए जो सुधार होंगे वो भी धर्मों के लिए समान रूप से होने चाहिए। विशेषकर जब समान नागरिक संहिता लिंग आधारित समानता की बात करता है। सभी धर्म की महिलाओं को समान रूप से सुरक्षा प्राप्त होगी चाहिए।

वैसे संविधान में मार्ग दर्शक सिद्धांत है जो समान नागरिक संहिता की बात करता है। अनुच्छेद 44 में जो राज्य शब्द दिया गया है उसमें केन्द्र और राज्य दोनों आते हैं। ऐसे वे जिन विषयों पर राज्य कानून बना सकता है वहां वह कानून बनाकर समानता स्थापित कर सकता है। केन्द्र जब चाहे हस्तक्षेप करके पूरे देश के लिए कानून बना सकता है।

कोर्ट में पूरे देश में समान नागरिक संहिता लागू करने की मांग वाली छह याचिकाएं दिल्ली हाईकोर्ट में लम्बित हैं। हाई कोर्ट में उन पर केन्द्र सरकार को नोटिस भी जारी हुआ था और केन्द्र ने पिछले साल हाईकोर्ट में अपना जवाब दाखित कर दिया था जिसमें गहनता के अध्ययन की जरूरत बताई थी। हमारे अपने विचार में यह मामला विधायिका का है और इस पर कोर्ट को आदेश नहीं देना चाहिए द्य सुप्रीमकोर्ट में पांच स्थानांतरण याचिकाएं दाखिल हो चुकी है।

लेकिन अभी तक उन पर सुनवाई का नम्बर नहीं आया है।

शाहबानो प्रकरण के फेसले में भी सुप्रीमकोर्ट ने देश में समान नागरिक संहिता की आवश्यकता बताई थी। उस समय पांच जजों की बेंच में तीन जजों ने ट्रिपल तलाक की प्रथा को असंवैधानिक करार देकर सरकार को इस प्रथा पर रोक लगाते हुए इस संबध में कानून बनाने को कहा था। इस फेसले में तलाक के बाद हक ही लड़ाई में शाहबानों अपने पति से गुजारा भत्ता का केस सुप्रीम कोर्ट में जीत गई थी। लेकिन राजीव गांधी के एक फेसले के कारण जीत के बाद भी वह हार गई और उसे गुजारा भत्ता नहीं मिला।

1986 के शाह बानों केस के बाद कांगेस निरंतर नीचे ही नीचे होती गई। समान नागरिकता कानून लागू होने से मुस्लिम महिलाओं को बहुत बड़ी राहत मिलेगी। उसे हलाला जैसे शर्मनाक हालात से नहीं गुजारना पड़ेगा।

देश में समान नागरिक संहिता कानून की जरूरत है। इससे अलग-अलग धर्मो के अलग कानून के कारण न्यायापालिका पर भी बोझ पड़ता है जिससे निजात मिल पाएगी। हमारे देश में मुस्लमान समान नागरिक संहिता का विरोध कर रहे है जबकि पाकिस्तान, बंगलादेश, मलेशिया, तुर्की, इंडोनेशिया, सूडान और मिस्त्र जैसे देश इस कानून को अपने यहां लागू कर चुके है।

गुरुग्राम में 50 सड़कों पर घटाई जाएगी वाहनों की गति सीमा

गुरुग्राम। दिल्ली से सटे गुरुग्राम में सड़क हादसे रोकने के लिए जिला प्रशासन अब शहर की 50 से ज्यादा अंदरूनी सड़कों पर गति सीमा घटाने जा रहा है। इसको लेकर जिला प्रशासन और ट्रैफिक पुलिस ने तैयारी शुरू कर दी है। अब अंदरूनी सड़कों पर अधिकतम गति सीमा 30 किलोमीटर प्रति घंटा की जाएगी। अभी शहर की अंदरूनी सड़कों पर अधिकतम गति सीमा 40 और 50 किलोमीटर प्रति घंटा है। जल्द बैठक कर सड़कों का चयन कर गति सीमा कम की जाएगी। इसके अलावा कुछ सड़कों पर गति सीमा तय नहीं है,उनको भी तय किया जाएगा। जिले की अंदरूनी सड़कों के साथ-साथ अंडरपास में जीएमडीए द्वारा स्पीडो मीटर 50 से ज्यादा स्थान पर लगाए गए।

स्पीडो मीटर उस सड़क से गुजरने वाले हर वाहन की स्पीड को दर्शाता है, जिससे वाहन चालक को पता चलता है कि वह वाहन को तेज चला रहा है। एसीपी ट्रैफिक मुख्यालय यशंवत यादव ने बताया कि सड़कों पर गति सीमा निर्धारित होने के बाद वाहन चालकों को विभिन्न माध्यमों से जागरूक किया जाएगा, ताकि वह निर्धारित गति सीमा में वाहन चलाएं। इसके बाद निमयों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। जिले में हर साल सड़क दुर्घटनाओं में 400 से ज्यादा लोग अपनी जान गंवाते हैं। यह आंकड़ा लगातार बढ़ रहा है, जो काफी चिंता की बात है। हर साल सड़क दुर्घटनाओं में 800 से ज्यादा मामले दर्ज होते हैं।

संपादकीय

पंजाब में बिगड़ती कानून व्यवस्था

सिंगर-एक्टरा से राजनेता बने सिद्धू मूसेवाला की गैंगस्टरों द्वारा गोलियों से निर्मम हत्या करने की घटना राज्य में बिगड़ती कानून व्यवस्था का पर्दाफाश करती है। वहीं मूसेवाला की हत्या पंजाब में फल-फूल रही गैंगस्टर संस्कृति की डरावनी तस्वीर भी पेश करती है। वहीं हाल ही के वर्षों में गैंगस्टरों द्वारा बिना किसी डर के अपने घातक इरादों को अंजाम देने से पैदा हुए संकट को भी दर्शाती है। पंजाब में सत्ता परिवर्तन के बाद से कानून व्यवस्था के मोर्चे पर नित नई चुनौती पेश आ रही हैं, और विडंबना यह है कि प्रदेश सरकार कागजी कार्रवाई और बयानबाजी से आगे बढ़ नहीं पा रही है।

मशहूर युवा गायक सिद्धू मूसेवाला की बीती 29 मई को मानसा जिले के जवाहरके गांव में गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। ये हत्याकांड तब हुआ है जब पंजाब सरकार ने दो दिन पहले ही मूसेवाला समेत 424 वीआईपी लोगों की सुरक्षा वापस ले ली थी। पंजाब सरकार इस हत्याकांड के बाद जरूर एक्टिव हुई हो, लेकिन राज्य में सरकार के गठन के ढाई महीने के भीतर कई हत्याओं ने कानून-व्यवस्था के मोर्च पर कई गंभीर सवाल खड़े किए हैं।

सिद्धू मूसेवाला की हत्या में पंजाब पुलिस प्रथम दृष्टया दो कुख्यात गिरोहों की प्रतिद्वंद्विता को जिम्मेदार मानकर चल रही है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक मूसेवाल की हत्या की साजिश दिल्ली की तिहाड़ जेल में बंद गैंगस्टरों ने रची है। यह भी दावा किया जा रहा है कि हत्या के तार वर्ष 2021 में एक युवा अकाली नेता की हत्या से जुड़े हो सकते हैं, जिसके प्रतिशोध के चलते ही इस हत्या को अंजाम दिया गया होगा। यहां उस दुर्दांत गैंगस्टर की कारगुजारियों की जांच की जरूरत महसूस की जा रही है जो जेल की सलाखों के पीछे से गंभीर वारदातों को अंजाम देता रहा है। बताया जाता है कि वह भारत व विदेशों में स्थित भारत विरोधी ताकतों के हाथ में खेल सकता है जो दरअसल, पंजाब में गड़बड़ी फैलाना चाहते हैं। यही वजह है कि पुलिस इस कांड में विदेशी हाथ की दिशा में भी जांच में जुटी है।

पंजाब विधानसभा चुनाव के नतीजों के दो दिन बाद ही फिरोजपुर में एक दलित कांग्रेस कार्यकर्ता की पिटाई हुई थी। इसका आरोप आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ताओं पर लगा था। हमले के करीब दो हफ्ते बाद 29 मार्च को कार्यकर्ता इकबाल सिंह की अस्पताल में मौत हो गई थी। इकबाल सिंह की मौत के बाद कांग्रेस नेता नवजोत सिंह सिद्धू उनके परिवार से मिले थे और भगवंत मान सरकार पर निशाना साधा था। उन्होंने इस हत्या के लिए सीधे-सीधे आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ताओं को जिम्मेदार ठहराया था। गुरदासपुर के फुल्लरा गांव में 4 अप्रैल को खुलेआम गोलीबारी हुई। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, जमीन विवाद के कारण ये गोलीबारी दो गुटों में हुई थी। जिसमें सरपंच के पति सुखराज सिंह समेत चार लोगों की मौत हो गई थी। 6 अप्रैल को पटियाला में एक यूनिवर्सिटी के बाहर कबड्डी खिलाड़ी धरमिंदर सिंह की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। पुलिस ने बताया था कि धरमिंदर को आपसी दुश्मनी के कारण गोली मारी गई थी। अमृतसर के नांगली गांव में 25 अप्रैल की रात 12वीं के एक छात्र की गोली मारकर हत्या की गई थी। पुलिस ने बताया था कि 17 साल के विजय सिंह को उसके दो दोस्तों ने ही गोली मारी थी। पंजाब के मोहाली में इंटेलिजेंस दफ्तर पर हुए आरपीजी अटैक का मामला अभी ठंडा नहीं हुआ है। बीती तेरह मई की एक खबर के अनुसार पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने गायक कलाकारों को बंदूक और नशा संस्कृति प्रमोट न करने का आह्वान किया था। गायकों को आज की युवा पीढ़ी अपना रोल मॉडल मानती है। मान ने उन्हें पंजाब की संस्कृति को प्रमोट करने की अपील की। भगवंत मान ने कहा कि यदि ऐसा न किया गया तो सरकार सख्ती भी करेगी। मुख्यमंत्री ने ऐसी अपील पुलिस अधिकारियों से मिले फीडबैक के आधार पर की है। उसका मानना है कि भड़काऊ गीतों की वजह से पंजाब में हथियारों और नशे का चलन बढ़ रहा है। समय-समय पर पुलिस द्वारा चलाये गये अभियानों में कुछ गैंगस्टर मारे गये, वहीं आपसी प्रतिद्वंद्विता के चलते भी कई अपराधी मारे जा चुके हैं। लेकिन उनके नक्शेकदम पर चलने वाले दूसरे अपराधी इन गिरोहों में में शामिल हो जाते हैं दरअसल ये अपराधी तत्व हत्या, जबरन वसूली, हथियारों की तस्करी और मादक पदार्थों की खरीद-फरोख्त जैसे गैर-कानूनी कार्यों में लिप्त रहते हैं।

कब अपने को खुदा समझना बंद करेंगे सरकारी बाबू

आर.के. सिन्हा

सरदार वल्लभभाई पटेल के 21 अप्रैल, 1947 को दिल्ली के मैटकॉफ हाउस में दिए भाषण को कुत्ता प्रेमी आईएएस अफसर संजीव खिरवार और उनकी आईएएस अफसर पत्नी रिंकू डुग्गा ने यदि पढ़ा होता तो वे मनुष्य बने रहते। वे सरकार और जनता के बीच सेतु के रूप में निष्ठापूर्वक काम कर रहे होते। पर उन्होंने निश्चित रूप से सरदार पटेल के उस बेहद अहम भाषण को जाना-समझा नहीं होगा। सरदार पटेल ने आजाद होने जा रहे भारत के पहले बैच के आईएएस और आईपीएस अफसरों को संबोधित करते हुए कहा था कि उन्हें स्वतंत्र भारत में जनता के सवालों को लेकर गंभीरता और सहानुभूति का भाव रखना होगा। सरदार पटेल ने बाबुओं को स्वराज और सुराज का भी अंतर बताया था। पर संजीव खिरवार ने उस संदेश पर अमल करने की चेष्टा ही नहीं की। संजीव खिरवार और उनकी पत्नी रिंकू डुग्गा के राजधानी के त्यागराज स्टेडियम में अपने पिल्ले को टहलाने के लिए वहां पर प्रेक्टिस करने वाले दर्जनों खिलाड़ियों और कोच को स्टेडियम से बाहर का रास्ता दिखा दिया जाता था। उनके इस अक्षम्य अपराध का उन्हें और उनकी पत्नी को अब सरकारी 'प्रसाद' मिल गया है। दोनों की दिल्ली से बाहर ट्रांसफर कर दिया है। पर एक्शन उन अफसरों पर भी होना चाहिए जो इनकी मदद करते थे, ताकि वे इतने विशाल स्टेडियम में अकेले घूमते रहे। क्या संजीव खिरवार और उनकी पत्नी ने अपने को किसी राज्य का राजा समझ रखा था ? बुरा मत मानिए, कुछ आईएएस तथा आईपीएस अफसर अपने को खुदा मानने लगते हैं। इन्हें सिर पर भी चढ़ा कर रखा जाता है। इन्हें महलनुमा भव्य बंगले दिए जाते हैं रहने के लिए। मैंने हाल ही में मेरठ तथा आगरा में जिलाधिकारी आवासों को बाहर से देखा। उन्हें देखकर समझ आ रहा था कि ये कई-कई एकड़ में फैले हुए हैं। क्या ये इन्हें मिलने चाहिए ? या यह इनके काम करने के लिए ज़रूरी हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी 2015 में आईएएस अधिकारियों से कहा था कि वे निर्णय करते समय गरीब से गरीब व्यक्तियों के कल्याण को ध्यान में रखें क्योंकि वे सेवा में हैं, नौकरी में नहीं। संजीव खिरवार के केस ने तूल पकड़ा तो गृह मंत्रालय ने उन्हें और उनकी पत्नी को दिल्ली से तत्काल प्रभाव से स्थानांतरित कर दिया है। खिरवार दिल्ली के राजस्व आयुक्त थे। वह दिल्ली के पर्यावरण विभाग के सचिव भी थे। संजीव खिरवार किस मुंह से स्टेडियम को खाली करवाते थे, ताकि वह अपने कुत्ते को टहला सकें। उन पर आरोप था कि वे और उनकी पत्नी कुत्ते को एथलेटिक्स ट्रैक पर ले जाते थे और उनकी वजह से खिलाड़ियों को शाम 6ः45 बजे तक स्टेडियम खाली करने के लिए कहा जाता था। कुछ कोच ने बताया कि उन्हें स्पष्ट निर्देश दिए गए थे कि उस समय तक स्टेडियम खाली कर दिया जाना चाहिए। ये ताजा केस तब हुआ जब देश झारखंड सरकार की खनन सचिव पूजा सिंघल के घोटालों के किस्सों को सुन ही रहा था। उन्हें पिछले दिनों मनरेगा घोटाले में गिरफ्तार कर लिया गया हैं। अब तक की जांच में पूजा सिंघल व उनके पति अभिषेक झा को प्रथम दृष्टया मनी लाउंड्रिंग मामले में संलिप्त पाया गया है।

इस बीच, खिरवार और उनकी पत्नी के अनैतिक आचरण ने मध्यप्रदेश कैडर के दो आईएएस अरविंद जोशी और उनकी पत्नी टीनू जोशी की हरकतों की याद दिलवा दी। ये 2011 में सुर्खियों में आये थे। जब आयकर विभाग ने भोपाल स्थित इनके घर पर छापा मारा था। छापे में तीन करोड़ रूपये नकद और करोड़ों की संपत्ति के दस्तावेज बरामद हुए थे। दोनों को राज्य सरकार ने बर्खास्त कर दिया था।

उपलब्धि : रिंग की नई मलिका निकहत जरीन

योगेश कुमार गोयल

भारतीय खिलाड़ी विभिन्न खेल स्पर्धाओं में पिछले कुछ समय से अपने कौशल का अद्भुत प्रदर्शन करते हुए लगातार सफलता के झंडे गाड़ रहे हैं। पिछले दिनों बैडमिंटन का दुनिया का सबसे प्रतिष्ठित टूर्नामेंट 'थॉमस कप' जीतकर भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ियों ने बैडमिंटन के नए युग की शुरूआत का मार्ग प्रशस्त किया था और अब हाल ही में तुर्की के इस्तांबुल में महिला विश्व चैंपियनशिप में भारत की 25 वर्षीया निकहत जरीन ने 52 किलोग्राग वर्ग में स्वर्ण पदक जीतकर एक फिर साबित किया है कि भारतीय खिलाड़ी अब दुनिया में किसी से कम नहीं हैं। निकहत ने फ्लाईवेट फाइनल में थाईलैंड की प्रतिद्वंद्वी जितपोंग जुटामेंस के खिलाफ शानदार लड़ाई लड़ते हुए अपने 'गोल्डन पंच' से मुकाबले में 5-0 के साथ एकतरफा मैच जीता और भारत को बॉक्सिंग में विश्व चैंपियन बना दिया। भारत का विश्व चैंपियनशिप में यह 10वां स्वर्ण पदक है और मैरीकॉम, सरिता देवी, जेनी आरएल तथा लेख केसी के बाद निकहत विश्व चैंपियनशिप जीतने वाली पांचवीं भारतीय महिला बन गई हैं। अब तक सर्वाधिक बार विश्व चैंपियनशिप जीतने का रिकॉर्ड मैरीकॉम के नाम है, जिन्होंने एक नहीं बल्कि कुल छह बार यह चैंपियनशिप जीती है। मैरीकॉम ने 2002, 2005, 2006, 2008, 2010 और 2018 में खिताब जीते थे जबकि सरिता देवी, जेनी आरएल और लेख केसी ने अपने-अपने भारवर्ग में 2006 की विश्व चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीते थे।

2018 में मैरीकॉम द्वारा यह चैंपियनशिप जीतने के चार वर्ष बाद भारत स्वर्ण पदक हासिल करने में सफल हुआ है। चैंपियनशिप में भारत की ओर से 12 सदस्यीय टीम ने हिस्सा लिया था और निकहत मुकाबले के दौरान बेहतरीन फॉर्म में थी, जिन्होंने अपने तकनीकी कौशल का इस्तेमाल करते हुए अपने प्रतिद्वंद्वी को पछाड़ने के लिए कोर्ट को अच्छी तरह से कवर किया। निकहत ने थाई मुक्केबाज की तुलना में कहीं अधिक मुक्के मारे। हालांकि दूसरे दौर से मुकाबले को जितपोंग जुटामेंस ने 3-2 से जीत लिया था लेकिन फाइनल राउंड में निकहत उस पर इतनी बुरी तरह से भारी पड़ी कि उन्होंने मुकाबला 5-0 से जीतकर पूरी दुनिया को अहसास करा दिया कि उनके मुक्कों में कितना दम है। सेमीफाइनल में भी निकहत ने ब्राजील की कैरोलिन डी अल्मेडा के खिलाफ 5-0 से जीत दर्ज की थी। इस चैंपियनशिप से पहले निकहत ने इसी

साल फरवरी में स्ट्रेंडजा मेमोरियल में स्वर्ण पदक जीता था और वह ऐसा करने वाली पहली भारतीय महिला मुक्केबाज बनी थी।

स्मरण रहे कि निकहत जरीन वही भारतीय बॉक्सर हैं, जो कभी मैरीकॉम को अपना आदर्श मानती थी लेकिन अब वह उन्हीं मैरीकॉम की कट्टर प्रतिद्वंद्वी हैं, जिनके खिलाफ वह अपने हक के लिए लड़ाई भी लड़ चुकी हैं। दरअसल बॉक्सिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया (बीएफआई) का नियम था कि महिला और पुरुष दोनों ही वर्गों में स्वर्ण और रजत पदक विजेता खिलाड़ियों को ही ओलम्पिक क्वालीफायर में भेजा जाएगा। इसी नियम के तहत छह बार की विश्व चैंपियन मैरीकॉम को ओलम्पिक में बिना ट्रायल 51 किलोग्राम भार वर्ग में भारत का प्रतिनिधि बनाया गया था। इसी कारण निकहत को ट्रायल में मैरीकॉम के खिलाफ उतरने भी नहीं दिया गया था। विवाद होने पर तत्कालीन समिति के चेयरमैन का कहना था कि निकहत को भविष्य के लिए सेव कर रहे हैं। हालांकि जब निकहत को इसकी जानकारी मिली तो उन्होंने तत्कालीन खेलमंत्री किरण रिजिजू को पत्र लिखकर ट्रायल की मांग कर डाली, जिसके बाद मंत्रालय के दखल पर ट्रायल्स हुए लेकिन उसमें मैरीकॉम ने निकहत पर 9-1 से जीत हासिल की लेकिन दोनों के बीच तल्खी उस समय स्पष्ट देखी गई, जब मैच जीतने के बाद मैरीकॉम ने निकहत से हाथ भी नहीं मिलाया। 14 जून 1996 को तेलंगाना के निजामाबाद शहर में जन्मी निकहत जरीन का खेलों की शुरूआत से दुनिया के शीर्ष तक पहुंचने का सफर एक आम लड़की की भांति चुनौतियों और बाधाओं से भरा रहा। उन्होंने कम उम्र में ही एथलेटिक्स से अपनी प्रैक्टिस शुरू की थी लेकिन अचानक रूझान मुक्केबाजी की ओर हो गया। 13 साल की उम्र में अपने बॉक्सिंग कोच चाचा शमशामुद्दीन के मार्गदर्शन में निकहत ने बॉक्सिंग सीखना शुरू कर दिया। हालांकि निकहत की मां प्रवीण सुल्ताना बेटी की बॉक्सिंग में बढ़ती दिलचस्पी से खुश नहीं थी लेकिन पूर्व फुटबॉलर और क्रिकेटर रहे पिता मुहम्मद जमील अहमद उसे बॉक्सिंग के लिए प्रोत्साहित करते थे। मुस्लिम समाज से होने के कारण रिंग में छोटे कपड़े पहनकर उतरने के कारण उन्हें कुछ लोगों द्वारा अपमानित करने के प्रयास होते रहे और परिवारवालों को भी अक्सर ताने सुनते पड़ते थे लेकिन परिजनों ने इसकी परवाह किए बिना निकहत के अभ्यास और कौशल को निखारने पर ही ध्यान केन्द्रित रखा। पिता के प्रोत्साहन तथा चाचा की ट्रेनिंग के ही चलते निकहत ने धीरे-धीरे सफलता की सीढ़ियां चढ़ना शुरू किया और 2011 में टर्की में केवल 14 साल की उम्र में वूमेंस जूनियर एंड यूथ वर्ल्ड बॉक्सिंग चैंपियनशिप में तुर्की की बॉक्सर उल्कु डेमिर को हराकर स्वर्ण पदक जीता। निकहत ने 2014 में बुल्गारिया में यूथ वर्ल्ड बॉक्सिंग चैंपियनशिप में रजत पदक और उसी साल रूस में हुए नेशंस कप अंतर्राष्ट्रीय बॉक्सिंग टूर्नामेंट में पाल्टसिवा इकेटेरिना को हराकर स्वर्ण पदक जीता। 2015 में असम में 16वीं सीनियर वुमेन नेशनल बॉक्सिंग चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक, 2019 में बैंकाक में थाईलैंड ओपन अंतर्राष्ट्रीय बॉक्सिंग टूर्नामेंट में रजत पदक, उसी वर्ष बुल्गारिया में स्ट्रेंडजा मेमोरियल बॉक्सिंग टूर्नामेंट में स्वर्ण पदक और 2022 में बुल्गारिया में हुए स्ट्रेंडजा मेमोरियल बॉक्सिंग टूर्नामेंट में बुस नाज केकीरोग्लु को हराकर स्वर्ण पदक जीतने के बाद अब वूमेंस वर्ल्ड चैंपियनशिप में निकहत जरीन के 'गोल्डन पंच' भारत के लिए खास हैं। स्ट्रेंडजा मेमोरियल टूर्नामेंट में दो बार स्वर्ण जीतने वाली निकहत पहली भारतीय मुक्केबाज हैं। विश्व चैंपियनशिप जीतने के बाद रिंग की मलिका निकहत की नजरें अब 2024 के पेरिस ओलम्पिक में स्वर्ण पदक पर केन्द्रित हैं। हालांकि माना जा रहा है कि ओलम्पिक के लिए ट्रायल में निकहत का मुकाबला मैरीकॉम से हो सकता है लेकिन निकहत का कहना है कि ओलम्पिक में स्वर्ण पदक जीतना अब उसका सपना है और उसके रास्ते में जो भी बाधाएं आएंगी, उन्हें वह पार करेंगी। बहरहाल, निकहत की यह जीत खेलों की दुनिया में आने को बेताब हजारों लड़कियों के लिए प्रेरणास्रोत बन सकती है।

धीरज रखना सीखें!

आजकल के समय में, सभी के अंदर धैर्य की बहुत कमी है, बहुत सी बार कर्मचारियों से गलती हो जाती है, पर उसे समझाने की जगह मालिक उस पर चिल्लाने लगता है, उसे डांटने लगता है! अब जब भी वह गलती करेगा उसे आपकी डांट याद आएगी, अगर यही बात हमने उन्हें समझदारी से समझाही होती तो जब भी वह यह गलती करता तो जानता की इसके पीछे क्या नुकसान है! बचपन में भी बहुत से बच्चों को इस चीज से गुजरना होता है, कभी-कभी माता पिता और टीचर्स मैं धैर्य की कमी से उन्हें डांट पड़ती है यहां तक की मार भी पड़ती है!

अब वह छोटा सा बच्चा जब जब वह गलती करेगा तो उसे उनकी डॉट और मार ही याद आएगी! कितना अच्छा होता अगर उसके बड़े उसे प्यार से समझा दे और क्या सही है, क्या गलत है, सब में फर्क बताते, पर नहीं कभी-कभी बड़ों को यह लगता है, की शॉर्टकट रास्ता अपना लिया जाए, इस डांट फटकार से उस बच्चे पर क्या असर पड़ता है, उसका उन्हें अंदाजा भी नहीं, अब बड़े होते होते जब जब कोई और भी वह गलती करेगा तो वह बच्चा यही समझेगा की डांट ना और फटकारना इसका उपाय है क्योंकि उसने भी यही देखा, समझा, और सींखा! यहां तक की जब बड़ा हो जाएगा और कोई गलती करेगा तो खुद को सजा देगा इसीलिए आजकल बहुत से लोग कभी खुद को मारते हैं, चिल्लाते हैं, यहां तक की आत्महत्या तक कर लेते हैं क्योंकि उन्हें लगता है वह सजा के पात्र हैं! अगर हम इंसान है तो हमें हर बात में इंसानियत रखनी चाहिए! हम अपने बच्चों पर किसी तरह का दबाव तो नहीं डाल रहे हैं!

क्या हम उन्हें छोटी-छोटी बात पर हाथ तो नहीं उठा रहे हे! क्या सबके सामने उनके बेज्जती तो नहीं कर रहे हो!

माता पिता और टीचरस भगवान का रूप माने जाते हैं पर यह भी इंसानी व्यवहार नहीं है की हम अपनों से छोटौ पर यहां तक कि किसी पर भी हाथ उठाए और क्रोध करें या मजाक उड़ाए!

किसी की गरिमा को ठेस पहुंचाना, चाहे वह छोटा सा बच्चा ही क्यों ना हो, सरासर गलत है! यहां तक की गिड़गिड़ा कर, रो कर अपनी बात को मनवा ना भी अधीरता है!

अक्सर एक वाक्य पूछा जाता है की अकल बड़ी या भैंस बड़ी? क्योंकि अगर इंसान दिमाग से और शांति से कोई बड़ी से बड़ी लड़ाई लड़े तो वह लड़ाई बहुत आसानी से लड़ सकता है, अपने दिमाग के बल पर ना कि हाथ पैरों से, और यही तो फर्क है इंसान और जानवर में!

जानवर अपने बच्चों को बोलकर और समझदारी से अपनी बातों को समझा नहीं सकते हैं पर इंसान कर सकता है! क्यों ना हमको ऊपर वाले ने माता पिता, टीचर, मालिक बनाया हो पर इन सभी रिश्तो को हम प्यार, अच्छे व्यवहार, शिष्टाचार, और धैर्य के साथ निभा सकते हैं!

छोटी सी जिंदगी है, तो क्यों ना हम सभी से प्यार से, खुशी से, शिष्टाचार से, धैर्य से, सम्मान से, सत्कार से, अच्छाई से, समझदारी से पेश आए और सोचे, समझे कि अगर हम उनकी जगह होते तो कैसा व्यवहार चाहते, ठीक वैसा ही व्यवहार हमें किसी की गलती पर करना चाहिए! विशेष रुप से छोटे बच्चे, अच्छे व्यक्ति के साथ!

हां अगर कोई अपराध करे तो, कानूनी कार्यवाही उन अपराधियों के खिलाफ की जाए पर हमें खुद को जीवन में शांति चाहिए, प्रसन्न मन चाहिए तो हमें खुद को और दूसरों को हर बात समझदारी और धैर्य से समझानि होगी!

पहले तो हम अपने आप को यह बात समझाएं की हर एक चीज का समाधान हो सकता है! किसी पर भी अपने या अपनों से बड़ों के फैसले को दूसरों पर ना थोपे!

बहुत से माता पिता अपने बच्चों की शादी जल्दबाजी मैं करा देते हैं क्योंकि उनके दादा दादी या नाना नानी की यह आखिरी इच्छा होती है, पर उन बच्चों के भविष्य का क्या? तो आप उन्हें प्यार और स्नेह देते हुए समझाएं!

बहुत से बच्चे शादी होते ही कुछ महीनों में अपने मां-बाप से अलग हो जाते हैं, क्योंकि उन्हें लगता है कि वह कभी नहीं समझेंगे की उनकी बहू बेटे उनसे क्या चाहते हैं! पर वो यह भूल जाते हैं की जब से वह मां-बाप बने है, तो उनकी चाहत के लिए ही तो जी रहे हैं, क्यों ना हम भी उन्हें ठीक वैसे ही समझाएं जैसे वह हमें बचपन में समझाते थे, जब उन्होंने हमें बचपन में नहीं छोड़ा तो हम उनको उनके बुढ़ापे में अलग क्यों कर दे!

धैर्य से काम ले, हर बात पर जल्दबाजी, दुर्व्यवहार करना, अपशब्द का उपयोग करना बंद करें! अगर किसी की गलती करने पर आप उस पर चिल्लाते हैं और अपशब्द बोलते हैं तो वह तो गुनाहगार है पर आप मानसिक रूप से बीमार है! खुद को पहचाने कि हम उस शक्ति से बने हैं, हम मैं बहुत सारा, धैर्य, स्नेह, शिष्टाचार और इंसानियत है!

बांसुरी के बोल

एक दिन राधा और उसकी प्रिय सखियां ललिता, विशाखा, चंपक लता, चित्रा, सुदेवी, तुंगविद्या, इंदुलेखा और सुंदरी की कृष्ण की बांसुरी के साथ मुलाकात हो गई। सभी एक साथ बांसुरी की कटु आलोचना करते हुए बोली- तुम्हारे कारण हमने ब्रज छोड़ने का निर्णय लिया है।

बांसुरी- लेकिन मुझसे ऐसा कौन सा अपराध हो गया?

ललिता- हमने तो कृष्ण से अनहद प्यार किया, फ़िर भी कृष्ण का निरंतर सानिध्य सिर्फ़ तुम्हें प्राप्त हुआ।

विशाखा- तुमने पिछले जन्म में ऐसा कौन-सा पुण्य कार्य किया था, जिसके फलस्वरूप कृष्ण की गुलाब की पंखुड़ी जैसे होठों पर तुम्हें स्थान प्राप्त हुआ?

बांसुरी- पिछले जन्म के बारे में मैं क्या जानू?

चंपक लता- जब कृष्ण तुम्हें बजाते हैं तब तुम अपने इशारों पर उन्हें नचाती हो। वे तुम्हें अपने हाथों की सेज पर सुलाते हैं और होठों का तकिया लगाते हैं।

चित्रा- जब उनकी उंगलियां चलती हैं तो लगता है वे तुम्हारे पैर दबा रहे हैं।

सुदेवी-जब मंद समीर बहता है तब कृष्ण के घुंघराले केश हिलते हैं और ऐसा लगता है वे तुम्हें पंखा लगा रहे हैं।

तुंगविद्या- बांसुरी, तुम्हारे कारण ही अनहद प्यार करने के बावजूद कृष्ण हमारे नहीं हो पाए।

इंदुलेखा-ऐसा लगता है कि तुम हमारी सौतन बन गई हो।

सुंदरी- नहीं, नहीं, अब हमें ब्रज में कदापि नहीं रहना।

राधा- यह मत भूलो कि कृष्ण के नाम के आगे मेरा नाम जुड़ा हुआ है।

बांसुरी- कृष्ण के आगे मेरा नाम भी जुड़ा हुआ है।वेणुगोपाल, बंसीधर, मुरलीधर इत्यादि।

राधा- मैंने कृष्ण से सबसे अधिक प्यार किया, फ़िर भी होठों पर स्थान तुम्हें?

बांसुरी मुस्कुरा कर बोली- कृष्ण के समीप आने के लिए मैंने जन्मोजन्म तक इंतजार किया है।

राधा- फ़िर भी समझ में नहीं आ रहा कि तुम्हें इतना निकट स्थान क्यों?

बांसुरी- कृष्ण का सानिध्य प्राप्त करने के लिए सबसे पहले मैंने अपने शरीर को कटवाया। अर्थात् काट- काटकर अलग कर दी गई। फ़िर मैंने अपना मन कटवाया। अर्थात् बीच में से खोखली कर दी गई। अंत में मैंने अपना अंग-अंग छिंदवाया। उसके बाद भी मैं वैसे ही बजी जैसे कृष्ण ने मुझे बजाना चाहा। मैं अपनी मर्जी से कभी नहीं बजी। यही अंतर है आप में और मुझ में।

बांसुरी के बोल को सुनकर राधा और अन्य सारी गोपियां निशब्द हो गई।

मानवता के लिए योग

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस आठवें संस्करण 21 जून 2022 को यादगार बनाने तैयारियों का जबरदस्त आगाज़

75 राष्ट्रीय स्तर के प्रतिष्ठित स्थानों और सव दिन सव शहर सव संगठन को शामिल कर 25 वें दिन की उल्टी गिनती मनाना सराहनीय - एड किशन भावनानी

गोंदिया - स्वास्थ्य ही धन है, स्वस्थ माहौल स्वस्थ लोगों को बनाता है, अगर हिट रहना है तो फिट रहना होगा, योग से करो खुद को निरोग, जब रखोगे शरीर का ध्यान तभी कर सकोगे सारे काम, देश में नागरिक स्वास्थ्य हैं तो देश स्वास्थ्य इत्यादि अनेक वाक्यांश या कहावतें हमने अपने पूर्वजों, बड़े बुजुर्गों, बुद्धिजीवियों से सुने होंगे परंतु इन विचारों पर चलकर अपना शरीर स्वस्थ रखकर मंजिल को पाना अपेक्षाकृत कम लोग करते हैं!!

इसलिए मानवीय जीव को स्वस्थ रखने अंतरराष्ट्रीय स्तरपर सामायिक संगठनों, विभिन्न मंचों, देशों द्वारा स्वस्थ रहने के लिए अनेक दिवस और कार्यक्रम मनाए जातेहैं ताकि मानव अपने शारीरिक देखभाल और स्वास्थ्य के प्रति सजग होकर सतर्कता से अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखें इसी कड़ी में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस हर वर्ष 21 जून को मनाया जाता है।जैसा कि हम जानते हैं कि योग एक ऐसा अभ्यास है जो भीतर से आनंद, स्वास्थ्य और शांति लाता है और यह व्यक्ति की आंतरिक चेतना तथा बाहरी दुनिया के बीच निरंतर संबंध की भावना को गहराई प्रदान करता है। साथियों बात अगर हमअंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के इतिहास की करें तो यह विशेष उल्लेखनीय है कि, यह जो 21 जून को सम्पूर्ण विश्व में मनाया जाता है और पहली बार यह 2015 में 21 जून को मनाया गया था, इसकी पहल भारत के वर्तमान पीएम ने 27 सितम्बर 2014 को संयुक्त राष्ट्र महासभा में अपने भाषण से की थी और इसी वजह से 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस घोषित किया गया!! संयुक्त राष्ट्र में 193 सदस्यों द्वारा 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस को मनाने के प्रस्ताव को 11 दिसम्बर 2014 को मंजूरी मिली थी।संयुक्त राष्ट्र महासभा के अध्यक्ष सैम के कुटेसा ने 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाने की घोषणा की और 170 से अधिक देशों ने इस योग दिवस के प्रस्ताव का समर्थन किया था, जिससे यह सामने आया कि लोग भी जानते हैं, की योग के कई लाभ है जिनमें से कुछ दृश्य और कुछ अदृश्य होते है।

संयुक्त राष्ट्र महासभा में पीएम ने कहा था, योग भारत की प्राचीन परंपरा का एक अमूल्य उपहार है, यह मन और शरीर की एकता का प्रतीक है। विचार और कार्य, संयम और पूर्ति, मनुष्य और प्रकृति के बीच सामंजस्य, स्वास्थ्य और कल्याण के लिए समग्र दृष्टिकोण पैदा करता है। यह अभ्यास के बारे में नहीं है बल्कि अपने आप, दुनिया और प्रकृति के साथ एकता की भावना को खोजने के लिए है। हमारी जीवनशैली बदलकर और चेतना पैदा करके, यह जलवायु परिवर्तन से निपटने में हमारी मदद कर सकता है। आइये हम अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस को अपनाने की दिशा में काम करें।

साथियों बात अगर हम इस वर्ष 2022 में 8 वें संस्करण को 21 जून 2022 को मनाने की करें तो इसको यादगार बनाने के लिए तैयारियों का जबरदस्त आगाज़ शुरू है। पीआईबी के अनुसार मोरारजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान के सहयोग से आयुष मंत्रालय द्वारा अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस (आईडीवाई 2022) के 8 वें संस्करण को कई कार्यक्रमों के माध्यम से बढ़ावा दिया जा रहा है। 13 मार्च 2022 को 100 दिनों की उलटी गिनती को चिह्नित करने के लिए एक पूर्वावलोकन कार्यक्रम मनाया गया।

दुनिया भर में 13 मार्च से 21 जून, 2022 तक 100 दिन, 100 शहर और 100 संगठन को शामिल करने वाले इस अभियान को शुरू किया गया। नई दिल्ली के लाल किले में 75वें दिन उलटी गिनती का कार्यक्रम आयोजित किया गया। 50 वें दिन की उलटी गिनती असम के शिवसागर में मनाई गई और 25वें दिन की उलटी गिनती तेलंगाना के हैदराबाद में मनाई गई।

साथियों बात अगर हम पीएम द्वारा दिनांक 29 मई 2022 को मन की बात में योग दिवस उत्साह के साथ मनाने के लिए किए गए आग्रह की करें तो पीआईबी के अनुसार उन्होंने कहा, मेरे प्यारे देशवासियो, अगले महीने 21 जून को, हम 8 वाँ अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाने वाले हैं। इस बार योग दिवस की थीम है -मानवता के लिए योग, मैं आप सभी से योग दिवस को बहुत ही उत्साह के साथ मनाने का आग्रह करूँगा। हाँ! कोरोना से जुड़ी सावधानियां भी बरतें, वैसे अब तो पूरी दुनिया में कोरोना को लेकर हालात पहले से कुछ बेहतर लग रहे हैं, अधिक-से-अधिक वैक्सीनेशन कवरेज की वजह से अब लोग पहले से कहीं ज्यादा बाहर भी निकल रहे हैं,इसलिए, पूरी दुनिया में योग दिवस को लेकर काफी तैयारियाँ भी देखने को मिल रही हैं द्व कोरोना महामारी ने हम सभी को यह एहसास भी कराया है, कि हमारे जीवन में, स्वास्थ्य का, कितना अधिक महत्व है, और योग, इसमें कितना बड़ा माध्यम है, लोग यह महसूस कर रहे हैं कि योग से शारीरिक आध्यात्मिक और कुछल बौद्धिक कल्याण को भी कितना बढ़ावा मिलता है। विश्व के शीर्ष व्यापार व्यक्तित्व से लेकर सिनेमा और खेलों के व्यक्तित्वों तक, छात्रों छात्राओं से लेकर सामान्य मानवी तक, सभी, योग को अपने जीवन का अभिन्न अंग बना रहे हैं। मुझे पूरा विश्वास है, कि दुनिया भर में योग की बढ़ती लोकप्रियता को देखकर आप सभी को बहुत अच्छा लगता होगा। साथियो, इस बार देश-विदेश में योग दिवस पर होने वाले कुछ बेहद इनोवेटिव उदाहरणों के बारे में मुझे जानकारी मिली है, कई चीज़ें पहली बार देखने को मिलेंगी, उनमें से गार्जियन रिंग नामक एक अभिनव कार्यक्रम है, जो सूर्य की गति को प्रदर्शित करेगा, योग करने वाले लोगों की भागीदारी विभिन्न देशों में, पूर्व से शुरू होकर पश्चिम की ओर बढ़ते हुए सूर्य की गति के साथ होगी।

खुदा तू भी नहीं, मैं भी नहीं

गलतियों से जुदा तू भी नहीं
और मैं भी नहीं,
दोनों इंसान हैं खुदा तू भी
नहीं, मैं भी नहीं।

गलतफहमियों ने कर दी
दोनों में पैदा दूरियां,
वरना फितरत का बुरा तू भी
नहीं मैं भी नहीं।

अपने अपने रास्तों पे दोनो का
सफ़र जारी रहा,
एक लम्हें को रुका तु भी नहीं
मैं भी नहीं ।

चाहते बहुत थे दोनों एक दूसरे
को
मगर ये हक़ीक़त मानता तु
भी नहीं मैं भी नहीं।

गलतियों से जुदा तू भी नहीं
और मैं भी नहीं,
दोनों इंसान हैं खुदा तू भी
नहीं, मैं भी नहीं।

नई दिल्ली
बुधवार 01 जून 2022
Www.gauravshalibharat.com

शार्ट न्यूज

6 जून को यूपी विधानसभा की संयुक्त बैठक को राष्ट्रपति कोविंद करेंगे संबोधित

लखनऊ। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद आगामी 6 जून को उत्तर प्रदेश विधान मंडल के दोनों सदनों की संयुक्त बैठक को संबोधित करेंगे। विधान सभा सचिवालय की ओर से मंगलवार को यह जानकारी दी गई। विधान सभा अध्यक्ष, सतीश महाना ने इस महत्वपूर्ण बैठक के सुचारु संचालन के लिये दोनों सदनों में सभी दलों के नेताओं से सक्रिय सहयोग की अपील की है। इस सिलसिले में विधान भवन में आयोजित सर्वदलीय बैठक में नेता सदन मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को विधान परिषद के सभापति कुंवर मानवेंद्र सिंह सहित सभी दलों के नेताओं ने राष्ट्रपति के आगमन पर दोनों सदनों की विशेष वैठक को सफल बनाने में पूरा सहयोग देने का आश्वासन दिया। बैठक में सीएम योगी ने कहा कि 6 जून की तिथि ऐतिहासिक होगी जब आजादी के अमृत महोत्सव वर्ष में यूपी विधान मंडल की संयुक्त बैठक को राष्ट्रपति संबोधित करेंगे। उन्होंने कहा कि 23 मई से चल रहा विधान सभा का बजट सत्र नजीर बन रहा है। उन्होंने सदन की कार्यवाही के सफल संचालन में सभी दलों के सकारात्मक सहयोग के लिए आभार जताया। बैठक में समाजवादी पार्टी के मनोज कुमार पांडेय, अपना दल (सोनेलाल) के नेता राम निवास वर्मा, सुभासपा के ओम प्रकाश राजभर, जनसत्ता दल लोकतांत्रिक के रघुराज प्रतााप सिंह राजा भइया बहुजन समाज पार्टी के नेता, उमाशंकर सिंह सहित अन्य दलों के नेता मौजूद थे। बैठक में संसदीय कार्यमंत्री सुरेश खन्ना ने सभी दलों के नेताओं से संयुक्त बैठक में शान्तिपूर्ण सहयोग करने की अपील की।

हमीरपुर में कलक्ट्रेट कर्मचारी के बेटे का अपहरण, फिरौती मांगी; गला काटने की कोशिश

हमीरपुर। यूपी के हमीरपुर में कलेक्ट्रेट कर्मचारी के पांच साल के बेटे का सोमवार को दिनदहाड़े घर से अपहरण कर लिया गया। पुलिस ने साढ़े तीन घंटे में ही बच्चे को बांदा के जसपुरा इलाके से घायलावस्था में बरामद कर लिया। अपहरणकर्ताओं ने बालक का गला रेतने की कोशिश की थी। विवेक नगर निवासी प्रभात तिवारी कलक्ट्रेट में प्रधान सहायक पद पर तैनात हैं। दिन में किसी के आवाज देने पर पांच साल का पुत्र वैभव दरवाजा खोलने गया था और इसके बाद गायब हो गया। प्रभात की पत्नी गीता ही घर पर थीं। बच्चे के गायब होने की सूचना मिलते ही कोतवाल दुर्गविजय सिंह के बाद सीओ सदर आरपी सिंह, एएसपी अनूप कुमार मौके पर पहुंचे। नवागंतुक एसपी शुभम पटेल ने भी मुआयना किया। छानबीन के दौरान श्री विद्या मंदिर इण्टर कॉलेज मार्ग पर लगे सीसीटीवी में बाइक से भाग रहे दो लोगों के बीच वैभव दबा बैठा दिखा। एसपी ने खोजबीन को कई टीम लगा दीं। पुलिस सूचना के आधार जसपुरा तक पहुंच गई, जहां तीन घंटे में वैभव को घायलावस्था में बरामद किया। अपहरणकर्ताओं ने गला रेतने की कोशिश की थी। हालांकि कोई बदमाश हत्थे नहीं चढ़ा।

सीएम आवास पर आत्मदाह की कोशिश के मामले में उन्नाव के सपा महासचिव समेत तीन को पुलिस ने भेजा जेल

उन्नाव। सपा जिला महासचिव पर गंगाघाट के रहने वाली एक महिला ने भूमि पर कब्जा करने का आरोप लगाकर बीते दिन सीएम के यहां आत्मदाह का प्रयास किया था। लखनऊ में आत्मदाह की जानकारी होते ही उन्नाव पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया था। बीते दिन देर शाम राजस्व की टीम ने मौके पर जाकर नाप जोख करवाई। मामला हल नहीं हो सका। तब गंगाघाट पुलिस ने देर रात सपा नेता समेत चार नामजद लोगों पर हरिजन एक्ट समेत अन्य गंभीर धाराओं में केस दर्ज किया। मंगलवार सपा नेता समेत तीनों को गंगाघाट पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। गंगाघाट कोतवाली क्षेत्र मनोहरपुर गांव की रहने वाली मूर्ति देवी पत्नी भागीरथ में सोमवार को लखनऊ में सीएम कार्यालय के बाहर तेल छिड़ककर आग लगाने का प्रयास किया था। मौके पर मौजूद सुरक्षा कर्मियों ने बचा लिया। पूछताछ में जानकारी हुई की मूर्ति देवी की गंगाघाट कोतवाली क्षेत्र के हरिहरपुर गांव में एक बीघा भूमि है। जिस पर दबंगों माफिया सुरेश पाल पुत्र बाबूलाल, जितेंद्र निषाद पुत्र प्यारे निषाद, बबलू पुत्र संतू, पप्पू यादव जबरन कब्जे कर रखे हैं। इसको लेकर कई बार उन्नाव के राजस्व विभाग को प्रार्थना पत्र दिया। लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई। लखनऊ में आत्मदाह की सूचना मिलते ही उन्नाव के पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। राजस्व की टीम में हरिहरपुर गांव पहुंचकर भूमि की पैमाइश की और देर रात गंगाघाट कोतवाली में सपा के महासचिव सुरेश पाल समेत चारों लोगों पर आईपीसी 147, 148, 448, 452, 323, 504, 506, स्ट्/स्ज्ञ एक्ट में केस दर्ज किया गया। मंगलवार सुबह गंगाघाट कोतवाली पुलिस ने शातिर अपराधी सपा नेता सुरेश पाल समेत तीन लोगों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया। जहां कोर्ट के आदेश पर उन्हें 14 दिन की न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है।

गोंडा : बीजेपी महिला सभासद के घर पथराव, सीसीटीवी में कैद 5 लोग गिरफ्तार

गोंडा। दबंगों ने भाजपा की सभासद के घर पर जमकर पथराव किया। महिला सभासद व उनके पति ने भागकर जान बचाई। सूचना पर पहुंची नगर पुलिस ने पांच युवकों को पकड़ा है। उनसे पूछताछ कर पुलिस मामले की जांच कर रही है। दूसरी ओर घर पर हुई पत्थरबाजी की पूरी घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। मोहल्ला पटेल नगर पश्चिमी वार्ड की महिला सभासद वंदना गुप्ता के घर पर सोमवार देर रात दबंगों ने पत्थरों से हमला कर दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने पांच आरोपियों को पकड़ लिया है। पूरी घटना सीसीटीवी में कैद हो गई हे। जिसे पुलिस को उपलब्ध कराया गया है। सभासद वंदना गुप्ता कई भाजपा नेताओं के साथ एसपी से मिलीं और आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराने की मांग की। सभासद ने इस मामले की तहरीर नगर कोतवाली में दे दी है। पुलिस तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज करने की तैयारी कर रही है। एसपी संतोष कुमार मिश्रा ने बताया कि सभासद वंदना गुप्ता द्वारा एक बजे रात को सूचना दी गई की कुछ लोगो् द्वारा घर पर पत्थर फेंका जा रहा है। पुलिस ने मौके पर पहुंच कर पांच लोगों को गिरफ्तार किया है। इन सब पर मुकदमा लिख कर जेल भेजा जा रहा है पूछताछ में पता चला कि युवकों ने शराब पी रखी थी।

ललितपुर : गैंगस्टर एक्ट में आरोपी सपा के पूर्व जिलाध्यक्ष तिलक यादव गिरफ्तार

ललितपुर। उत्तर प्रदेश के ललितपुर में गैंगस्टर एक्ट के तहत आरोपी बनाये गये समाजवादी पार्टी (सपा) के पूर्व जिलाध्यक्ष तिलक यादव को पुलिस ने मंगलवार को गिरफ्तार कर लिया। दो दिन पहले तिलक यादव सहित 22 लोगों पर गैंगस्टर एक्ट के तहत कार्रवाई की गई थी। इन्हें पुलिस लाइन के पास से गिरफ्तार करके न्यायालय में पेश किया गया। न्यायाधीश ने उन्हें 14 दिन की न्यायिक हिरासत में जेल भेजने का आदेश दिया। गौरतलब है कि यादव के खिलाफ बलात्कार, हत्या, मारपीट जैसे 40 से अधिक मामले दर्ज हैं। कोतवाली पुलिस ने तिलक यादव सहित 22 लोगों के विरुद्ध गैंगस्टर एक्ट के तहत कार्रवाई की थी।

यूपी की रोडवेज बसों में यात्री कर सकेंगे कैसलेस सफर, डेबिट-क्रेडिट कार्ड से भी भुगतान

लखनऊ। यूपी रोडवेज बसों से सफर करने वाले यात्रियों के लिए राहत भरी खबर है। परिवहन निगम प्रशासन जल्द ही रोडवेज बसों में कैसलेस सफर करने की सुविधा यात्रियों को देने जा रहा है। जिसके तहत यात्री अपने डेबिट-क्रेडिट कार्ड से बस के किराये का भुगतान कर सकेंगे। इस व्यवस्था से बस कंडक्टर से किराये को लेकर नगद लेनदेन करने और फुटकर किराये का झंझट खत्म हो जाएगा। परिवहन निगम प्रशासन हाईटेक ईटीएम मशीन लेकर आया है। इस मशीन को प्रयोग के तौर पर लखनऊ और गाजियाबाद डिपो की बसों में इस्तेमाल होगा। प्रयोग सफल होने पर प्रदेश के सभी डिपो पर इस व्यवस्था को लागू किया जाएगा। बता दें कि परिवहन निगम एक जून को अपना स्थापना दिवस मनाने जा रहा है।

बलिया में पिता-पुत्र की निर्मम हत्या

अलग-अलग जगहों पर मिले दोनों के शव

एजेंसी

बलिया। बलिया जिले हल्दी क्षेत्र में मंगलवार सुबह पिता-पुत्र की हत्या से सनसनी फैल गई। पुत्र का शव गांव से दूर कुएं में मिला जबकि पिता का शव घर के अंदर खून से लथपथ पड़ा था। सूचना मिलते ही पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंच गए और मामले की जांच शुरू कर दी।

मंगलवार की सुबह गांव के एक कुएं से 26 वर्षित विक्रम सिंह का खून से लतपथ शव मिला। पुलिस ने शव को बाहर निकाला। कुएं के बाहर खून के निशान मिले। इस संबंध से छानबीन करने पुलिस जब मृत युवक के घर पहुंची तो वहां उसके पिता उमाशंकर सिंह (70) का भी खून से लतपथ शव देखकर हतप्रभ रह गई। गांव में एक साथ बाप-बेटे का शव मिलने से हड़कंप मच गया। माना जा रहा है कि किसी ने दोनों की हत्या की है।

गांव वालों के अनुसार उत्तर टोला स्थित घर में उमाशंकर सिंह अपने दो बेटों विक्रम सिंह (26) व संदीप सिंह (24) के साथ रहते थे। दोनों अविवाहित हैं, जबकि उमाशंकर की पत्नी का भी निधन हो चुका है। घटना के बाद से छोटे बेटे संदीप का पता नहीं चल सका है और उसका मोबाइल भी बंद है।

ग्रामीणों की मानें तो उमाशंकर का एक और बेटा दिलीप विक्रम व संदीप से भी बड़ा है। वह 12-13 वर्ष पहले घर छोड़कर चला गया था। बताया जाता है कि 2-3 दिन पहले वह भी घर आया था। उस समय बाप-बेटों के बीच विवाद हुआ था। उसके बाद वह चला गया था। घटना की सूचना मिलते ही एएसपी, सीओ, थानाध्यक्ष आदि मौके पर पहुंच गए। पुलिस सभी बिंदुओं पर जांच कर रही है।

बुलंदशहर : पहले प्रयास में आईएएस परीक्षा पास कर रौशन किया घर और शहर का नाम

बुलंदशहर। उत्तर प्रदेश में बुलंदशहर के उत्तम भारद्वाज ने अपने पहले ही प्रयास में भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) की संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) द्वारा आयोजित परीक्षा में 121 वी रैंक हासिल कर अपने परिवार और जिले का नाम रोशन किया है। बुलंदशहर के देवीपुरा निवासी उत्तम भारद्वाज के पिता विद्युत विभाग में अधिशासी अभियंता के पद पर मुरादाबाद में तैनात हैं। उत्तम भारद्वाज ने दसवीं की परीक्षा स्थानीय निर्मला कान्वेंट स्कूल से पास की। उसके बाद वे अपने पिता के साथ आगरा चले गए। उत्तम के मुताबिक उनका सपना सेना में अफसर बनने का था, लेकिन भाग्य ने उनका साथ नहीं दिया। वर्तमान में उत्तम दिल्ली में विदेश मंत्रालय में असिस्टेंट सेक्शन अफसर के पद पर सेवारत हैं। उन्होंने यूनीवार्ता को बताया कि एनडीए की परीक्षा में दो बार असफल होने पर उनको निराशा हुई, लेकिन माता-पिता ने हौसला अफजाई की और कुछ अलग हटकर करने के लिए प्रेरित किया। इसके बाद वे यूपीएससी की तैयारी में जुट गए और अपने प्रथम प्रयास में ही उनको सफलता मिल गई। सोमवार को घोषित परीक्षा परिणाम में उनको 121 वी रैंक मिली है उनकी सफलता से उनके परिजन खुश हैं। उत्तम भारद्वाज ने अपनी सफलता का श्रेय पिता नवीन कुमार शर्मा, माता सुधा शर्मा को दिया है। उनका कहना है कि यदि एनडीए परीक्षा में मिली असफलता के बाद पिताजी हौसला नहीं बढ़ाते तो वह कभी भी यूपीएससी की परीक्षा में उत्तीर्ण नहीं हो पाते। उनका कहना है कि लगातार पढ़ाई ही सफलता का एकमात्र मापदंड हैं।

ज्ञानवापी वीडियो लीक की जांच की याचिका स्वीकार, लिफाफे लेने से कोर्ट का इनकार

वाराणसी। ज्ञानवापी सर्वे का वीडियो लीक करने के मामले की जांच से संबंधित प्रार्थना पत्र अदालत ने स्वीकार कर लिया है। वादी पक्ष की ओर से वीडियो लीक की जांच की मांग करते हुए प्रार्थना पत्र दिया गया है। वहीं, बंद लिफाफे में मिली सर्वे रिपोर्ट और वीडियो अदालत में सौंपने के लिए भी याचिका दी गई लेकिन अस्वीकार कर दी गई है। दोनों मामले पर अगली सुनवाई 4 जुलाई को होगी। सोमवार की शाम अदालत ने शपथ पत्र के साथ हिन्दू पत्र की चार वादी महिलाओं को सील बंद लिफाफे में रिपोर्ट और सर्वे का वीडियो दिया था। लिफाफा सौंपने के कुछ देर बाद ही वीडियो वायरल हो गया और कई चैनलों पर चलने गया। इससे आहत हिन्दू पक्ष की महिलाओं ने सील बंद लिफाफ अदालत में सौंपने और पूरे मामले की सीबीआई जांच की मांग करते हुए प्रार्थना पत्र अदालत में दिया। वादी राखी सिंह के अधिवक्ता शिवम गौर की तरफ से जिला जज की अदालत में प्रार्थना पत्र दिया गया। अदालत ने जांच की मांग वाले प्रार्थना पत्र को स्वीकार करते हुए 4 जुलाई को सुनवाई की तिथि तय कर दी है। वहीं, वीडियो लीक होने के कारण लिफाफा वापस अदालत में सौंपने की मांग अदालत ने स्वीकार नहीं की है। हिन्दू पक्ष के वकील सुभाष नंदन चतुर्वेदी ने कहा कि आज कोर्ट ने सीडी वापस नहीं लिया है। उन्होंने कहा कि 4 जुलाई को सुनवाई के बाद हम निर्णय लेंगे कि सीडी को वापस लेना है या नहीं। तब तक सीडी को सील बंद लिफाफे के साथ हमें अपने पास रखना है। हम इसे 4 जुलाई को वापस करेंगे।

ज्ञानवापी मामले में एक और याचिका, पक्षकार बनाने और पूजा का अधिकार देने की मांग, दो दिन में छह प्रार्थनापत्र दाखिल

वाराणसी। ज्ञानवापी मस्जिद श्रृंगार गौरी मामले में पक्षकार बनने के लिए एक और याचिका दायर की गई है। निखिल उपाध्याय और रुद्रविक्रम विक्रम सिंह की ओर से सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता और भाजपा नेता अश्वनी उपाध्याय ने जिला जज की अदालत में प्रार्थनापत्र दिया है। अदालत ने मामले की सुनवाई के लिए चार जुलाई की तारीख तय कर दी है। उसी दिन अन्य मामलों की सुनवाई की भी तारीख है। ताजमहल प्रकरण में भी इन्हीं वादियों की ओर से प्रार्थना पत्र दिया गया है। इससे पहले सोमवार को पांच अन्य लोगों ने भी अर्जी दाखिल की थी।

कोर्ट में याचिका दायर करने के बाद मीडिया से बात करते हुए अश्वनी उपाध्याय ने कहा कि पूजा स्थल कानून पूजा स्थल के लिए बना है। यह कानून मंदिर के लिए बना है मस्जिद के लिए नहीं।

पूजा स्थल कानून की दलील मंदिर पक्ष अपनी तरफ से दे सकता है मस्जिद पक्ष नहीं दे सकता है। जहां तक कानून की बात है, कोई भी कानून कोर्ट का दरवाजा नहीं रोक सकता है। कोई भी कानून ज्यूडिशियल रिव्यू नहीं रोक सकता है। यह कानून राइट टू जस्टिस को नहीं छीन सकता है।

अश्वनी उपाध्याय ने बताया कि कोर्ट से उन्होंने दो मांगें रखी हैं। पक्षकार बनने के साथ ही हमने मांग की है कि एक दिन के लिए ज्ञानवापी में सभी मीडिया को जाने की इजाजत दी जाए। देश भर के चैनल वहां जाएं और जनता को भी बताएं कि असलियत क्या है।

इससे पहले सोमवार को पांच अन्य लोगों ने भी अर्जी दाखिल की थी। इनमें प्राचीन मूर्ति स्वयंभू ज्योतिर्लिंग लार्ड विश्वेश्वर के वाद मित्र विजय शंकर रस्तोगी भी शामिल हैं। उन्होंने कहा कि सिविल प्रक्रिया संहिता के आदेश 7 नियम 11 के तहत मेरिट के जिस बिंदु पर सुनवाई चल रही है, उसमें प्राचीन मूर्ति स्वयंभू ज्योतिर्लिंग लार्ड विश्वेश्वर को पक्षकार नहीं बनाया गया है। वह मुख्य देवता हैं और आवश्यक पक्षकार हैं। ऐसे में उनका पक्ष सुना जाना आवश्यक है। उनका पक्ष सुने बिना उनके हितों की क्षति होगी।

हिंदू सेना के प्रमुख विष्णु गुप्ता, विश्व हिंदू सेना के प्रमुख अरुण पाठक, विश्व हिंदू महासमिति के प्रमुख अभिषेक शर्मा उर्फ करन, निर्मोही अखाड़ा और केंद्रीय ब्राह्मण महासभा की याचिकाएं शामिल है। सभी ने ज्ञानवापी परिसर में मिले कथित शिवलिंग की पूजा करने का अधिकार मांगा है। सभी की मांग है कि वे इस प्रकरण से अभिन्न रूप से जुड़े हुए हैं। इसलिए उन्हें मुकदमे में वादी या फिर बतौर पक्षकार शामिल किया जाए।

यूपी पुलिस में सिपाही के लिए भर्ती की तैयारी

करीब 35 हजार पदों के लिए भेजा गया प्रस्ताव

लखनऊ। यूपी में पुलिस और पीएसी में करीब 35 हजार पदों पर जल्द भर्ती की तैयारी हो रही है। इन पदों पर भर्ती के लिए प्रस्ताव भेजा गया है। यूपी विधानसभा में मंगलवार को संसदीय कार्य मंत्री सुरेश खन्ना ने बताया कि राज्य के पुलिस विभाग में सिपाही के 26,744 पद और पीएसी में सिपाही के 8714 पद खाली हैं। इन पदों पर भर्ती के लिए प्रस्ताव भेजा गया है।

विधानसभा में मंगलवार को प्रश्न काल में राष्ट्रीय लोकदल (रालोद) के प्रसन्न कुमार ने मुख्यमंत्री से पूछा कि उत्तर प्रदेश पुलिस विभाग में कांस्टेबल के स्वीकृत पदों के सापेक्ष कितने पद रिक्त हैं और क्या सरकार रिक्त पदों पर भर्ती प्रक्रिया पूर्ण करायेगी। मुख्यमंत्री की ओर से संसदीय कार्य मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने जवाब दिया। बताया कि उत्तर प्रदेश प्रादेशिक आर्म्ड कांस्टेबुलरी (पीएसी) में सिपाही के स्वीकृत 55389 पदों के सापेक्ष 8714 पद रिक्त हैं। खन्ना ने बताया कि 26,744 पदों पर भर्ती प्रक्रिया पूर्ण कराने के संबंध में पुलिस महानिदेशक ने प्रस्ताव उप्र पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड को भेज दिया है। भर्ती की कार्यवाही सम्पन्न किये जाने के लिए भर्ती बोर्ड ने कार्यदायी संस्थाओं से प्राप्त निविदाओं का तकनीकी परीक्षण कर लिया है।

पुलिस में कांस्टेबल के 1600 से ज्यादा पदों के लिए आवेदन शुरू

उन्होंने बताया कि सिपाही पीएसी के 8,714 पदों पर भर्ती की कार्यवाही के लिए 21 मई 2022 को प्रस्ताव पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड को भेज दिया गया है। अनुपूरक प्रश्न में प्रसन्न कुमार ने कहा कि कोरोना के कारण दो वर्ष तक पुलिस में भर्ती नहीं हुई तो क्या सरकार भर्ती की तैयारी करने वाले अभ्यर्थियों की अधिकतम उम्र सीमा में तीन वर्ष की छूट प्रदान करेगी। मंत्री ने कहा कि उम्र बढ़ाने का अभी सरकार के पास कोई प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है।

मिथिलेश कुमार और के लक्ष्मण होंगे राज्य सभा के लिये भाजपा उम्मीदवार

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की दो और सीटों के लिये भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने सोमवार को देर रात अपने उम्मीदवारों की घोषणा कर दी। भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव और मुख्यालय प्रभारी अरुण सिंह की ओर से दिल्ली में जारी पार्टी के उम्मीदवारों की सूची में उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर संसदीय क्षेत्र से पूर्व सांसद मिथिलेश कुमार और भाजपा के पिछड़ा वर्ग मोर्चा के अध्यक्ष डा के लक्ष्मण को उम्मीदवार बनाया है। मिथिलेश कुमार पुवांया विधान सभा सीट से विधायक भी रह चुके हैं। गौरतलब है कि भाजपा उत्तर प्रदेश की राज्य सभा के लिये रिक्त हो रही 11 सीटों में से छह उम्मीदवारों की सूची पहले ही जारी कर चुकी है। आगामी 10 जून को होने वाले चुनाव में उत्तर प्रदेश की विधान सभा की मौजूदा स्थिति को देखते हुए भाजपा को सात और मुख्य विपक्षी दल समाजवादी पार्टी (सपा) को तीन सीटें मिलना तय है। इस प्रकार भाजपा ने आठ उम्मीदवार चुनाव मैदान में उतार कर एक सीट के लिये मुकाबले को दिलचस्प बना दिया है।

उप्र में राज्य सभा के लिये भाजपा के आठ उम्मीदवारों ने नामांकन किया

एजेंसी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में राज्य सभा की 11 सीटों पर हो रहे चुनाव के लिये भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के आठ उम्मीदवारों ने मंगलवार को अपना नामांकन दाखिल कर दिया।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मौजूदगी में भाजपा के उम्मीदवारों ने विधान सभा में नामांकन किया। गौरतलब है कि आगामी 10 जून को होने वाले चुनाव के लिये नामांकन का आज अंतिम दिन है। नामांकन पत्र दाखिल करने वाले उम्मीदवारों भाजपा के पिछड़ा वर्ग मोर्चा के अध्यक्ष डा के लक्ष्मण, भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष लक्ष्मीकांत वाजपेयी, गोरखपुर सदर सीट से पूर्व विधायक डा राधा मोहन दास अग्रवाल, पार्टी के वरिष्ठ नेता बाबूराम निषाद, भाजपा महिला मोर्चा की अध्यक्ष दर्शना सिंह, पूर्व विधायक संगीता यादव, सपा से भाजपा में आये राज्य सभा सदस्य सुरेन्द्र सिंह नागर और पूर्व विधायक मिथिलेश कुमार शामिल हैं।

शराब पीने पर बेटे को पेड़ से बांधा, चली गई जान

कानपुर। यूपी के कानपुर के बिधनू क्षेत्र के धीरपुर गांव बिधनू में पिता ने शराब पीकर आए बेटे को रविवार रात पेड़ से बांध दिया। सोमवार सुबह पड़ोसी ने अचेत देखा तो युवक के बड़े भाई को सूचना दी। जब उसे पेड़ से खोला गया तो वह मर चुका था। पिता की हरकत से नाराज बड़े भाई ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा।

धीरपुर गांव निवासी बबलू तोमर (22) मजदूरी करता था। रविवार रात को वह नौबस्ता में मजदूरी करने के बाद रुपये लेकर साथ में मजदूरी करने वाले केशव के साथ निकल आया। केशव गांव पहुंच गया मगर बबलू ने ठेके पर शराब पी। एक ढाबे पर रात साढ़े नौ बजे खाना खाया। नशे में गांव में घुसते ही बबलू ने हंगामा शुरू कर दिया। उसने अपने कपड़े उतार दिए और घर पहुंचा। बेटे की हालत देखकर पिता इकबाल सिंह तोमर को गुस्सा आ गया। वह एक रस्सी लेकर आए और बबलू को घर के पास बने बेरी के पेड़ से बांध दिया। इस दौरान उसे थप्पड़ भी मारे। उसके बाद 50 मीटर दूरी पर एक टट्टर के नीचे वह खुद सो गए। सोमवार सुबह पड़ोसी रामकुमार ने पेड़ से बंधे बबलू को अचेत देखा। उसकी गर्दन एक तरफ झुकी हुई थी। रामकुमार ने खेतों में काम कर रहे बबलू के बड़े भाई ऋषि सिंह तोमर को जानकारी दी। ऋषि भागते हुए आया और फिर पिता को बताया। दोनों ने बबलू को पेड़ से खोला। काफी प्रयास के बाद भी शरीर में कोई हरकत नहीं हुई।

पिता और भाइयों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। घटना में किसी ने तहरीर नहीं दी है। पोस्टमार्टम में जो तथ्य आएंगे। उसी के आधार पर कार्रवाई होगी।

सुशील कुमार दुबे, सीओ घाटमपुर

बेटे ने पुलिस को दी जानकारी

पिता और परिवार के अन्य सदस्यों ने बबलू के अंतिम संस्कार की तैयारी कर ली।

तब तक पुलिस को कोई सूचना नहीं दी गई थी मगर ऋषि पिता की इस हरकत से नाराज हो गया था। उसने डायल 112 में पुलिस को सूचना दे दी।

मुख्तार अब्बास नकवी को नहीं मिला राज्यसभा का टिकट, रामपुर से लड़ सकते हैं लोकसभा उपचुनाव

एजेंसी

नई दिल्ली। भाजपा ने राज्यसभा चुनाव के लिए अपने बाकी बचे उम्मीदवारों की भी घोषणा सोमवार को कर दी है। पार्टी इस बार अपने किसी मुस्लिम नेता को राज्यसभा में नहीं भेज रही है जबकि सैयद जफर इस्लाम, एमजे अकबर और मुख्तार अब्बास नकवी का कार्यकाल खत्म हो रहा है। इसमें मुख्तार अब्बास नकवी के सामने एक चुनौती यह भी है कि यदि वे संसद के किसी सदन के सदस्य नहीं रहते हैं तो 6 महीने के अंदर उन्हें मंत्री पद छोड़ना पड़ सकता है। लिहाजा राजनीतिक गलियारों में उनके रामपुर लोकसभा सीट पर होने वाला उपचुनाव लड़ने की अटकलें लगने लगी हैं।

बता दें कि नकवी 1998 में पहली बार रामपुर सीट से ही जीतकर सांसद बने थे। तब अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार में उन्हें सूचना और प्रसारण मंत्री बनाया गया था। मुख्तार अब्बास नकवी, वर्तमान में नरेन्द्र मोदी सरकार के मंत्री हैं। बीजेपी में उन्होंने अपने लिए खास जगह बनाई है। पार्टी ने राज्यसभा के लिए कुल 22 उम्मीदवारों के नामों का ऐलान किया है लेकिन किसी भी सूची में नकवी का नाम न होने से राजनीतिक गलियारों में चर्चा शुरू हो गई है कि क्या पार्टी नकवी को आजम खान के गढ़ रामपुर के मैदान में उतारने का मन बना चुकी है।

आजम खान के इस्तीफा देने से खाली हुई रामपुर संसदीय सीट पर उपचुनाव की घोषणा भी हो चुकी है। बीजेपी इस बार इस सीट को जीतने की पूरी कोशिश कर रही है। लिहाजा पार्टी रामपुर से नकवी के पुराने रिश्ते को देखते हुए उन पर दांव लगा सकती है।

हार गए थे 1999 और 2009 का चुनाव

मुख्तार अब्बास नकवी 1998 में पहली बार रामपुर सीट से लोकसभा में पहुंचे थे। उन्होंने कुल तीन बार इस सीट से चुनाव लड़ा लेकिन 1999 और 2009 में वह चुनाव हार गए थे। 1998 के बाद नकवी कोई भी लोकसभा चुनाव नहीं जीत सके तो बीजेपी ने उन्हें झारखंड से राज्यसभा में भेजा। नकवी ने पिछले 13 साल से भले कोई चुनाव नहीं लड़ा लेकिन रामपुर में वह लगातार सक्रिय रहे हैं।

बतौर अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री उन्होंने रामपुर में हुनर हंट लगवाया था। वह महीने, दो महीने में रामपुर का दौरा करते रहते हैं।

बताया जाता है कि रामपुर लोकसभा सीट पर 50 फीसदी मुस्लिम मतदाता हैं। ऐसे में नकवी मुस्लिम और हिंदू वोटों का नया समीकरण बनाकर अपनी स्थिति मजबूत कर सकते हैं। रामपुर सीट पर भगवा परचम लहराने को बेताब बीजेपी उन्हें मैदान में उतार सकती है।

29 जून को खत्म हो जाएगा राज्यसभा का कार्यकाल

मुख्तार अब्बास नकवी का राज्यसभा का कार्यकाल 29 जून को खत्म हो जाएगा। माना जा रहा है कि बीजेपी ने रामपुर लोकसभा सीट के सियासी समीकरणों को देखते हुए उन्हें वहां से मैदान में उतारने की तैयारी कर ली है।

बसपा नहीं उतारेगी उम्मीदवार, सपा ने नहीं खोले पत्ते

बसपा ऐलान कर चुकी है कि वो रामपुर सीट पर अपना उम्मीदवार नहीं उतारेगी। जबकि समाजवादी पार्टी ने अभी तक अपने पत्ते नहीं खोले हैं। अखिलेश और आजम खान की नाराजगी के बीच राजनीतिक गलियारों में इस पर भी कयास लग रहे हैं कि इस बार सपा का उम्मीदवार आजम परिवार से होगा या नहीं।

'काली स्याही, जानलेवा हमले नहीं दबा सकते किसानों की आवाज' बोले राकेश टिकैत

नोएडा। भारतीय किसान यूनियन (भाकियू) के नेता राकेश टिकैत ने बेंगलुरु में उन पर स्याही फेंके जाने के बाद कहा है कि काली स्याही और घातक हमले किसानों और मजदूरों की आवाज को दबा नहीं सकते। कर्नाटक की राजधानी के गांधी भवन में सोमवार को एक किसान संगठन द्वारा आयोजित कार्यक्रम के दौरान बदमाशों ने टिकैत पर स्याही फेंक दी। पुलिस ने इस सिलसिले में तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। इसके बाद आयोजकों और बदमाशों ने एक दूसरे पर प्लास्टिक की कुर्सियों से हमला किया। टिकैत ने इस घटना के लिए स्थानीय पुलिस को जिम्मेदार ठहराया और आरोप लगाया है कि उन पर हमला भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत राज्य सरकार की मिलीभगत से किया गया था। किसान नेता ने सोमवार देर रात ट्वीट किया, काली स्याही और घातक हमले इस देश के किसानों, मजदूरों, दलितों, शोषितों, पिछड़ों और आदिवासियों की आवाज को दबा नहीं सकते। लड़ाई आखिरी सांस तक जारी रहेगी। कर्नाटक के गृह मंत्री अरागा ज्ञानेंद्र ने इन आरोपों को खारिज किया है कि टिकैत को निशाना बनाने वाले लोग भाजपा से थे। उन्होंने कहा, हम अधिकारियों के संपर्क में हैं। तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है और उनसे पूछताछ की जा रही है। मैं इस कृत्य की निंदा करता हूं। संविधान के तहत सभी को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का अधिकार है। आयोजकों के अनुसार, कार्यक्रम में एक संवाददाता सम्मेलन भी होना था जो किसान नेता कोडिहल्ली चंद्रशेखर के खिलाफ एक स्टिंग ऑपरेशन के बाद संदेह को दूर करने के लिए बुलाया गया था और इसके लिए टिकैत को आमंत्रित किया गया था। बैठक में बदमाश पत्रकार बनकर आए और नोट लेने का नाटक किया। उनमें से एक टिकैत के सामने माइक्रोफोन को ठीक करने के लिए मंच पर गया और फिर माइक से उन पर हमला करने की कोशिश की। एक अन्य व्यक्ति ने टिकैत पर स्याही फेंकी जिससे उनकी पगड़ी, चेहरा, सफेद कुर्ता और गले में पहने हुए हरे शॉल पर स्याही के धब्बे लग गए। कांग्रेस, आम आदमी पार्टी और राष्ट्रीय लोक दल सहित विपक्षी दलों ने घटना की निंदा की और दोषियों के खिलाफ तत्काल पुलिस कार्रवाई की मांग की। भाजपा के मुखर आलोचक टिकैत, अब निरस्त किए गए केंद्र के तीन कृषि-विपणन कानूनों के खिलाफ 2020 के किसानों के प्रदर्शन के प्रमुख चेहरों में से एक हैं।

शार्ट न्यूज

केंद्र ने जीएसटी क्षतिपूर्ति का बकाया निपटाने के लिए राज्यों को दिए 86,912 करोड़

नयी दिल्ली। केंद्र सरकार ने मंगलवार को कहा कि उसने राज्य सरकारों को माल एवं सेवा कर (जीएसटी) क्षतिपूर्ति के बकाए के निपटान के लिए 86,912 करोड़ रुपये जारी कर दिए हैं। इससे राज्यों का इस मद पर 31 मई 2022 तक का पूरा बकाया बेबाक हो चुका है। वित्त मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि यह फैसला राज्यों को संसाधनों के बेहतर प्रबंध में मदद और यह सुनिश्चित करने के लिए किया गया है कि वे चालू वित्त वर्ष में विशेष रूप से अपने पूंजीगत व्यय कार्यक्रमों को सफलतापूर्वक लागू कर सकें। वित्त मंत्रालय का कहना है कि उसके पास जीएसटी क्षतिपूर्ति कोष में करीब 25,000 करोड़ रुपये थे। उसने अपने कोष से धन जोड़कर राज्यों को क्षतिपूर्ति की राशि चुकायी है। केंद्र अपने कोष की भरपाई जीएसटी सैस की वसूली से करेगा। गौरतलब है कि 01 जुलाई 2017 को जीएसटी लागू किए जाने के समय राज्यों को आश्वासन दिया था कि वह पहले पांच साल तक उनके राजस्व में जीएसटी लागू होने के कारण आयी कमी की भरपाई करेगा। इसके लिए जीएसटी (राज्यों को क्षतिपूर्ति) अधिनियम 2017 में इसके तहत पांच साल की क्षतिपूर्ति का प्रावधान किया गया था। इसके लिए जीएसटी में विलास्ता की वस्तुएं और शराब आदि जैसी अहितकर चीजों पर विशेष उपकर लगाने का प्रावधान किया गया है। कोविड महामारी और लॉकडाउन के दौरान राजस्व वसूली प्रभावित होने के कारण केंद्र सरकार राज्यों को हर दूसरे महीने जीएसटी क्षतिपूर्ति का भुगतान समय से नहीं कर पा रही थी और इस कमी को पूरा करने के लिए सरकार ने 2020-21 में 1.1 लाख करोड़ रुपये का कर्ज लेकर राज्यों को दिया था। इसी तरह वित्त वर्ष 2021-22 में केंद्र ने 1.59 लाख करोड़ रुपये का कर्ज लेकर राज्यों को भुगतान किया था।

कीमती धातुओं की चमक पड़ी फीकी

मुंबई। विदेशी बाजार में कीमती धातुओं की चमक फीकी पड़ने के दबाव में आज घरेलू सर्राफा बाजार में सोना 235 रुपये प्रति दस ग्राम और चांदी 372 रुपये प्रति किलोग्राम गिर गई। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना हाजिर 0.29 प्रतिशत टूटकर 1838.40 डॉलर प्रति औंस पर आ गया। साथ ही अमेरिकी सोना वायदा 0.70 प्रतिशत गिरकर 1838.40 डॉलर प्रति औंस पर रहा। इसी तरह इस दौरान चांदी हाजिर 0.35 प्रतिशत की गिरावट लेकर 21.87 डॉलर प्रति औंस बोली गयी। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कीमती धातुओं में गिरावट का असर देश के सबसे बड़े वायदा बाजार एमसीएक्स में भी देखा गया। इस दौरान सोना 235 रुपये उतरकर 50859 रुपये प्रति दस ग्राम और सोना मिनी 215 रुपये टूटकर 50835 रुपये प्रति 10 ग्राम पर रही। इसी तरह इस दौरान चांदी 372 रुपये सस्ती होकर 61510 रुपये प्रति किलोग्राम और चांदी मिनी 390 रुपये उतरकर 61798 रुपये प्रति किलोग्राम बोली गयी।

खाद्य तेल में टिकाव; मूंग और उड़द दाल सस्ती, गुड़ महंगा

नयी दिल्ली 31 मई (वार्ता) वैश्विक बाजार के मिलेजुले रुख के बीच स्थानीय स्तर पर उठाव सुस्त पड़ने से आज दिल्ली थोक जिंस बाजार में खाद्य तेलों में टिकाव रहा वहीं मूंग दाल और उड़द दाल सस्ती हो गई जबकि गुड़ महंगा हो गया। तेल-तिलहन : वैश्विक स्तर पर मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में पाम ऑयल का जून वायदा 99 रिंगिट फिसलकर 6611 रिंगिट प्रति टन पर आ गया। वहीं, अमेरिकी सोया तेल का जून वायदा 0.49 सेंट बढ़कर 80.06 सेंट प्रति पौंड बोला गया। इस दौरान सरसों तेल, मूंगफली तेल, सूरजमुखी तेल, सोया रिफाइंड, पाम ऑयल और वनस्पति तेल के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ और वे पिछले दिवस के स्तर पर टिके रहे। गुड़-चीनी : मीठे के बाजार में मिलाजुला रुख रहा। इस दौरान गुड़ 50 रुपये प्रति क्विंटल महंगा हो गया वहीं चीनी के भाव स्थिर रहे। दाल-दलहन : दाल-दलहन के बाजार में मिलाजुला रुख रहा। इस दौरान मूंग दाल 150 रुपये और उड़द दाल 100 रुपये प्रति क्विंटल सस्ती हो गई। वहीं, चना, चना दाल, मसूर दाल और अरहर दाल के भाव पड़े रहे। अनाज : अनाज मंडी में टिकाव रहा। इस दौरान गेहूं और चावल के भाव स्थिर रहे।

शेयर बाजार ने पिछले तीन दिन की तेजी गंवाई

मुंबई। विदेशी बाजारों के मिलेजुले रुख के बीच ऊंचे भाव पर हुई बिकवाली के दबाव में घरेलू शेयर बाजार ने आज पिछले लगातार तीन दिन की तेजी गंवा दी तथा सेंसेक्स और निफ्टी करीब आधे प्रतिशत की गिरावट में रहे। बीएसई का तीस शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 359.33 अंक टूटकर 55566.41 अंक और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 76.85 अंक फिसलकर 16584.55 अंक पर रहा। हालांकि दिग्गज कंपनियों के विपरीत छोटी और मझौली कंपनियों में हुई लिवाली ने बाजार को अधिक गिरने से बचाया। इस दौरान बीएसई का मिडकैप 0.49 प्रतिशत चढ़कर 23,143.82 अंक और स्मॉलकैप 0.68 प्रतिशत की तेजी लेकर 26,370.81 अंक पर पहुंच गया। इस दौरान बीएसइ में कुल 3477 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ, जिनमें से 1764 में तेजी जबकि 1589 में गिरावट रही वहीं 124 के भाव स्थिर रहे। इसी तरह एनएसई में 27 कंपनियों में लिवाली जबकि 21 में बिकवाली हुई वहीं दो में कोई बदलाव नहीं हुआ। बीएसई में 10 समूहों में बिकवाली का दबाव रहा। इस दौरान पावर समूह ने सबसे अधिक 2.17 प्रतिशत का नुकसान उठाया। इसके साथ ही वित्त 0.80, ऊर्जा 0.40, यूटिलिटीज 1.95, बैंकिंग 1.06, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स 0.77, तेल एवं गैस 0.80, आईटी 0.28 और टेक समूह के शेयर 0.30 प्रतिशत टूटे। अंतर्राष्ट्रीय बाजार में मिलाजुला रुख रहा। इस दौरान ब्रिटेन का एफटीएसई 0.26, हांगकांग का हैंगसेंग 1.38 और चीन का शंघाई कंपोजिट 1.19 प्रतिशत की तेजी पर रहे वहीं जर्मनी के डैक्स 0.71 और जापान के निक्केई में 0.33 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई।

पेट्रोल-डीजल के दामों में कोई बदलाव नहीं

नयी दिल्ली। देश में तेल विपणन कंपनियों के मंगलवार को पेट्रोल-डीजल की कीमतों में कोई परिवर्तन ना करने से इनके दाम लगातार नौ दिनों से स्थिर हैं। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत 120 डॉलर प्रति बैरल को पार कर चुकी हैं। इंडियन ऑयल की अधिसूचना के मुताबिक, दिल्ली में आज पेट्रोल का दाम 96.72 रुपये और डीजल का दाम 89.62 रुपये प्रति लीटर है, जबकि मुंबई में पेट्रोल और डीजल की कीमत क्रमश: 111.35 रुपये और 97.28 रुपये प्रति लीटर पर है। केंद्र सरकार ने 25 मई को आम आदमी को बड़ी राहत देते हुए पेट्रोल और डीजल पर उत्पाद शुल्क में क्रमश: आठ रुपये और छह रुपये प्रति लीटर की कटौती करने की घोषणा की थी। जिससे पेट्रोल-डीजल के दाम कम से कम 9.5 रुपये और सात रुपये तक गिर गए थे। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में लगातार उतार-चढ़ाव जारी है। लंदन ब्रेंट क्रूड आज 1.43 प्रतिशत बढ़कर 123.41 डॉलर प्रति बैरल और अमेरिकी क्रूड 3.19 प्रतिशत चढ़कर 118.74 डॉलर प्रति बैरल पर रहा है।

तंबाकू का सेवन करने वाले हो जाएं सावधान, लाइफ और हेल्थ इंश्योरेंस लेना पड़ेगा महंगा

नई दिल्ली। भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा तंबाकू निर्माता होने के साथ-साथ इसका सबसे बड़ा उपभोक्ता भी है। भारत सरकार द्वारा सभी तंबाकू उत्पादों के लिये सेहत से जुड़ी कुछ खास चेतावनी देने के बावजूद, 15 साल से अधिक उम्र के लगभग 26.7 करोड़ से भी ज्यादा वयस्क तंबाकू का इस्तेमाल कर रहे हैं, क्योंकि ये सस्ते होते हैं। भारत में तंबाकू के इस्तेमाल का सबसे प्रचलित रूप धुंआरहित तंबाकू है- इसमें खैनी, गुटका, तंबाकू और जर्दा के साथ पान का बीड़ा आता है। वहीं इसके बाद, तंबाकू के धुएं वाले रूप जैसे बीड़ी, सिगरेट और हुक्का का इस्तेमाल भी खूब किया जाता है। पूरी दुनिया में तंबाकू का इस्तेमाल सबसे गंभीर जन स्वास्थ्य समस्याओं में से एक है। इसकी वजह से श्वसन से जुड़े कई सारे गंभीर खतरे और क्रॉनिक रोग होते हैं, जिसमें कैंसर, फेफड़े की बीमारी, कार्डियोवैस्कुलर रोग और स्ट्रोक शामिल हैं। इसकी वजह से हर साल लगभग 13.5 करोड़ मौतें होती हैं। धूम्रपान करना ना केवल सेहत के लिये नुकसानदायक होता है और मौत की ओर ले जाता है, बल्कि लोगों पर आर्थिक बोझ भी डालता है।

फायरब्लॉक्स द्वारा बैंक ऑफ इंग्लैंड में फिनटेक के पूर्व प्रमुख को सीबीडीसी और मार्केट इंफ्रास्ट्रक्चर के नए निदेशक के रूप में नियुक्त किया गया

न्यूयार्क। इंडस्ट्री लीडर और डिजिटल असेट और क्रिप्टो टेक्नॉलोजी में अपने योगदान के लिए अवॉर्ड पाने वाले, फायरब्लॉक्स (www.fireblocks.com) ने, आज घोषणा की कि, उसने बैंक ऑफ इंग्लैंड में फिनटेक के पूर्व प्रमुख वरुण पॉल को, अपनी नई सेंट्रल बैंकिंग डिजिटल करेंसी और मार्केट इंफ्रास्ट्रक्चर के निदेशक के रूप में नियुक्त किया है। अपने नई जिम्मेदारी में पॉल, फायरब्लॉक्स की कॉर्पोरेट स्ट्रेटेजी टीम में काम करेंगे और फायरब्लॉक्स के वाइस प्रेसिडेंट और कॉर्पोरेट स्ट्रेटेजी हेड एडम लेविन को रिपोर्ट करेंगे।

पॉल कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय से स्नातक हैं जिन्होंने अर्थशास्त्र में मास्टर डिग्री हासिल की है। कॉलेज के बाद, पॉल ने 14 सालों तक बैंक ऑफ इंग्लैंड में कई भूमिकाओं में काम किया, और फिलहाल वो बैंक के फिनटेक हब और फाइनेंस इनिशियेटिव्स को हेड कर रहे थे।

लेविन ने कहा, वरुण बैंक ऑफ इंग्लैंड में अपने कार्यकाल से अंतर्दृष्टि और अनुभव का खजाना लेकर आए हैं, जो हमारी टीम के लिए अमूल्य होगा क्योंकि हम दुनिया भर के प्रमुख केंद्रीय बैंकों के साथ जुड़ते हैं और साझेदारी करते हैं।

सीबीडीसी के विकास से लेकर पारंपरिक वित्तीय असेट्स के टोकन जारी किए जाने तक, डिजिटल असेट्स और ब्लॉकचेन टेक्नॉलॉजी को पारंपरिक संस्थानों तक पहुंचाने के लिए केंद्रीय बैंक समुदाय के साथ मजबूत कामकाजी संबंधों की आवश्यकता होगी। हम केंद्रीय बैंकों और बाजार के बुनियादी ढांचे की डिजिटल असेट स्ट्रेटेजी का समर्थन करने में वरुण की क्षमता को लेकर काफी उत्साहित हैं।

फायरब्लॉक्स के सीबीडीसी और मार्केट इन्फ्रास्ट्रक्चर के पहले निदेशक के रूप में, पॉल केंद्रीय बैंकों और बाजार के बुनियादी ढांचे के साथ कंपनी के जुड़ाव का नेतृत्व करेंगे क्योंकि वे डिजिटल संपत्ति और टोकन तकनीक को अपनाना शुरू कर रहे हैं। आने वाले दिनों में डिजिटल असेट्स की सुरक्षा और सही समाधानों के बारे में पॉलिसी बनाने वाले केंद्रीय बैंक के नीति नियंताओं को शिक्षित करने, और अनुमति प्राप्त ष्छद्मस्न्द्व तथा द्वितीयक अर्थव्यवस्था में भाग लेने के संभावित लाभों की खोज करने में पॉल की भूमिका अहम होगी।

दुनिया भर के केंद्रीय बैंक जो एकीकृत डिजिटल मुद्राओं को अपनाने की योजना की घोषणा कर चुके हैं, ये खबर सुनकर काफी खुश हैं।

नवंबर 2021 में डिजिटल असेट में 3 ट्रिलियन डॉलर का मार्केट कैप हो जाने के बाद, फरवरी में अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन ने एक कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर किए, जो संघीय एजेंसियों को यूएस सीबीडीसी बनाने के लिए आवश्यक संभावित बुनियादी ढांचे को जमीन पर उतारने की कोशिश करने के लिए निर्देशित करता है। आईएमएफ के अनुसार, यूके, यूएस, भारत, सिंगापुर और स्विटजरलैंड सहित लगभग 100 देश सीबीडीसी परियोजनाओं पर काम कर रहे हैं।

फायरब्लॉक्स के सीबीडीसी और मार्केट इंफ्रास्ट्रक्चर के नए निदेशक वरुण पॉल ने कहा, डिजिटल असेट्स और क्रिप्टो-फॉरवर्ड व्यवसायों के लिए सुरक्षित और व्यवहारिक टेक्नॉलॉजी प्रदान करने करने की बात आती है, तो फायरब्लॉक्स से आगे कोई नहीं है। CBDC और DeFi में टोकन देने और ऐसे ही कई नए वित्तीय प्रयोग किए जा रहे हैं, और फायरब्लॉक्स में मेरी नई भूमिका मुझे दुनिया के कुछ सबसे आगे की सोच रखने वाले संगठनों के साथ काम करने का विशेषाधिकार और अवसर देती है क्योंकि वे इस क्षेत्र के सबसे बड़े परिवर्तनों में से एक की ओर अग्रसर हैं।

2019 में लॉन्च होने के बाद से, फायरब्लॉक्स ने 1,300 से अधिक संस्थागत ग्राहकों को जोड़ा है, जो हर महीने 210 बिलियन के डिजिटल असेट्स के सुरक्षित ट्रांसफर के लिए इसके प्लेटफॉर्म का उपयोग करते हैं। फायरब्लॉक्स की टेक्नॉलॉजी ने पुरस्कारों के साथ इंडस्ट्री में अपना सिक्का जमा रखा है जिसमें Hedgeweek Europe के Best Custodian Innovation and Best Cyber Security Provider; Microsoft Security Trailblazer Award; तथा Europas का 2020 में The Hottest Blockchain Startup अवार्ड शामिल है।

फायरब्लॉक्स के बारे में

फायरब्लॉक एक एंटरप्राइज-ग्रेड प्लेटफॉर्म है जो डिजिटल असेट को स्थानांतरित करने, संग्रहीत करने और जारी करने के लिए एक सुरक्षित बुनियादी ढांचा प्रदान करता है। फायरब्लॉक्स एक्सचेंज, लेंडिंग डेस्क, कस्टोडियन, बैंक, ट्रेडिंग डेस्क और हेज फंड्स को फायरब्लॉक्स नेटवर्क और एमपीसी-आधारित वॉलेट इंफ्रास्ट्रक्चर के माध्यम से डिजिटल एसेट ऑपरेशंस को सुरक्षित रूप से किए जाने में सक्षम बनाता है। फायरब्लॉक्स 1,300 से अधिक वित्तीय संस्थानों को सेवा प्रदान करता है, इसने 2.6 ट्रिलियन से ज्यादा डिजिटल असेट सुरक्षित रूप से ट्रांसफर किए हैं, और इसकी एक अनूठी बीमा पॉलिसी है जो स्टोरेज और ट्रांजिट में असेट्स को कवर प्रदान करती है। फायरब्लॉक्स ऐसा एकमात्र समाधान है जो सीआईएसओ और ऑप्स टीम दोनों को पसंद है। यही वजह है कि कुछ सबसे बड़ी ट्रेडिंग संस्थाओं ने फायरबलॉक्स को अपनाया है।

अधिक जानकारी के लिए कृपया www.fireblocks.com पर जाएं।

आईआईटी कानपुर ने किसानों के लिए भू-परीक्षक उपकरण किया पेश

कानपुर। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) कानपुर ने भू-परीक्षक तेज मृदा परीक्षण उपकरण को बाजार में उतार दिया है। यह अपनी तरह का पहला नया उपकरण है जो एक मोबाइल एप्लिकेशन के माध्यम से केवल 90 सेकंड में मिट्टी के स्वास्थ्य का पता लगाने में सक्षम है।

संस्थान ने मंगलवार को एक बयान में बताया कि यह किसानों को प्रयोगशाला में जाये बिना उर्वरकों की अनुशंसित खुराक के साथ कृषि क्षेत्रों के मृदा स्वास्थ्य मानकों को प्राप्त करने में सहायता करेगा। यह उपकरण नियर इन्फ्रारेड स्पेक्ट्रोस्कोपी तकनीक पर आधारित है, जो गूगल प्ले स्टोर पर उपलब्ध भू-परीक्षक नामक मोबाइल एप्लिकेशन के साथ स्मार्टफोन पर उसी समय मृदा विश्लेषण रिपोर्ट प्रदान करती है । आईआईटी कानपुर रसायन

इंजीनियरिंग विभाग के प्रो जयंत कुमार सिंह के नेतृत्व में पल्लव प्रिंस, अशर अहमद, यशस्वी खेमानी और मोहम्मद आमिर खान की टीम द्वारा विकसित इस उपकरण के लिए एग्रीटेक कंपनी एग्रोनेक्स्ट सर्विसेज को लाइसेंस दिया गया है ।समारोह के दौरान केवल 5 ग्राम सूखी मिट्टी के नमूने के उपयोग के साथ मिट्टी परीक्षण उपकरण का प्रदर्शन किया गया, जिसमें छह महत्वपूर्ण मिट्टी के मापदंडों- नाइट्रोजन, फास्फोरस, पोटेशियम, कार्बनिक कार्बन, मिट्टी में मौजूद अन्य सामग्री और केशन आयन एक्सचेंज क्षमता का तुरंत पता लगाकर दिखाया गया और मृदा स्वास्थ्य रिपोर्ट भी तैयार की गई। इसे मोबाइल एप्लिकेशन पर आसानी से देखा जा सकता है।

आईआईटी कानपुर के निदेशक प्रो. अभय करंदीकर ने कहा, भू-परीक्षक उपकरण के साथ हमारा प्राथमिक उद्देश्य हमारे किसानों को उनकी मिट्टी के स्वास्थ्य के परीक्षण के मामले में राहत प्रदान करना है। यह एक ऐसा कार्य है जो आमतौर पर उनके लिए बहुत कठिन होता है क्योंकि उन्हें घर से दूर प्रयोगशालाओं पर निर्भर रहना पड़ता है।

हमें यह बताते हुए गर्व हो रहा है कि अब जब उपकरण को एक उत्पाद के रूप में पेश किया गया है, तो यह हमारे किसानों के लिए उनकी मिट्टी के परीक्षण की परेशानी को कम करने के लिए एक बहुत बड़ा वरदान होगा।

उन्होंने कहा, मैं कम समय में डिवाइस को विकसित करने और आमलोगों के उपयोग के लिए बाजार उपलब्ध कराने के लिए प्रो. जयंत कुमार सिंह के नेतृत्व वाली टीम और एग्रोनेक्स्ट टीम को फिर से बधाई देता हूं।

गेहूं निर्यात पंजीकरण मानदंड सख्त किये गये

नयी दिल्ली। वाणिज्य मंत्रालय ने धोखाधड़ी और फर्जी क्रियाकलापों को रोकने के लिए गेहूं निर्यात पंजीकरण के मानदंडों को कड़ा कर दिया है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने मंगलवार को एक बयान में कहा कि विदेश व्यापार महानिदेशालय ने क्षेत्रीय अधिकारियों को पंजीकरण प्रमाण पत्र (आरसी) जारी करने से पहले गेहूं के निर्यात के लिए आवेदकों के सभी दस्तावेजों को भौतिक रूप से सत्यापित करने का निर्देश दिया है जिससे निर्यातकों को अनुचित दस्तावेजों के आधार पर आरसी जारी न हो। आदेश में कहा गया है कि यह निर्णय खामियों को दूर करने के लिए लिया गया है, जिसमें क्षेत्रीय अधिकारी पहले से ही स्वीकृत या इसकी प्रक्रिया में चल रहे सभी साख पत्रों का भौतिक सत्यापन करेंगे। इसमें आवश्यकता होने पर सत्यापन के लिए किसी पेशेवर एजेंसी की मदद ली जा सकती है।

आदेश में कहा गया है कि भौतिक सत्यापन करते समय प्राप्तकर्ता बैंक द्वारा सत्यापन या समर्थन सुनिश्चित किया जाना चाहिए। बयान में बताया गया कि ऐसे मामलों में जहां एलसी तिथि 13 मई 2022 को या उससे पहले की है, लेकिन भारतीय और विदेशी बैंक के बीच त्वरित संदेश/संदेश विनिमय तिथि 13 मई 2022 के बाद है, तो क्षेत्रीय प्राधिकारी पूरी जांच कर सकते हैं और यदि ये एंटी-डेटेड पाए जाते हैं तो निर्यातकों के खिलाफ एफटी (डी एंड आर) अधिनियम, 1992 के तहत तत्काल कार्यवाही शुरू की जाएगी।

इन मामलों की आगे की जांच के लिए आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू)/ केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) जैसी प्रवर्तन एजेंसियों को भेजी जा सकती हैं। जिन मामलों में एंटी-डेटिंग स्थापित होती है, उनमें किसी बैंकर की मिलीभगत होने पर कानून के अनुसार आवश्यक कार्यवाही शुरू की जाएगी।

एस्सार विजाग टर्मिनल ने अप्रैल 2022 में 13 लाख टन कार्गो संभाला

नयी दिल्ली। स्टील के क्षेत्र में बढ़ती मांग और आर्थिक गतिविधियों में वृद्धि दर्शाते हुए एस्सार विजाग टर्मिनल लिमिटेड (ईवीटीएल) ने अप्रैल 2022 में 13 लाख टन कार्गो संभाला है।

ईवीटीएल विशाखापत्तनम बंदरगाह पर भारत के सबसे बड़े अयस्क प्रबंधन परिसर का संचालन करती है।

कंपनी ने मंगलवार को एक बयान में कहा कि कार्गो में वृद्धि भारतीय स्टील क्षेत्र में तेजी का प्रतीक है, जिसका भारत के विनिर्माण उत्पादन में प्रमुख योगदान रहा है।

कंपनी ने कहा कि उसने वित्त वर्ष 2021-22 में 193 जहाजों और 1,511 रेक को संभाला।

ईवीटीएल ने कहा, कंपनी ने मार्च 2022 में 171 रेकों को संभालते हुए मासिक रिकॉर्ड भी हासिल किया। इसने अप्रैल 2022 में एम.वी. स्टार इलिनि जहाज पर 1,65,000 टन लौह अयस्क लादकर एक और उपलब्धि हासिल की है। यह अब तक का सबसे बड़ा पार्सल है, जो विशाखापट्टनम बंदरगाह पर लाया गया है।

एस्सार पोर्ट्स के प्रबंधक निदेशक के संयुक्त साझीदार (अवसंरचना) राजीव अग्रवाल ने कहा, हमारे ग्राहकों और व्यापार को एक स्थायी लाभ देने के लिए हमारी सुविधाओं की अवधारणा की गई है। हमारा निवेश लोगों को मुनाफे से पहले रखते हुए कंपनी की ईएसजी धारणा और एक दृष्टिकोण का प्रतिबिंब है।

अप्रैल में बुनियादी उद्योग का उत्पादन 8.4 प्रतिशत बढ़ा

नयी दिल्ली। देश में कोयला, प्राकृतिक गैस, पेट्रोलियम रिफाइनरी उत्पाद, उर्वरक, सीमेंट और इलेक्ट्रिसिटी क्षेत्र के मजबूत प्रदर्शन की बदौलत इस वर्ष अप्रैल के दौरान बुनियादी उद्योग के उत्पादन में पिछले वर्ष की समान अवधि के मुकाबले 8.4 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के उद्योग संवर्धन और आंतरिक व्यापार विभाग (डीपीआईआईटी) की ओर से मंगलवार को अप्रैल 2022 के लिए जारी आठ बुनियादी उद्योग सूचकांक के अनुसार, आठ प्रमुख उद्योगों का संयुक्त सूचकांक अप्रैल 2022 में 143.2 रहा, जो अप्रैल 2021 के सूचकांक की तुलना में 8.4 प्रतिशत (प्रोविजनल) अधिक है। आलोच्य अवधि में कोयला, बिजली, रिफाइनरी

उत्पाद, उर्वरक, सीमेंट और प्राकृतिक गैस उद्योगों के उत्पादन में वृद्धि दर्ज की गई है।

आठ बुनियादी उद्योगों के जनवरी 2022 के लिए पूर्व में जारी सूचकांक में 3.7 प्रतिशत (प्रोविजनल) वृद्धि दर को बढ़ाकर चार प्रतिशत कर दिया गया है। अप्रैल-मार्च 2021-22 के दौरान बुनियादी उद्योग की वृद्धि दर पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 10.4 प्रतिशत (प्रोविजनल) रही है।

कोयला उत्पादन अप्रैल 2022 में इसके पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में 28.8 प्रतिशत, प्राकृतिक गैस 6.4 प्रतिशत, पेट्रोलियम रिफाइनरी उत्पाद 9.2 प्रतिशत, उर्वरक 8.7 प्रतिशत, सीमेंट आठ प्रतिशत और इलेक्ट्रिसिटी के उत्पादन में 10.7 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। हालांकि आलोच्य अवधि में कच्चा तेल के उत्पादन में 0.9 प्रतिशत और इस्पात में 0.7 प्रतिशत की गिरावट रही है।

इसी तरह अप्रैल से मार्च 2021-22 के दौरान कोयला का सकल सूचकांक पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 8.5 प्रतिशत, प्राकृतिक गैस का 19.2 प्रतिशत, पेट्रोलियम रिफाइनरी उत्पाद का 8.9 प्रतिशत, उर्वरक का 0.7 प्रतिशत, इस्पात का 17.1 प्रतिशत, सीमेंट का 20.8 प्रतिशत और इलेक्ट्रिसिटी का आठ प्रतिशत बढ़ा है। वहीं इस अवधि में केवल कच्चे तेल के सकल सूचकांक में 2.6 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है।

भारत बहुत से देशों से अच्छी स्थिति में : जीडीपी आंकड़ों पर आर्थिक सलाहकार नागेश्वरन

नयी दिल्ली। मुख्य आर्थिक सलाहकार वी. अनंत नागेश्वरन ने मंगलवार को जारी आर्थिक वृद्धि के आंकड़ों पर कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था की स्थिति बहुत से देशों की तुलना में अच्छी है और भारत का वित्तीय क्षेत्र वर्तमान दशक में आर्थिक वृद्धि की मदद के लिए पर्याप्त रूप से सुदृढ़ है।

नागेश्वरन ने राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) द्वारा जारी 2021-22 की चौथी तिमाही के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के आंकड़ों पर मीडिया से कहा कि पिछले वित्त वर्ष में भारतीय अर्थव्यवस्था ने अपनी स्थिति को मजबूत किया और इस दौरान अर्थव्यवस्था के ज्यादातर क्षेत्रों की गतिविधियां महामारी के पूर्व के स्तर के ऊपर पहुंच गयीं।

एनएसओ के आंकड़ों के अनुसार वर्ष 2021-22 की चौथी तिमाही

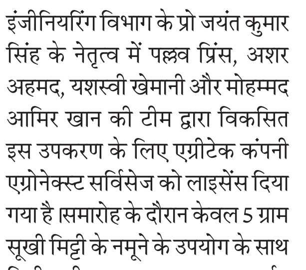

(जनवरी-मार्च 2022) में जीडीपी की वृद्धि दर सलाना आधार पर 4.1 प्रतिशत रही। जबकि इससे पिछली तिमाही में जीडीपी वृद्धि दर 5.4 प्रतिशत थी।

तीसरी तिमाही की तुलना में चौथी तिमाही में वृद्धि दर की गिरावट अर्थव्यवस्था पर ओमिक्रोन संक्रमण के रोकथाम के लिए लगायी गयी पाबंदियों और वैश्विक भू-राजनैतिक तनाव के कारण पैदा चुनौतियों के प्रभाव के रूप में देखा जा रहा है।

सीईए नागेश्वरन ने कहा कि वित्त वर्ष 2022-23 की पहली तिमाही के दो महीने के आंकड़ों से संकेत है कि आर्थिक गतिविधियों में विस्तार जारी है। उन्होंने कहा कि वैश्विक बाजार में जिंसों की कीमतों में उछाल आयात पर ऊंची निर्भरता ज्यादातर महत्वपूर्ण देशों में नीतिगत ब्याज दर ऊंचा करने के रुझान आपूर्ति श्रृंखला में बाधा और वैश्विक अर्थव्यवस्था में मंदी के रुझान से भारत के निर्यात पर संभावित असर भारतीय अर्थव्यवस्था के सामने मुख्य चुनौती है।

उन्होंने कहा, इस वित्तीय वर्ष में आर्थिक वृद्धि, मुद्रास्फीति, राजकोषीय स्थिति और चालू खाते के घाटे तथा रुपये की विनिमय दर को संतुलित रखना देश की नीति का मुख्य केंद्र बना रहेगा।

आज जारी आंकड़ों के अनुसार वित्त वर्ष 2021-22 में जीडीपी वृद्धि 8.7 प्रतिशत रही जो सरकार के 8.9 प्रतिशत की वृद्धि से थोड़ी कम है। वित्त वर्ष 2020-21 में जीडीपी में 6.6 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गयी थी।

जीडीपी वृद्धि दर जनवरी-मार्च 2022 की तिमाही में 4.1 प्रतिशत

नयी दिल्ली। भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर वित्त वर्ष 2021-22 की चौथी तिमाही (जनवरी-मार्च 2022) में 4.1 प्रतिशत रही जो इससे पिछले वित्त वर्ष की इसी तिमाही में 2.5 प्रतिशत थी। मंगलवार को जारी सरकारी आंकड़ों में यह जानकारी दी गयी।

वित्त वर्ष 2021-22 की तीसरी तिमाही (अक्टूबर-दिसंबर 2021) में जीडीपी वृद्धि दर 5.4 प्रतिशत थी। जीडीपी वृद्धि दर में नरमी ओमिक्रोन वायरस के संक्रमण की लहर और वैश्विक परिस्थितियों के कारण पैदा चुनौतियों के प्रभाव को दर्शाता है।

सांख्यिकी एवं कार्यक्रम क्रियान्वयन मंत्रालय ने मंगलवार को जीडीपी के आंकड़े जारी करते हुए कहा कि वित्त वर्ष अप्रैल-मार्च 2021-22 में जीडीपी वृद्धि दर 8.7 प्रतिशत रही। इससे पिछले वित्त वर्ष 2020-21 में भारत की जीडीपी कोरोना महामारी और लॉकडाउन के चलते 6.6 प्रतिशत गिर गयी थी।

इस बीच, वित्त मंत्रालय द्वारा जारी ताजा आंकड़ों के अनुसार 2021-22 में राजकोषीय घाटा जीडीपी के 6.71 प्रतिशत के बराबर रहा जो वित्त मंत्रालय के संशोधित बजट अनुमान के 6.9 प्रतिशत से कम है। लेखा महानियंत्रक (सीजीए) ने एक रिपोर्ट में बताया कि वित्त वर्ष 2021-22 (अप्रैल-मार्च) में राशि के हिसाब से राजकोषीय घाटा 15,86,537 करोड़ रुपये (अनुमानित) रहा। सीजीए की रिपोर्ट के अनुसार पिछले वित्त वर्ष के दौरान राजस्व घाटा जीडीपी के 4.37 प्रतिशत के बराबर रहा।

उल्लेखनीय है कि वर्ष 2021-22 के बजट में राजकोषीय घाटा 6.8 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया था। वित्त वर्ष 2022-23 के बजट में राजकोषीय घाटा 6.9 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया गया है।

वित्त वर्ष 2021-22 की आर्थिक वृद्धि दर सरकार के अनुमान से हल्की कम है। वित्त मंत्रालय ने फरवरी 2022 में वित्त वर्ष 2021-22 की वृद्धि दर 8.9 रहने का अनुमान लगाया था।

मंत्रालय की रिपोर्ट के अनुसार, स्थिर मूल्य (2011-12 के मूल्य स्तर पर) 2021-22 की चौथी तिमाही का सकल घरेलू उत्पाद 40.78 लाख करोड़ रुपये रहने का अनुमान है। इससे पिछले वित्त वर्ष 2020-21 की चौथी तिमाही में स्थिर मूल्य पर जीडीपी 39.18 लाख करोड़ रुपये था, जो इस बार चौथी तिमाही की वास्तविक जीडीपी में वार्षिक आधार पर 4.1 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है।

शार्ट न्यूज

नितिन तंवर के शानदार खेल की मदद से एलबी शास्त्री क्लब जीता

नयी दिल्ली। मैन ऑफ द मैच नितिन तंवर के शानदार प्रदर्शन (45 नाबाद और 2/29), तेजस दहिया (52 नाबाद), हितेन दलाल (50) प्रियांशु आर्य (2/17) के शानदार खेल की मदद से एलबी शास्त्री क्लब ने मॉडर्न स्कूल बाराखंभा रोड ग्राउंड में खेले जा रहे 45वें रघुबीर सिंह हॉट वेदर क्रिकेट टूर्नामेंट में डीसी बाल भवन को मंगलवार को 5 विकेट से हराकर शानदार जीत दर्ज की। पराजित टीम की ओर से इंडिया अंडर 19 कैप्टन यश धुल 75 रन (सिर्फ 68 गेंद 2/4, 6/6), अर्पित राणा (37) और मयंक रावत (4/67) बल्ले और गेंद से शानदार प्रदर्शन करके भी अपनी टीम को जीत न दिला पाए ।रूपेश जयपुरियार (कोषाध्यक्ष, रघुबीर सिंह हॉट वेदर क्रिकेट टूर्नामेंट कमेटी) ने नितिन तंवर को किमती मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार प्रदान किया। संक्षिप्त स्कोर: डीसी बाल भवन -220 रन 40 ओवर में 9 विकेट पर (यश धुल 75, अर्पित राणा 37, नितिन तंवर 2/29, प्रियांशु आर्य 2/17) एल बी शास्त्री क्लब-221 रन 23.5 ओवर में 5 विकेट (तेजस दहिया 52 नाबाद, हितेन दलाल 50, नितिन तंवर 45 नाबाद, मयंक रावत 4/67)

रोसमेर्टा ग्रुप ने दिल्ली कैपिटल बैडमिंटन एसोसिएशन के साथ सहभागिता की

नई दिल्ली। दिल्ली कैपिटल बैडमिंटन एसोसिएशन ने 23 मई से 29 मई 2022 तक दिल्ली में दिल्ली स्टेट रैंकिंग प्राइज मनी बैडमिंटन टूर्नामेंट की मेजबानी की। दिल्ली कैपिटल बैडमिंटन एसोसिएशन दिल्ली राज्य में बैडमिंटन के लिए प्रमुख पेरेंट गवर्निंग बॉडी है। एसोसिएशन दिल्ली में बैडमिंटन को प्रोत्साहित कर रही है और जमीनी स्तर से प्रतिभा को प्रोत्साहित करने और पहचानने के लिए टूर्नामेंट आयोजित करती है। चैंपियनशिप का फाइनल द स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, दिल्ली विश्वविद्यालय, नॉर्थ कैंपस, दिल्ली में हुआ। अंतिम दिन और पुरस्कार समारोह के मुख्य अतिथि किरेन रिजिजू, मंत्री, कानून और न्याय, भारत सरकार और विशिष्ट अतिथि प्रो. योगेश सिंह, वाइस चांसलर, दिल्ली यूनिवर्सिटी थे। रोसमेर्टा ग्रुप जो दो दशकों से अधिक समय से भारत में कई ट्रांसपोर्ट टेक्नोलॉजी डोमेन में एक मार्केट लीडर है, ने इस आयोजन को सह-प्रायोजित किया है। लगातार आगे बढ़ते हुए, समूह ने भारत में अपनी तरह के कई पहले इनोवेटिव उत्पादों, सर्विसेज और समाधानों को पेश किया है, जैसे कि हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट्स (एचएसआरपी), स्मार्ट कार्ड-आधारित ड्राइविंग लाइसेंस, और वाहन पंजीकरण प्रमाणपत्र (डीएल, आरसी), इंटेलिजेंट ट्रांसपोर्ट मैनेजमेंट सिस्टम्स (एडीटीटी), ऑटोमेटेड ड्राइविंग टेस्ट ट्रैक्स (आईटीएमएस), ऑटोमेटेड इंस्पेक्शन एंड सर्टिफिकेशन (आईएंडसी), स्पीड लिमिटिंग डिवाइसेस (एसएलडी), ऑटोमोटिव रिसाइकलिंग, रोसमेर्टा माइक्रोडॉट्स और रोसमेर्टा हेल्थकेयर। भारत में आधुनिक युग की कंपनियों का प्रतिनिधित्व करने वाली युवा, उत्साही और जीवंत कंपनी ने हमेशा देश के उभरते खिलाड़ियों का समर्थन किया है।

चेक बाउंस मामले में महेंद्र सिंह धोनी समेत आठ पर मुकदमा

बेगूसराय। बिहार में बेगूसराय में न्यायिक दंडाधिकारी की अदालत में चेक बाउंस करने के मामले में न्यू ग्लोबल उपजवर्धक इंडिया लिमिटेड के अध्यक्ष एवं भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी समेत आठ लोगों पर परिवाद दायर किया गया है। मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी रुम्पा कुमारी की अदालत में नीरज कुमार निराला ने न्यू ग्लोबल उपजवर्धक इंडिया लिमिटेड, नयी दिल्ली के अध्यक्ष महेंद्र सिंह धोनी, मुख्य कार्यकारी अधिकारी राजेश आर्या, निदेशक (अकाउंट एडमिनिस्ट्रेशन) महेंद्र सिंह, मार्केटिंग प्रमुख अर्पित दुबे, एडी इमरान बिन जफर, मार्केटिंग प्रबंधक वंदना आनंद एवं बिहार के मार्केटिंग स्टेट प्रमुख अजय कुमार के खिलाफ भारतीय दंड विधान की धारा 406, 120 (बी) एवं एनआई अधिनियम की धारा 138 के तहत मुकदमा दर्ज कराया है। न्यायालय ने सोमवार को इस मामले की सुनवाई के बाद इस पर विचारण के लिए न्यायिक दंडाधिकारी अजय कुमार मिश्रा के न्यायालय में भेज दिया। मामले में अगली सुनवाई के लिए 28 जून 2022 की तिथि निश्चित की गई है। आरोप के अनुसार, वर्ष 2021 में परिवादी नीरज कुमार निराला ने न्यू ग्लोबल उपजवर्धक इंडिया लिमिटेड का सीएनएफ लिया। सीएनएफ लेने के लिए उन्होंने 36 लाख 86 हजार रुपये कंपनी को दिए। कंपनी ने परिवादी को फर्टिलाइजर भेज दिया लेकिन कंपनी के असहयोग के कारण फर्टिलाइजर बेचने में परेशानी होने लगी। इसी को लेकर परिवादी एवं कंपनी के बीच विवाद होने पर कंपनी ने 30 लाख रुपये का चेक देते हुए सभी फर्टिलाइजर वापस ले लिया।

सचिन तेंदुलकर की आईपीएल इलेवन के कप्तान बने हार्दिक पांड्या

मुम्बई। क्रिकेट लीजेंड सचिन तेंदुलकर ने आईपीएल 2022 में बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले एक से बढ़कर एक खिलाड़ियों को चुनकर अपनी बेस्ट इलेवन तैयार की है जिसका कप्तान उन्होंने आईपीएल विजेता टीम गुजरात टाइटंस के कप्तान हार्दिक पांड्या को बनाया है। सचिन ने ओपनिंग जोड़ी के रूप में शिखर धवन और जोस बटलर को चुना है । सचिन ने केएल राहुल को नंबर तीन और हार्दिक पांड्या को नंबर 4 पर बल्लेबाजी के लिए चुना है। सचिन ने हार्दिक पांड्या को अपनी टीम का कप्तान चुना है। सचिन ने नंबर 5 पर बल्लेबाजी के लिए दक्षिण अफ्रीका के खतरनाक बल्लेबाज डेविड मिलर को चुना है। वहीं, नंबर 6 पर इंग्लैंड के खतरनाक ऑलराउंडर लियाम लिविंगस्टोन को मौका दिया है। सचिन ने नंबर 7 पर बल्लेबाजी के लिए खतरनाक फिनिशर दिनेश कार्तिक को चुना है और अपनी प्लेइंग इलेवन में विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी दिनेश कार्तिक को सौंपी है।सचिन ने अपनी प्लेइंग इलेवन में भारत के लेग स्पिनर युजवेंद्र चहल और अफगानिस्तान के घातक लेग स्पिनर राशिद खान को चुना है। सचिन ने जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद शमी को बतौर तेज गेंदबाज चुना है।

क़तर विश्व कप के बाद सन्यास लेंगे डि मारिया

ब्यूनस आयर्स। अर्जेंटीना के फुटबॉल खिलाड़ी एंजल डि मारिया ने मंगलवार को कहा कि वह इस साल क़तर में होने वाले फुटबॉल विश्व कप के बाद सन्यास ले लेंगे। डि मारिया ने यहां वेंबली में इटली के खिलाफ बुधवार को होने वाले मैच से पहले संवाददाताओं से कहा, इस विश्व कप के बाद (सन्यास का) समय हो जाएगा। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बहुत से खिलाड़ी हैं जो बेहतर होते जा रहे हैं। धीरे-धीरे वे दिखा देंगे कि वे इस स्तर के लिये तैयार हैं। 34 वर्षीय डि मारिया ने राष्ट्रीय टीम के लिए 121 मैच खेले और 24 गोल किए हैं। उन्होंने पिछली जुलाई में कोपा अमेरिका के फाइनल में अर्जेंटीना के लिये एकलौता गोल किया था जिसकी बदौलत उनकी टीम ने ब्राज़ील को 1-0 से हराकर 28 वर्षों में अपना पहला बड़ा खिताब जीता था। डि मारिया आने वाली गर्मियों में पीएसजी का दामन भी छोड़ देंगे। अभी तक यह निर्धारित नहीं हो पाया है कि वह अपना अगला क्लब फुटबॉल सीज़न किस टीम की ओर से खेलेंगे, लेकिन उन्होंने कहा है कि इतने सालों बाद अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेलते रहना खुदगर्ज़ी होगी।

मैं जो भी कहूंगा, उसको अमल में लाने का प्रयास करूंगाः निकोलस पूरन

एम्सटर्डम। वेस्टइंडीज़ के टी20 और वनडे टीम के कप्तान निकोलस पूरन ने कहा है कि फ़ील्ड पर वह एक स्वाभाविक नेतृत्वकर्ता के रूप में टीम को आगे लेकर जाएंगे और परिस्थितियों के हिसाब से अपना फ़ैसला लेंगे। नीदरलैंड के ख़िलाफ़ मंगलवार से एम्सटर्डम में तीन मैचों की वनडे सीरीज़ शुरू हो रही है। 26 वर्षीय पूरन इससे पहले दो वनडे, आठ टी20 अंतर्राष्ट्रीय और सीपीएल में गुयाना अमेज़ॉन वारियर्स की कप्तानी कर चुके हैं। पिछले कुछ वर्षों में वह टीम के उपकप्तान भी रहे हैं। इस महीने की शुरुआत में कीरोन पोलार्ड के संन्यास लेने के बाद उन्हें कप्तानी सौंपी गई है।

कोरिया से 4-4 के ड्रा के बाद कांस्य पदक के लिए जापान से खेलेगा भारत

जकार्ता। हीरो एशिया कप के सुपर चार के आखिरी मुकाबले में मंगलवार को कोरिया के साथ 4-4 का ड्रॉ खेलने के बाद भारतीय हॉकी टीम फ़ाइनल की होड़ से बाहर हो गयी।

इंडोनेशिया की राजधानी जकार्ता में चल रहे टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंचने के लिये भारत को यह मैच जीतने की ज़रूरत थी, लेकिन कड़े प्रयास के बाद भी वह मुकाबले को 4-4 के साथ ड्रॉ ही करा सकी।

अब फाइनल में कोरिया का मुकाबला मलेशिया से होगा जबकि भारत तीसरे स्थान के लिये जापान का सामना करेगा।

जीबीके एरिना में आयोजित मुकाबले में भारत को अच्छी शुरुआत मिली और मैच के नौंवे मिनट में ही नीलम संजीप ने पेनल्टी कॉर्नर को गोल में तब्दील करते हुए भारत को 1-0 की बढ़त दिलायी, हालांकि यह बढ़त ज़्यादा देर तक नहीं रही और कोरिया के जांग जोंग्युन ने पेनल्टी कॉर्नर का फायदा उठाते हुए स्कोर को 1-1 कर दिया।

दूसरे क्वार्टर की शुरुआत में भारत ने ज़ोरदार शुरुआत की लेकिन कोरिया के गोलकीपर की बेहतरीन रक्षा की बदौलत भारत गोल न कर सका और कोरिया ने 18वें मिनट में क्वार्टर का

पहला गोल करते हुए अपनी लीड 2-1 से बढ़ा ली। इसके जवाब में मनिंदर सिंह ने 21वें मिनट में मिले पेनल्टी कॉर्नर को गोल में तब्दील किया और दोनों टीम 2-2 की बराबरी पर आ गयीं।

इसके फ़ौरन बाद शेशे गौड़ा ने 22 मिनट में एक गोल कर भारत को 3-2 की बढ़त तक पहुंचा दिया।हाफ़ टाइम से ठीक पहले कोरिया के किम जंगहू ने एक गोल करते हुए मुकाबले को 3-3 कर दिया।

तीसरे क्वार्टर में भारत के लिये मरीश्वरण (37वां मिनट) और कोरिया के लिये जंग मानजाई (44वां मिनट) ने एक-एक गोल किया।

4-4 से शुरू हुए चौथे क्वार्टर में भारत को कम से कम एक गोल करना था ताकि वह फाइनल तक पहुंच सके, मगर कड़े प्रयास के बावजूद भारत यह करने में नाकामयाब रहा और कोरिया ने ड्रॉ के साथ फाइनल में जगह बना ली। इस ड्रॉ में कोरिया के नायक उसके गोलकीपर रहे जिन्होंने अपनी टीम के लिये भारत के कई महत्वपूर्ण प्रयास रोके।

मैच के अंतिम 10 सेकंड में भारतीय खिलाड़ी कोरियाई गोल के बहुत करीब पहुंच गये थे लेकिन गोलकीपर ने गेंद को रोक कर फाइनल में अपनी टीम के लिये जगह सुनिश्चित की।

अब कोरिया और मलेशिया बुधवार को फाइनल में एशिया कप के लिये अपनी दावेदारी पेश करेंगे जबकि भारत तीसरे स्थान के लिये जापान से भिड़ेगा।

आईपीएल विजेता बनने पर गुजरात टाइटंस को अमूल गर्ल ने दी कुछ ऐसे बधाई

नयी दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग 2022 रविवार को संपन्न हो गया है और इसके फाइनल में जीत दर्ज करके गुजरात टाइटंस ने इतिहास रच दिया है।

आईपीएल के इस सीजन में पहली बार मैदान पर उतरी गुजरात की टीम ने हार्दिक पांड्या की कप्तानी में जबर्दस्त प्रदर्शन किया और कई बार की चैंपियन टीमों को करारी शिकस्त देकर कप पर कब्जा कर लिया। गुजरात की इस धमाकेदार जीत के बाद देश में इसी राज्य के प्रमुख दूध उत्पादक अमूल ने अपने चिरपरिचित अनोखे कार्टून से टीम को बधाई दी है।

आनंद मिल्क यूनियन लिमिटेड यानी अमूल ने देश के पहले बहुभाषी माइक्रो-ब्लॉगिंग प्लेटफॉर्म कू ऐप के जरिये गुजरात टाइटंस की शानदार विजय को याद दिलाया है। अपनी पोस्ट में अमूल गर्ल कार्टून के साथ इसने लिखा है, अमूल सामयिक: गुजरात टाइटंस ने आईपीएल के अपने डेब्यू सीजन (पहली बार आने वाले सत्र) में सनसनीखेज जीत हासिल की। इसके साथ ही अमूल का सिग्नेचर स्टाइल कार्टून भी दिया गया है, जिसमें सबसे ऊपर लिखा हुआ है, टाइटंस याद हैं! 'हार्दिक' स्वागत के लिए अमूल। इस कार्टून में अमूल गर्ल को आईपीएल ट्राफी को हाथों में लिए हार्दिक पांड्या के साथ बगल में खड़े दिखाया गया है और उसके एक हाथ में चमकता हुआ अमूल बटर है, जो हार्दिक पांड्या और अमूल गर्ल द्वारा विक्टरी साइन के रूप में दिखाई जा रही उनकी अंगुलियों के ऊपर भी लगा नजर आ रहा है।

गौरतलब है कि अहमदाबाद स्थित नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेले गए आईपीएल फाइनल में गुजरात टाइटंस ने राजस्थान रॉयल्स को सात विकेट से हराकर चैंपियनशिप अपने नाम की है। छह साल बाद इस लीग को नया विजेता मिला है और गुजरात टाइटंस खिताब अपने नाम करने वाली। सातवीं टीम बन गई है।

फाइनल मुकाबले में गुजरात टीम के कप्तान हार्दिक पांड्या ने अपनी दमदार गेंदबाज़ी के दम पर राजस्थान को 130 रनों पर ही रोक दिया था। हालाँकि, हार्दिक ने अपने बल्ले से सिर्फ 16 रन का योगदान दिया, लेकिन संजू सैमसन, हेत्माएर और बटलर जैसे बड़े बल्लेबाज़ों का विकेट लिया।

खराब फॉर्म के बावजूद ट्विटर पर आईपीएल चर्चा का केंद्र रहे कोहली

मुंबई। भारत में क्रिकेट पर चर्चा के लिये सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्विटर मशहूर है। जनवरी 2021 से जनवरी 2022 के बीच क्रिकेट ट्विटर के नाम से पहचानी जाने वाली सोशल मीडिया कम्यूनिटी के 44 लाख सदस्यों ने 9.62 करोड़ ट्वीट कर खेल के लिये अपना प्रेम जताया।

आईपीएल 2022 शुरू होते ही क्रिकेट प्रेमियों का जमघट मैदान के साथ-साथ ट्विटर पर भी देखने को मिला। आईपीएल के इस सीज़न में जहां एक तरफ़ गुजरात टाइटन्स ने ख़िताब अपने नाम किया, वहीं रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर ट्विटर पर बाज़ी मारते हुए इस साल की सर्वाधिक चर्चित टीम रही।साथ ही आरसीबी के पूर्व कप्तान विराट कोहली ख़राब फॉर्म के बावजूद चर्चा का केंद्र रहे और इस सीज़न सबसे ज़्यादा ट्वीट्स उनके बारे में ही किये गये।

सबसे ज़्यादा ट्वीट्स इस टीम के बारे में हुए- टीमों की श्रेणी में 26 मार्च 2022 से 30 मई 2022 तक सबसे ज़्यादा ट्वीट्स रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के बारे में हुए, जबकि चार बार की आईपीएल विजेता चेन्नई सुपरकिंग्स इस सूची में दूसरे स्थान पर रही। पांच बार आईपीएल जीत चुकी मुंबई इंडियन्स भले ही अंक तालिका में सबसे नीचे रही हो लेकिन लोकप्रियता के मामले में वह तीसरे स्थान पर रही। इसके अलावा संजू सैमसन की राजस्थान रॉयल्स चौथे स्थान पर और कोलकाता नाइट राइडर्स सूची में पांचवे स्थान पर रही।अपने पहले ही सीज़न में आईपीएल ट्रॉफ़ी घर ले जाने वाली गुजरात टाइटन्स छठी सबसे ज़्यादा चर्चित टीम रही।

इस खिलाड़ी ने मारी बाज़ी- दूसरी ओर, भारत के स्टार बल्लेबाज़ विराट कोहली की ख़राब फॉर्म भी उनकी लोकप्रियता पर असर नहीं डाल सकी और वह इस आईपीएल के सबसे ज़्यादा चर्चित खिलाड़ी रहे। गुजरात टाइटन्स के ख़िलाफ़ करो या मरो के मुकाबले में उनके शानदार अर्धशतक ने कई प्रशंसकों की तारीफ़ें बटोरीं।

क्रिकेट ट्विटर ने किंग कोहली के बाद महेंद्र सिंह धोनी की सबसे ज़्यादा चर्चा की। बीच सीज़न में चेन्नई सुपरकिंग्स की कप्तानी संभालने वाले थाला धोनी ने अपनी टीम के लिये पहले ही मैच में एक अर्धशतक जड़ा। उन्होंने मुंबई इंडियन्स के खिलाफ़ लीग मैच के अंतिम ओवर में 16 रन जड़कर मैच फिनिश करते हुए अपने प्रशंसकों को पुराने दिनों की याद भी दिलाई।

सूची में तीसरे स्थान पर मुंबई इंडियन्स के कप्तान रोहित शर्मा और चौथे स्थान पर चेन्नई के स्टार ऑलराउंडर रविंद्र जडेजा रहे, जो पसली की चोट के कारण बीच सीज़न टीम से बाहर हो गये थे।

बैंगलोर के नये कप्तान फाफ डु प्लेसिस ने सूची में पांचवा स्थान हासिल किया। अपने पहले आईपीएल सीज़न में टीम को प्लेऑफ़ तक ले जाने के लिये उन्होंने कई तारीफ़ें बटोरीं, हालांकि वह आरसीबी को उसकी पहली आईपीएल ट्रॉफ़ी नहीं दिला सके। हैशटैग में चेन्नई, बैंगलोर का दबदबा-हैशटैग के मामले में क्रिकेट ट्विटर पर सीएसके और आरसीबी का वर्चस्व साफ़ दिखा।

ईरान के परमाणु कार्यक्रम से चिंतित है संयुक्त राष्ट्र, बताया- कैसे बना सकता है हथियार

नई दिल्ली। यूनाइटेड नेशंस की एटॉमिक एजेंसी ने कहा है कि ईरान ने देश में मिले परमाणु सामग्री की जांच के लिए विश्वसनीय जवाब नहीं दिया है और बताया कि ईरान ने यूरेनियम का भंडार जमा कर लिया है जिससे आसानी से परमाणु बम बनाया जा सकता है। रिपोर्ट्स के मुताबिक यूनाइटेड नेशंस के देश ईरान के परमाणु कार्यक्रम को लेकर चिंतित हैं।

अटका हुआ है परमाणु समझौता

2015 के परमाणु समझौते को पुनर्जीवित करने पर बातचीत रुकी हुई है। इस समझौते ने अधिकांश अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंधों को हटाने के बदले ईरान के परमाणु कार्य पर कड़े लेकिन अस्थायी प्रतिबंध लगाए थे। अमेरिका द्वारा 2018 में परमाणु समझौते को छोड़ने के बाद से ईरान ने अपने परमाणु कार्यक्रम को बढ़ा दिया है जिसमें 60 फीसद तक समृद्ध यूरेनियम का उत्पादन शामिल है जो कि हथियार-ग्रेड सामग्री के करीब है।

परमाणु सामग्री की जांच पर रोक!

अमेरिका द्वारा परमाणु समझौते को छोड़ने से हुआ ये कि ईरान में पाए जाने वाले परमाणु सामग्री की जांच पर भी एक स्तर तक रोक लग गई। इसे कई विशेषज्ञ कई साल पहले ईरान द्वारा किए गए परमाणु हथियार पर काम से संबंधित मानते हैं। रिपोर्ट्स ने अगले महीने अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी के सदस्य राज्यों के बोर्ड में लड़ाई छेड़ दी है। ईरान चाहता है कि एजेंसी की जांच अगले महीने बंद हो जाए।

ईरान के साथ समझौते की मांग कर रहा अमेरिका?

ईरानी अधिकारियों ने कहा है कि परमाणु वार्ता में शामिल पश्चिमी राजनयिकों के मुताबिक जांच को समाप्त करने में विफलता परमाणु समझौते को पुनर्जीवित करने के प्रयासों को जटिल बना सकती है। एजेंसी ने परमाणु सामग्री के बारे में सवालों के जवाब देने में ईरान की निरंतर विफलता की कड़ी आलोचना की है। वाशिंगटन अभी भी परमाणु समझौते को पुनर्जीवित करने के लिए ईरान के साथ एक समझौते की मांग कर रहा है। ईरान का कहना रहा है कि उसका परमाणु कार्यक्रम हमेशा शांतिपूर्ण उद्देश्यों के लिए रहा है।

परमाणु हथियार बनाने के लिए ईरान के पास पर्याप्त सामग्री

वॉल स्ट्रीट जर्नल ने रिपोर्ट्स के हवाले से बताया है कि ईरान ने 43.3 किलोग्राम यूरेनियम जमा कर लिया है। पिछले तीन महीने में ईरान ने 10 किलोग्राम यूरेनियम जमा किया है। एक्सपर्ट्स का कहना है कि ईरान का 43.3 किलो का भंडार अब उस कथित मात्रा से ऊपर है जो बताती है कि परमाणु हथियार के लिए कितनी परमाणु सामग्री की आवश्यकता हो सकती है। विशेषज्ञों का कहना है कि ईरान को 43 किलो से 66 किलो तक पहुंचने में कुछ हफ्तों का वक्त लगेगा।

जरदारी संग सुलह के लिए रियाज से संपर्क की बात से इमरान का इंकार

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने मंगलवार को पूर्व राष्ट्रपति व पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी के सह-अध्यक्ष आसिफ अली जरदारी के साथ सुलह करने के लिए रियल एस्टेट कारोबारी मलिक रियाज के साथ संपर्क करने की बात से इंकार किया है। जियो न्यूज ने अपनी रिपोर्ट में यह जानकारी दी। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ के प्रमुख इमरान खान की यह प्रतिक्रिया श्री रियाज और जरदारी के बीच फोन पर हुई कथित बातचीत के लीक होने के मद्देनजर आई है। इस ऑडियो क्लिप में रियाज यह कहते हुए सुने जा सकते हैं कि श्री इमरान सुलह के लिएजरदारी से संपर्क करना चाहते हैं। यह ऑडियो क्लिप किस तारीख की है और समय क्या है इसकी अभी पुष्टि नहीं हो पाई है।

मलेशिया ने चिकन के निर्यात पर लगाई पाबंदी, सिंगापुर में गहराया संकट

एजेंसी

कुआलालंपुर। मलेशिया बुधवार से मुर्गे का निर्यात बंद करने का फैसला लिया है। इससे पड़ोसी सिंगापुर में संकट पैदा हो गया है, जहां चिकन-चावल एक लोकप्रिय राष्ट्रीय भोजन है। मलेशिया घरेलू खाद्य आपूर्ति बढ़ाने के अपने संरक्षणवादी कदम के तहत ऐसा कर रह है। मलेशिया के प्रधानमंत्री इस्माइल साबरी याकूब ने पिछले हफ्ते घोषणा की थी कि देश एक जून से घरेलू कीमतें और उत्पादन स्थिर होने तक प्रति महीने 36 लाख मुर्गों के निर्यात पर प्रतिबंध लगाएगा। इस कदम का सबसे ज्यादा असर सिंगापुर में महसूस किया जा सकता है, जो मलेशिया से अपने पोल्ट्री उत्पादों का एक-तिहाई हिस्सा आयात

करता है। सिंगापुर स्ट्रेट्स टाइम्स ने कहा कि चिकन विक्रेताओं ने अनुमान लगाया है कि चिल्ड (बर्फ से नियत तापमान पर ठंडा कर संरक्षित किए गए) चिकन की कीमत 30 प्रतिशत तक बढ़ सकती है, जिससे चिकन से तैयार व्यंजनों की कीमतों में वृद्धि होना तय है। सिंगापुर सरकार ने उपभोक्ताओं से फ्रोजन चिकन और अन्य वैकल्पिक मांस आजमाने का आग्रह किया है। वह ताजा चिकन के लिए नए बाजारों की तलाश कर रही है। लेकिन हॉकर स्टॉल से लेकर शीर्ष होटलों तक हर जगह बिकने वाले चिकन चावल को लेकर चिंता है।

चिकन संकट में यूक्रेन युद्ध भी अहम कारक

लोकप्रिय भोजनालय तियान तियान हैनानी चिकन राइस मलेशिया से मुर्गे मंगाता रहा है। भोजनालय ने कहा है कि अगर वह नए आपूर्तिकर्ताओं को खोजने में विफल रहता है तो फ्रोजेन चिकन के बजाय सूअर के मांस का इस्तेमाल करेगा या फिर समुद्री भोजन पेश करेगा। मलेशिया ने यह संरक्षणवादी कदम दुनिया भर के देशों में बढ़ती खाद्य कीमतों के बीच उठाया है। इसमें यूक्रेन युद्ध भी अहम कारक है। दरअसल, यूक्रेन मकई और अनाज का एक प्रमुख निर्यातक है जो चिकन फीड के तौर पर काम आता है।

यूक्रेन में दो रूसी सैनिकों को 11.5 वर्ष कैद की सजा

कीव। यूक्रेन की एक अदालत ने युद्ध कानून का उल्लंघन करने के दोषी दो रूसी सैनिकों को 11.5 साल कैद की सजा सुनाई है। इससे पहली की सुनवाई में यूक्रेनी अधिकारियों ने ओलेक्संद्र बोबिकिन तथा ओलेक्संद्र इवानोव को दोषी करार दिया था। इन दोनों रूस की ओर से यूक्रेन के खिलाफ गत 24 मई को सैन्य अभियान शुरू किया जाने के समय रूस के बेलगोरोड क्षेत्र से यूक्रेन के खार्किव क्षेत्र में सतह से रॉकेट दागे थे। सीएनएन न्यूज चैनल ने पोल्तावा क्षेत्र की कोटेलेवस्की जिला अदाल में ऑनलाइन सुनवाई करने वाले न्यायाधीश के हवाले से अपनी रिपोर्ट में कहा, अदालत पर प्रतिवादियों को दोषी करार दिए जाने को लेकर दबाव नहीं है। अदालत ने उचित तरीके इन्हें दोषी करार दिया है। सीएनएन ने न्यायालय की वेबसाइट पर प्रकाशित विस्तृत केस रिपोर्ट के हवाले से बताया है कि न्यायालय ने कहा कि इन लोगों ने खार्किव में जाचा लोप तथा वेटरतोपों से गोलीबारी की थी और निजी घरों सहित बुनियादी ढांचे को क्षति पहुंचाई थी। उल्लेखनीय है कि इससे पहले 23 मई को रूसी सैनिक वदिम शिशिमरीन को एक अज्ञात 62 वर्षीय यूक्रेन नागरिक की हत्या के आरोप में उम्रकैद की सजा सुनाई गई थी।

पाकिस्तान,टीटीपी ने अनिश्चितकाल तक संघर्षविराम जारी रखने पर जतायी सहमति

इस्लामाबाद। पाकिस्तानी अधिकारियों और तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) ने वर्तमान संघर्ष को अनिश्चित काल के लिए बढ़ाने पर सहमत हुए हैं। पाकिस्तानी अखबार एक्सप्रेस ट्रिब्यून ने मंगलवार को अपनी रिपोर्ट में यह जानकारी दी। दोनों पक्षों ने इस महीने की शुरुआत में एक बैठक में विरोधी पक्ष द्वारा रखी गई कुछ मांगों पर आपत्ति व्यक्त करने के बाद यह इस संबंध में घोषणा की। अखबार के मुताबिक दोनों पक्षों ने गतिरोध को समाप्त करने के प्रयास के तहत बातचीत जारी रखने पर भी सहमति व्यक्त की है और इस उद्देश्य के लिए तीन सदस्यीय समिति का गठन किया है। इन वार्ताओं का नेतृत्व हक्कानी नेटवर्क के प्रमुख सिराजुद्दीन हक्कानी करेंगे। इस समिति में टीटीपी का प्रतिनिधित्व मुफ्ती घोफरान, कमांडर जरार और उमर खालिद खोरासानी करते हैं जबकि पाकिस्तानी प्रतिनिधिमंडल में वरिष्ठ सैन्य और खुफिया अधिकारी शामिल हैं। पाकिस्तानी अधिकारियों की ओर से एक दूसरी कमेटी भी बनाई गई है। इस समिति में तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) का प्रतिनिधित्व मुफ्ति गुफरान, कमांडर जरार और श्री खालिद खोरसानी करेंगे, जबकि पाकिस्तान के प्रतिनिधिमंडल में वरिष्ठ सैन्य खुफिया विभाग के अधिकारी रहेंगे। पाकिस्तान के अधिकारियों ने इसके लिए एक अन्य समिति भी गठित की है। इस संबंध में दोनों पक्षों के बीच इस महीने की शुरुआत से ही काबुल में बातचीत चल रही है। इसी के कारण दो बार सुरक्षा बलों और तालिबान के बीच संघर्ष विराम का विस्तार हुआ है।

जॉर्जियाः दक्षिण ओसेतिया ने रूस में शामिल होने पर जनमत संग्रह किया रद्द

त्बिलिसी। जॉर्जिया से अलग होकर बने दक्षिण ओसेतिया क्षेत्र ने रूस में शामिल होने पर एक जनमत संग्रह कराने की योजना को रद्द कर दिया,जो पिछले नेतृत्व द्वारा 17 जुलाई को निर्धारित किया गया था। अल जज़ीरा ने मंगलवार को यह जानकारी दी। वर्ष 2008 में रूस और जॉर्जिया ने दक्षिण ओसेतिया को लेकर युद्ध किया था। इसके बाद रूस ने इस क्षेत्र को एक स्वतंत्र देश के रूप में मान्यता दी और वहां अपने सैन्य ठिकाने स्थापित किए। एक डिक्री में रूस-नियंत्रित एन्क्लेव के वास्तविक राष्ट्रपति एलन गैग्लोव ने 'एक जनमत संग्रह के लिए प्रस्तुत मुद्दे के कानूनी परिणामों की अनिश्चितता' का आह्वान किया और 'रूसी संघ के वैध अधिकारों और हितों को प्रभावित करने वाले मुद्दों पर एक जनमत संग्रह के एकतरफा निर्णय की अक्षमता' पर भी जोर दिया। गैग्लोव ने दक्षिण ओसेशिया और रूसी संघ के आगे एकीकरण से संबंधित मुद्दों की पूरी श्रृंखला पर रूसी पक्ष के साथ बिना किसी देरी के, परामर्श करने का आदेश दिया। गैग्लोव के पूर्ववर्ती, अनातोली बिबिलोव ने 13 मई को रूस में शामिल होने के लिए क्षेत्र की 'ऐतिहासिक आकांक्षा' का हवाला देते हुए जनमत संग्रह पर एक डिक्री पर हस्ताक्षर किए।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं... से मुद्रित एवं , ब्लाक नं 23 मकान नं 399 त्रिलोक पुरी दिल्ली -91 से प्रकाशित
संपादकः प्रवीण कुमार सिंह, आरएनआई नं. ·DELHIN/2011/38334, किसी भी विवाद के लिए पीआरबी एक्ट अंतर्गत उत्तरदायी, टेलीफोन नं.: 011-26700510/11 , ई-मेल : info@gauravshalibharat.com, समस्त विवादो का न्यायलय दिल्ली होगा

लॉग टर्म कोर्स की बजाय रोजगार पर ज्यादा ध्यान दे रहे हैं आज के युवा

नौकरी तलाश करने वालों के लिए ये जो अनिष्ट ठहराव आया है, संभवतः उनके लिए एक नया रास्ता खोल दिया है, जब वे कुछ नया सीख सकते हैं और अपनी प्रक्षेत्र विशेषज्ञता को बढ़ा सकते हैं।

एक ऑनलाइन शैक्षिक कंपनी, टलेंटेज और मार्किट रिसर्च एजेंसी के एक ताजा सर्वे के अनुसार भविष्य में लंबी अवधि के कॅरियर की योजना बनाना संभव नहीं होगा, क्योंकि विकास की गति जॉब मार्केट में बढ़ रही है और युवाओं को लगातार समय की मांग के मुताबिक खुद को ऐसे परिवेश में ढालना बेहद जरूरी होगा। वहीं इससे पहले किये गए एक सर्वेक्षण के मुताबिक आधा से ज्यादा नौकरी तलाश करने वालों ने लंबी अवधि के कॅरियर के उचित अवसर और विकास के लिए अपने कौशल को बढ़ाने के लिए लॉकडाउन अवधि का उपयोग किया। नौकरी तलाश करने वालों के लिए ये जो अनिष्ट ठहराव आया है, संभवत : उनके लिए एक नया रास्ता खोल दिया है, जब वे कुछ नया सीख सकते हैं और अपनी प्रक्षेत्र विशेषज्ञता को बढ़ा सकते हैं। डेटा साइंस और एनालिटिक्स कोर्स (22 प्रतिशत), इसके बाद डिजिटल मार्केटिंग (20 प्रतिशत), और वित्त और जोखिम प्रबंधन (16 प्रतिशत) शीर्ष पाठ्यक्रमों में से थे जो नौकरी ढूढ़ने वालों द्वारा चुने गए थे।

गेजिंग इन टू द फ्यूचर

यंग इंडिया, देयर एस्पिरेशंस एंड कॅरियर चॉइस के एक सर्वेक्षण के अनुसार, अल्पकालिक पेशेवर योजना ही एक सही रास्ता है। उत्तरदाताओं ने कहा कि वे तेजी से एक 'नौकरी' के बारे में सोचेंगे और 'कॅरियर' नहीं, क्योंकि उनके आसपास की चीजें तेजी से बदल रही हैं और वे अगले पांच वर्षों में भी ऐसे जीवन कॅरियर की कल्पना नहीं कर सकते हैं जब बहुत सारे वैकल्पिक पाठ्यक्रमों के होते हुए भी शायद ही कुछ ऐसे होंगे जो एक उचित परिपेक्ष्य में, अनुकूल और लाभप्रद रोजगार दे सकेंगे। टलेंटेज ने 20,000 छात्रों में से ऐसे उत्तरदाताओं की पहचान की है जिन्होंने इस संस्था में पिछले वर्ष नामांकन किया था, उनमें से 60 उत्तरदाताओं ने इस सर्वे में भाग लेने के लिए फाइनल कट दिया है। सर्वेक्षण पर आधारित यह अध्ययन लगभग पांच वर्षों तक किया गया, जिसमें से मानव संसाधन प्रमुखों, सीएक्सओ, कॅरियर काउंसलर और समाजशास्त्रियों के उत्कृष्ट विचारों को संज्ञान में लिया गया, ताकि इस उभरते हुए झुकाव की विस्तृत तस्वीर सामने आ सके और उम्मीदवारों को सही मार्गदर्शन मिल सके। टलेंटेज के आदित्य मालिक ने एक बिजनेस समाचार पत्र में दिए गए एक वक्तव्य में बताया कि 29 साल की औसत आयु के साथ भारत 2026 तक दुनिया का सबसे युवा देश होगा। उन्होंने बताया की वो युवा भारतीयों के विचारों को, उनके कॅरियर के विकल्पों की संभावनाओं को और उनकी महत्वाकांक्षाओं के बारे में समझना चाहते थे। अध्ययन में पाया गया कि डिग्रियों का कम्पित अधिग्रहण कॅरियर का एक नया मापदंड होगा, जैसा कि उत्तरदाताओं ने कहा कि उन्हें क्रियाशील व व्यावहारिक तजुर्बों से सीखना होगा और जरूरत पड़ने पर और अधिक डिग्री हासिल करनी होगी। विशेषज्ञों ने इस सर्वेक्षण पर विचार विमर्श किया और पाया की शिक्षा सिर्फ एक बार का मामला नहीं होगा बल्कि एक सतत प्रक्रिया होगी जिसमें युवा जैसे जैसे आगे बढ़ते जायेंगे, डिग्रियां हासिल करते रहेंगे। आदित्य मालिक ने आगे बताया कि कॉर्पोरेट दुनिया के साथ बढ़ती निराशा युवाओं के जूनून को काम में परिवर्तित करने में उन्हें आगे ले जाएगी। लीक से हटकर बढ़ते हुए पाठ्यक्रमों ने नए कॅरियर को पंख दे दिए हैं। और आज के युवा भी शायद इसे ही ज्यादा महत्त्व दे रहे हैं और अपना रुझान भी इसी पर केंद्रित कर रहे हैं। विशेषज्ञों ने कहा कि उद्यमिता, रचनात्मकता और नवाचार के लिए आज एक बहुत बड़ा स्कोप खुल गया है, यह स्वीकार करते हुए कि वे इस बात को लेकर निश्चित नहीं थे कि यह कितना आकर्षक होगा, क्योंकि इसके लिए बहुत अधिक प्रयास और परिश्रम की आवश्यकता होती है। तो अगर आप एक युवा हैं और अपने कॅरियर को लेकर गंभीर हैं तो शायद आप अच्छी तरह से समझ गए होंगे कि शार्टटर्म का कोई मनचाहा कोर्स आपको सही दिशा में ले जायेगा या फिर कोई लॉन्गटर्म वाला कोर्स।

जीवाश्म विज्ञानी के रूप में तलाशें रोजगार की संभावनाएं

एक जीवाश्म विज्ञानी जीवाश्मों अर्थात प्राचीन जीवों के अवशेषों का अध्ययन करते हैं ताकि पृथ्वी या प्रागैतिहासिक जीवन पर पिछले जीवन की पड़ताल की जा सके। यह छोटे बैक्टीरिया से लेकर विशालकाय डायनासोर तक हैं, ये जीवाश्म एक अरब वर्ष पुराने भी हो सकते हैं।

पृथ्वी पर जीवन की शुरूआत लाखों-करोड़ों साल पहले ही हो गई है। ऐसे कई जीव व जानवर हैं, जो सालों पूर्व धरती पर मौजूद थे, लेकिन अब वह विलुप्त हो चुके हैं। लेकिन उनके जीवाश्म की मदद से पृथ्वी पर जीवन के इतिहास के अध्ययन को ही पेलियोन्टोलॉजी कहा जाता है। यह जीवाश्मों के अध्ययन के माध्यम से पृथ्वी पर पिछले जीवन की जांच है। जीवाश्म पौधों, जानवरों, कवक, बैक्टीरिया और अन्य एकल-कोशिका वाले जीवित जीवों के अवशेष या निशान हैं जो भूवैज्ञानिक अतीत में रहते थे और पृथ्वी की क्रस्ट में संरक्षित हैं। आमतौर पर यह माना जाता है कि पेलियोन्टोलॉजिस्ट सिर्फ डायनासोर का अध्ययन करते हैं, जबकि यह सच नहीं है। बल्कि यह जीवाश्मों की मदद से पृथ्वी पर जीवित चीजों की पूरी प्रजातियों का अध्ययन है। तो चलिए जानते हैं कि इस क्षेत्र में कैसे बनाएं करियर

क्या होता है काम

एक जीवाश्म विज्ञानी जीवाश्मों अर्थात प्राचीन जीवों के अवशेषों का अध्ययन करते हैं ताकि पृथ्वी या प्रागैतिहासिक जीवन पर पिछले जीवन की पड़ताल की जा सके। यह छोटे बैक्टीरिया से लेकर विशालकाय डायनासोर तक हैं, ये जीवाश्म एक अरब वर्ष पुराने भी हो सकते हैं। वे प्रागैतिहासिक जीवन रूपों और जीवाश्मों की परीक्षा के माध्यम से पौधे और पशु जीवन के विकास पर शोध करते हैं। वे विलुप्त प्रजातियों के बारे में जानने के लिए जानवरों की हड्डियों, गोले और कास्ट का उपयोग करते हैं। साथ ही वह जीवाश्मों का पता लगाने और जीवाश्मों के बारे में प्रासंगिक तथ्यों की पहचान करने के लिए विभिन्न वैज्ञानिक तकनीकों का उपयोग करते हैं। उनके कार्यक्षेत्र में जीवाश्मों का पता लगाना और उनकी खुदाई करना, निष्कर्षों की पहचान, अनुसंधान और उन्हें साझाकरण करना शामिल है।

पर्सनल स्किल्स

पेलियोन्टोलॉजिस्ट को कंप्यूटर की अच्छी जानकारी होनी चाहिए और सांख्यिकीय विश्लेषण में सक्षम होना चाहिए। इसके अलावा उसमें मौखिक और लिखित संचार कौशल भी होने चाहिए, क्योंकि उन्हें पेशेवरों की एक टीम के साथ काम करना होता है।

पैलियोन्टोलॉजिस्ट के पास उच्च जिज्ञासा स्तर और इमेजिनेशन पावर होनी चाहिए। उन्हें तार्किक और गंभीर रूप से सोचने में सक्षम होना चाहिए, जिज्ञासु और अत्यंत विश्लेषणात्मक होना चाहिए, और एकत्रित डेटा या जानकारी से निष्कर्ष निकालने की क्षमता भी इस क्षेत्र के लिए बेहद जरूरी है। चूंकि जीवाश्म विज्ञान एक कठिन काम है, जिसमें जीवाश्मों को खोजने और खुदाई करने के लिए बहुत से बाहरी काम करने की आवश्यकता होती है, एक इच्छुक व्यक्ति को धैर्यपूर्ण होना चाहिए।

योग्यता

पैलियोन्टोलॉजी एक विज्ञान से संबंधित लेकिन व्यापक क्षेत्र है। इसलिए एक जीवाश्म विज्ञानी को भौतिकी, रसायन विज्ञान, जीव विज्ञान और भूविज्ञान को जानना आवश्यक है। जीवाश्म विज्ञान में अधिकांश प्रवेश स्तर के पदों के लिए भूविज्ञान या पृथ्वी विज्ञान में मास्टर डिग्री की आवश्यकता होती है। वहीं रिसर्च और कॉलेज टीचिंग के लिए पीएचडी होना आवश्यक है। कई भाषाओं का ज्ञान इस क्षेत्र के लिए एक अतिरिक्त लाभ है।

रोजगार की संभावनाएं

एक पेलियोन्टोलॉजिस्ट के रूप में आप कॉलेजों और विश्वविद्यालयों, अनुसंधान संस्थान, संग्रहालयों, या राज्य और संघीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षणों, प्रयोगशालाओं आदि में काम कर सकते हैं। जीवाश्म विज्ञानी सार्वजनिक व निजी दोनों ही क्षेत्रों में रोजगार की संभावनाएं तलाश सकते हैं।

आमदनी

एक जीवाश्म विज्ञानी की आमदनी उनके शिक्षा के स्तर, अनुभव व जहां पर वे काम करते हैं, उस पर निर्भर करती है। निजी क्षेत्र में आपकी योग्यता व अनुभव के आधार पर अच्छा वेतन मिलता है। शुरूआती रूप में एक जीवाश्म विज्ञानी 15000 से 25000 रूपए प्रतिमाह आसानी से कमा सकता है। इसके बाद आपके अनुभव के आधार पर आमदनी बढ़ती जाती है।

प्रमुख संस्थान

भारत में केवल एक संस्थान जीवाश्म विज्ञान में एक पाठ्यक्रम प्रदान करता है और यह हैदराबाद के बंडलागुडा में स्थित जिओलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया है।

अलग-अलग भाषाओं के साथ लैक्सोग्राफी में बना सकते हैं कॅरियर

एक लेक्सोग्राफर को संबंधित भाषा का गहरा ज्ञान होना चाहिए। अंग्रेजी पर उनकी पकड़ काफी अच्छी होनी चाहिए। साथ ही विभिन्न भाषाओं को जानने की जिज्ञासा, पढ़ने की आदत, अनुसंधान और विश्लेषणात्मक कौशल, टीम वर्क और लिखित संचार कौशल, प्रभावी समय प्रबंधन और संगठनात्मक कौशल हैं।

वर्तमान समय में, छात्रों के लिए संभावनाओं का एक खुला आसमान है, जहां पर वह विचरण करके एक सुखद व सफल भविष्य बना सकते हैं। ऐसा ही एक क्षेत्र है लेक्सोग्राफी। हो सकता है कि आपके लिए यह शब्द नया हो, लेकिन हम आपको बता दें कि शब्दकोश प्रारूप में 'शब्द' लिखने की कला को लेक्सोग्राफी कहते हैं। लैंग्वेंज स्टडी के इतिहास में इसका एक अहम् स्थान है। जिसमें शब्दकोश निर्माण के दौरान इतिहास, थ्योरी, मैथडोलॉजी और टाइपोलॉजी शामिल है। अगर आप भी अलग-अलग भाषाओं के साथ अपना भविष्य देखते हैं तो आप लैक्सोग्राफी के क्षेत्र में अपना कॅरियर बना सकते हैं। तो चलिए जानते हैं कि इस क्षेत्र में कैसे बनाएं अपना कॅरियर-

क्या होता है काम

लेक्सोग्राफर एक प्रोफेशनल भाषाविद् होते हैं, जो डिक्शनरी, एनसाइक्लोपीडिया व अन्य रेफरेंस टेक्स्ट जैसे लॉ और मेडिकल डिक्शनरी बनाने के लिए रिसर्च, लेखन, संकलन व संपादन करते हैं। आमतौर पर, लेक्सोग्राफी को दो शाखाओं में विभाजित किया गया है, पहला प्रैक्टिकल लेक्सोग्राफी और दूसरा सैद्धांतिक लेक्सोग्राफी। प्रैक्टिकल लेक्सोग्राफी में शब्दकोशों का संकलन, लेखन और संपादन की प्रक्रिया शामिल है। वहीं सैद्धांतिक लेक्सोग्राफी में लैंग्वेंज की स्टडी और इसकी शब्दावली के अध्ययन पर ध्यान केन्द्रित किया जाता है। इस प्रकार अगर देखा जाए तो एक लेक्सोग्राफर का काम सिर्फ परिभाषाएं लिखना ही नहीं होता, बल्कि सही लोगों के लिए सही परिभाषा लिखना होता है।

पर्सनल स्किल्स – एक लेक्सोग्राफर को संबंधित भाषा का गहरा ज्ञान होना चाहिए। अंग्रेजी पर उनकी पकड़ काफी अच्छी होनी चाहिए। साथ ही विभिन्न भाषाओं को जानने की जिज्ञासा, पढ़ने की आदत, अनुसंधान और विश्लेषणात्मक कौशल, टीम वर्क और लिखित संचार कौशल, प्रभावी समय प्रबंधन और संगठनात्मक कौशल हैं। इसके अलावा आपको ग्रामाटिकल और कम्प्यूटेशनल भाषा का भी अच्छा ज्ञान होना चाहिए। एक बेहतरीन क्रिटिकल थिंकिंग, ओपन-मांइडेड, व हर छोटी बातों पर गहरी नजर होनी चाहिए। लेक्सोग्राफी एक ऐसा क्षेत्र है, जिसमें आपको कड़ी मेहनत और पूर्ण रूप से जिम्मेदारी निभाना आना चाहिए।

शैक्षणिक योग्यता – इस क्षेत्र में कॅरियर देख रहे छात्रों को अंग्रेजी या किसी अन्य संबंधित भाषा में मास्टर या डॉक्टरेट की डिग्री होना आवश्यक है। वर्तमान में देश में ऐसे कई विश्वविद्यालय हैं, जो विभिन्न भाषाओं जैसे अंग्रेजी, हिन्दी, संस्कृत, तमिल, पंजाबी आदि में लेक्सोग्राफी पाठ्यक्रम संचालित करते हैं।

संभावनाएं – लेक्सोग्राफर कई पब्लिशिंग हाउस के लिए काम करते हैं। वह अपना कॅरियर असिसटेंट एडिटर या फिर जूनियर एडिटोरियल असिसटेंट के तौर पर शुरू कर सकते हैं। कुछ अनुभव प्राप्त करने के बाद आप बतौर लेक्सोग्राफर काम कर सकते हैं।

आमदनी – यह एक ऐसा क्षेत्र है, जिसमें लोग सैलरी के लिए नहीं, बल्कि अपनी खुशी के लिए काम करते हैं। एक पब्लिशिंग हाउस में काम करने वाले लेक्सोग्राफर 15000 से 20000 रूपए प्रतिमाह कमा सकते हैं। वैसे कई लेक्सोग्राफर एक फ्रीलांसर के तौर पर काम करते हैं और इस तरह वह हर प्रोजेक्ट के लिए चार्ज करते हैं।

प्रमुख संस्थान

- डेक्कन संस्थान, पुणे
- पंजाबी यूनिवर्सिटी, पटियाला
- मद्रास विश्वविद्यालय केरल विश्वविद्यालय, केरल
- भारथिअर यूनिवर्सिटी, कोयंबटूर

डॉक्टर बनने के लिए जरूरी है नीट परीक्षा ऐसे करें तैयारी

नीट परीक्षा की योग्यता की बात करें तो 12वीं में फिजिक्स, केमिस्ट्री और बायोलॉजी सब्जेक्ट के साथ मिनिमम 50 परसेंट मार्क होना अनिवार्य है। इसके अलावा आवेदक की कम से कम 17 वर्ष की उम्र होना चाहिए।

नीट मतलब नेशनल एलिजिबिलिटी एंट्रेंस टेस्ट! यह परीक्षा देशभर में मेडिकल कॉलेजेज में एडमिशन लेने के लिए आयोजित की जाती है। 12वीं के बाद अगर आप भी डॉक्टर बनना चाहते हैं और इससे संबंधित एमबीबीएस अथवा बीडीएस की पढ़ाई करना चाहते हैं तो आप को इस नीट का एग्जाम देना ही पड़ेगा। बता दें कि नेशनल टेस्टिंग एजेंसी यानी एनटीए द्वारा इसके लिए एंट्रेंस एग्जामिनेशन प्रत्येक वर्ष आयोजित की जाती है। इस परीक्षा की योग्यता की बात करें तो 12वीं में फिजिक्स, केमिस्ट्री और बायोलॉजी सब्जेक्ट के साथ मिनिमम 50 परसेंट मार्क होना अनिवार्य है। इसके अलावा आवेदक की कम से कम 17 वर्ष की उम्र होना चाहिए।

जान लें कि अगर आपने 12वीं की पढ़ाई ठीक ढंग से की है, खासकर बायोलॉजी, फिजिक्स व केमिस्ट्री में, तो आप इस परीक्षा में बेहतर अंक प्राप्त कर सकते हैं, किंतु ध्यान रखने वाली बात यह है कि यह राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित की जाने वाली एकमात्र मेडिकल परीक्षा है। अत : कंपटीशन बेहद कठोर होता है। अत : मुश्किल तो होगी, किन्तु यह नामुमकिन कतई नहीं है! परीक्षा के माध्यम की बात करें तो हिंदी और अंग्रेजी में इसके प्रश्न दिए जाते हैं। अगर आप इस परीक्षा में पास हो जाते हैं तो ऑनलाइन इसकी काउंसलिंग होती है और नेशनल लेवल के अलावा स्टेट लेवल पर भी इसकी काउंसलिंग कंडक्ट की जाती है। इसमें अलग-अलग कैटेगरी के हिसाब से सीटों को आवंटित किया जाता है। एनटीए की ऑफिशियल वेबसाइट पर इसकी दूसरी कई जानकारियां आपको मिल जाएंगी। यहां तक कि आप मॉक टेस्ट का पेपर भी यहाँ से डाउनलोड कर सकते हैं और उस हिसाब से अपनी तैयारी को धार दे सकते हैं। कॅरियर एक्सपर्ट्स तैयारी के लिए सलाह देते हैं कि आपको काफी पहले से इस पर ध्यान देना होता है, किंतु जिस स्तर का टफ एग्जामिनेशन होता है, उसे देखते हुए आपको अंतिम के तकरीबन 2 महीने बेहद सटीकता से रिवीजन पर बिताना होगा। इसके लिए आपको न केवल स्ट्रेस से बचना होगा, बल्कि बेहतरीन तैयारी के लिए पूरी शेड्यूलिंग करके अलग-अलग सब्जेक्ट पर ध्यान देना होगा। ध्यान रहे! यह कोई साधारण एग्जामिनेशन नहीं है, इसलिए आप भिन्न एक्सपर्ट्स से मार्गदर्शन लेने में संकोच ना करें। इसमें पिछले वर्ष के टॉपर्स का इंटरव्यू आपको मिल जाएगा, जिसे आपको पढना-सुनना चाहिए। इसी प्रकार से जो दूसरे एक्सपर्ट्स हैं, उनकी राय भी आपको काफी लाभ पहुंचा सकती है। किन्तु अंत में आपका डिसिप्लिन और बेहतरीन रिवीजन के साथ मॉक टेस्ट पेपर अधिक से अधिक बार सॉल्व करना आप के लिए सबसे मददगार साबित हो सकता है। कंप्रिहेंसिव रिवीजन इसमें काफी फायदेमंद साबित होता है। इसके लिए आपको एनसीआरटी बुक्स का गहराई से अध्ययन करना चाहिए। अंत में आपको संपूर्ण सिलेबस पर ध्यान देना होता है और सिलेक्टिव टॉपिक्स को स्टडी करने से बचना है। आपको सम्पूर्ण कोर्स के अधिक से अधिक हिस्सों को, कम से कम समय में कवर करने की कोशिश करनी चाहिए। ध्यान रहे, इसका कोई शॉर्टकट नहीं है, बल्कि कड़ी मेहनत ही आपको इसमें इक्षित परिणाम दे सकती है।